

আধুনিক পদ্ধতিতে

# रिल णिया निका

হিন্দি ভাষা সহজভাবে বলা ও শেখার সহজ উপায়



# हिन्दी बंगला स्वरवर्ण हिन्दी वाश्ला अववर्ण

इ आ रे वा व लुरु ञा

মনে রাখবে—হিন্দী ভাষায় (৯) এবং (১) এর ব্যবহার নাই।

# हिन्दी बंगला व्यंजनवर्ण हिन्दी वाश्ना वाधनवर्ण

ख ग द ह्य 5 2 W. 80 51 W (1) 19 5 C C 6 of M 19 81

u	To.			
প	20	1	(6)	A
य	7	ल		श
য	3	ল	ব	361
Q	स	8	3	Ġ
ষ	স	2	ए	Ģ
	فر	•	क्ष	ज्ञ
2	laise-aje	00	क्र	ख

মনে রাখবে—হিন্দী ভাষায় 'য়'-এর ব্যবহার নাই।

# अतिरिक्त वर्ण (অणितिक वर्ण)

क्ष ज त्र इ ढ़

মনে রাখবে—উপরোক্ত বর্ণগুলিকে হিন্দীতে অতিরিক্ত বর্ণ বলা হয়।

स्वरवर्ण की परीक्षा (সওর্ ওয়ার্ড় কী পরীক্ষা)

उए आ ओ इ लृ ऊ উ এ আ ও ই ৯ উ ऋ ई औ अ ऐ अं अः अ के े ज ब ब जर जः

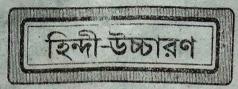
> व्यंजनवर्ण की परीक्षा (अग्रान्जन् अग्रत्ड़ँ की পतीक्षा)

ड ड त क ध द उ ए ७ क ध फ ठे

व झ फ घ T व वा জ ख ফ त थ इ ढ ष ख थ গ ষ ড ড খ ठ ज ल 34 श ল এ d उ व ड स च 5 H रि ড य 18 00 ক্ষ

# स्वरवर्णी का मात्रा (अत्वर्णत गांवा)

 $31 = 7 \quad \xi = 6 \quad \xi = 7 \quad 3 = 3 \quad 5 = 3 \\
31 = 1 \quad \xi = 2 \quad 3 = 7 \quad 5 = 3 \\
31 = 1 \quad \xi = 2 \quad 5 = 7 \quad 5 = 3 \\
31 = 1 \quad \xi = 2 \quad 5 = 7 \quad 5 = 7 \\
31 = 1 \quad 31 = 7 \quad 31 = 7 \\
31 = 1 \quad 31 = 7 \quad 31 = 7 \\
31 = 1 \quad 31 = 7 \quad 31 = 7 \\
31 = 1 \quad 31 = 7 \quad 31 = 7 \\
31 = 1 \quad 31 = 7 \quad 31 = 7 \\
31 = 1 \quad 31 = 7 \quad 31 = 7 \\
31 = 1 \quad 31 = 7 \quad 31 = 7 \\
31 = 1 \quad 31 = 7 \quad 31 = 7 \\
31 = 1 \quad 31 = 7 \quad 31 = 7 \\
31 = 1 \quad 31 = 7 \quad 31 = 7 \\
31 = 1 \quad 31 = 7 \quad 31 = 7 \\
31 = 1 \quad 31 = 7 \quad 31 = 7 \\
31 = 1 \quad 31 = 7 \quad 31 = 7 \\
31 = 1 \quad 31 = 7 \quad 31 = 7 \\
31 = 1 \quad 31 = 7 \quad 31 = 7 \\
31 = 1 \quad 31 = 7 \quad 31 = 7 \\
31 = 1 \quad 31 = 7 \quad 31 = 7 \\
31 = 1 \quad 31 = 7 \quad 31 = 7 \\
31 = 1 \quad 31 = 7 \quad 31 = 7 \\
31 = 1 \quad 31 = 7 \quad 31 = 7 \\
31 = 1 \quad 31 = 7 \quad 31 = 7 \\
31 = 1 \quad 31 = 7 \quad 31 = 7 \\
31 = 1 \quad 31 = 7 \quad 31 = 7 \\
31 = 1 \quad 31 = 7 \quad 31 = 7 \\
31 = 1 \quad 31 = 7 \quad 31 = 7 \\
31 = 1 \quad 31 = 7 \quad 31 = 7 \\
31 = 1 \quad 31 = 7 \quad 31 = 7 \\
31 = 1 \quad 31 = 7 \quad 31 = 7 \\
31 = 1 \quad 31 = 7 \quad 31 = 7 \\
31 = 1 \quad 31 = 7 \quad 31 = 7 \\
31 = 1 \quad 31 = 7 \quad 31 = 7 \\
31 = 1 \quad 31 = 7 \quad 31 = 7 \\
31 = 1 \quad 31 = 7 \quad 31 = 7 \\
31 = 1 \quad 31 = 7 \quad 31 = 7 \\
31 = 1 \quad 31 = 7 \quad 31 = 7 \\
31 = 1 \quad 31 = 7 \quad 31 = 7 \\
31 = 1 \quad 31 = 7 \quad 31 = 7 \\
31 = 1 \quad 31 = 7 \quad 31 = 7 \\
31 = 1 \quad 31 = 7 \quad 31 = 7 \\
31 = 1 \quad 31 = 7 \quad 31 = 7 \\
31 = 1 \quad 31 = 7 \quad 31 = 7 \quad 31 = 7 \\
31 = 1 \quad 31 = 7 \quad 31 = 7 \quad 31 = 7 \\
31 = 1 \quad 31 = 7 \quad 31 = 7 \quad 31 = 7 \\
31 = 1 \quad 31 = 7 \quad 31 = 7 \quad 31 = 7 \quad 31 = 7 \\
31 = 1 \quad 31 = 7 \\
31 = 1 \quad 31 = 7 \quad 31 =$ 



हिनीरा अ, ई, उ, ऋ— এই अत्रवर्ण धिन ते छक्ता तथ हुन। आ, ई, ऊ, लृ, ए, ऐ, ओ, औ ইত্যाদित छक्ता तथ मीर्घ।

হিন্দীতে अ -এর উচ্চারণ অনেকটা বাংলা 'আ'-এর মতো। যথা—अब (আব্) हम (হাম্) ইত্যাদি।

হিন্দীতে 'ऐ' এর উচ্চারণ বাংলা ঐ-কারের মতো নয়। হিন্দীতে এর উচ্চারণ আয়ে' এর মত। যথা है (হ্যায়), मै (ম্যায়), कैसा (ক্যায়সা), जैसा (জায়সা) ইত্যাদি।

হিন্দীতে 'औ' -কারের উচ্চারণ, বাংলা উ-কারের মতো নয়। হিন্দীতে এর উচ্চারণ অনেকটা 'অও'-এর মতো। যথা— और (আও্র), কীন (কও্ন), কীবা (কওয়া), पौधा (পও্ধা) ইত্যাদি।

হিন্দীতে 'ল'-এর উচ্চারণ বাংলা 'জ'-এর মতো। কিন্তু 'ম'-এর উচ্চারণ ইয়'-এর মতো। যেমন— यह (ইয়হ), यहाँ (ইয়হাঁ) ইত্যাদি।

হিন্দীতে পেট কাটা ন্ধ'-এর উচ্চারণ বাংলা 'ব' মতো, কিন্তু পেট কাটা ন্ধ' না হলে, অথিৎ অন্তস্থ 'ব' হলে তার উচ্চারণ 'উও্' এর মতো। যেমন— 'ব্রন্থ' (উও্হ্), 'ব্রন্থা' (উওহাঁ)।

হিন্দীতে খ' যদি শব্দের মধ্যে বা পদের শেষে থাকে, তবে তার উচ্চারণ হবে বাংলা 'য়' মতো বায-ফলা (়)-র মতো। যথা— नयन (নয়ন), समय (সময়) ইত্যাদি। হিন্দীতে 'य' বা (J)-ফলা কোনও অক্ষরের সঙ্গে যুক্ত হলে তার উচ্চারণ 'ইয়'-এর মতো হয়। যেমন—ক্রন্মা (কন্ইয়া), गद्य (গদ্ইয়), अभ्यास (অভ্ইয়াস) ইত্যাদি।

হিন্দীতে 'ঘা'ও 'ঘ' এর উচ্চারণ বাংলা 'শ'ও 'ঘ'-এর মতোই, কিন্তু 'ষ' যদি 'ক'-এর সঙ্গে যুক্ত হয়। তাহলে বাংলা উচ্চারণ 'ক্ষ' কিন্তু হিন্দীতে এর উচ্চারণ হবে 'ক্ষ'-এর মতো হয়। যেমন—ঘरীक्षा (পরীক্ষা)। अपेक्षा (অপেক্ষা) ইত্যাদি।

# ব্যঞ্জনবর্ণের সঙ্গে শ্বর্মাত্রার যোগ

बारहरवड़ीयाँ

के को को कं कः के कि की क कु कु কৈ কো কৌ কং কঃ की 'কে কি ক **季** ক खे खो खो खं खः खे खि खी खु खू खु खा খো খৌ খং খঃ शी খে খৈ থি য় य य 21 गो गे गो गे गि गी गु ग् ग् गा ग গৌ গং গঃ रेश গো शी 5 छ গু ना গি 51 घो घ घः घो घे घी घृ घू घि घु घ घा যৌ ঘৈ ঘো ঘং ঘঃ ঘূ ঘি घी ঘু घु ঘ ঘা चृ चे चौ चो चं चः ची चू चु चि चा च इव १व विके विके वर्ग ही ि 5 Þ ठा 5 छे छो छो छ छ: छ छी छि छू छु. हरू छा ছৈ ছো ছৌ ছং ছঃ ছ BX ि ছী 5 ष्टू D ছা जी जंजः जै जो जे जी जु ज जि जू ज जा জৌ জং জঃ জৈ জো जी জ জে জি জ্ব জ জ जा

झी झि झे झौ झे झा सु झू झो झ झृ बि ঝী वा (यो 4 잦 त्य ঝো (4 रा० 210 टि टी टै टी रे टो ट टा T दुर्दू टिनि रिक ₹: द्रत्य T ि ति টে T ति . छा টো To हिं ठि ठी र्ठ ठौ ठे ठो ठ ठा 3 ठं कुर् ठः 8 र्थ की. री कं क्र र्रु क्रा की 力。 डि डी डे डे डो डी दु डू ह डं ड डा ड: টী ि पू ডৈ টো To a 少 ড ডে ডো ডং ডঃ 5 ि ढी वै ढो ढी बु लू तं ह ढे त ढा तः ही 6 रें पू र्षे T छ P ... (5) (5 प्टि 50 णि णी णे णी णो णं णु णू णु ज़े ण णा णः नि नी न् 9 ना न् न् ट्रेल লো (লা ণে 90 ती ति ते तो तौ ते ता तु तू तृ त তি তী र्ज वू তূ তৌ ত ण क् (0 (0) তং তঃ थी थि थै थो थौ थु थ था थे थू थृ थं थ: शी थि शू श शा शृ থৈ থে (2) (2) 210 श् 200 दि दे दी दौ दो द दा दे दु दू दु दं मि नी लि V जा पू पू . पृ रेन দো प्र CH Mo धि धी धे धो धो ध धा धु धे धू धृ धं ध: शी ধি ধা श श् ধূ रिश त श्र् ধে ধো . ४९. ४% नि नी नो न ना ने नो नु नै नं नू नृ नः नि नी ना নৌ नू न् नि নো 70 न् न0 3 पि पी प पु पं पा पू पौ पें पो पृ पे पः পি शी 9 N (श्री 2 शं शं N रिश (8) (2) फि फी फ फा फु फै फौ फो फू फु फे फं ফি की रा क् यू ফো ফৌ यू याः याः यृ ফৈ ফে

वै वं वि वी वो वो व: वे वा व वु वू বী ব বি বৌ বং বঃ বা 9 दिव বো বে বু বৃ मि मी मो मो मे मं मः मा मु मे मु म् मि भी মৌ देय ্মা মা ग्रं ग्रं ম মূ य य (2) यि यों यी यो यं यः या यू ये ये य यू यृ यू यी यि যৌ यः यः रिय (या য যা यु য়ে यृ रि री रो रौ रं रे रे रा रू रु • र रू ती রৌ ति বৈ রং রঃ রো রে র রা রু রা র लै लो लो लं लः ली लि ले ल ला लु लू लृ लि ली লৈ ली ल लः ला (0 ल ला ल् ल ल वो वो वं वः वै वीः वि वृं वे वु वू वा व 'বৌ বং বঃ वी বো বি वृ ব 3 ব ব বা शे शो शो शं शः शी शे शृ शि शु शू श शा Cult 南 X Cal العرا (मी भार भार M M × × 3 षो षं षः वे षो षी ब्र षे षि ब्र षु ष षा (से यः यः ষৈ (ষা ষি वी षृ य् यू ষে ষা ষ सौ सं सः से सो सृ से सी सि सू सु सा स भी সৈ সো সৌ সং সঃ সি म সে भृ সা সু স हो है हो हं हः ही हि हु हू ह हा ह (र्हे) दः इः शै হো देश হি उ छ रू হা इ श क्षे क्षौ क्षी क्षो क्षं क्षः क्षे क्षि क्षू क्ष क्षु क्ष क्षा কৌ কো क्रशकः क िक ক্ষী শ্ৰু 一种 क्र ক্ষা 季 李 जे जै ज्ञीं जी जो ज जः जि जा ज् ज ज् जू ुख्य ,ख्य ,ख्य (জ্ঞা खि छी ेख ख् (ख ख्यु .

# पाठ-१ (পाঠ->) वो अक्षरों का मेल (पूरे व्यक्षतंत भिनन)

अव (खर्)— এখন। कव (कर्)— कथन तव (ठर्)— उथन।
जव (जर्)— यथन कह (कर्)— वल रख (तथ)— ताथ।
मत (प्रज्)— ना वन (वन)— रुख फल (कल)— रुल।
दस (फ्र्र्)— प्रम वल (ठल)— ठला हल (रुल्)— लाञ्जल।
डर (फ्र्र्)— ज्य छत (छ्ज्)— छाम पर (अत्)— छेअरत।

#### वास्य रचना (वाका तहना)

फल चख । (कल् हर्।) — कल थाउ। घर चल । (घत् हल्) — घतः हल।
रस रख । (त्रम् तथा) — तम तात्था। अब चल । (घत् हल्) — এখন हला।
इस मत कर । (एत् भक् कत्।) — छग्न कतिउ ना।
छत पर मत चढ़ । (ছত্ পর্ भक् हर्।) — ছাদের ওপর हिएउ ना।

# तीन अक्षरों का मेल (जिन वक्रातत मिलन)

अलग (जलग)-शृथक सबक (अवक्) - शार्घ सड़क (अड़क) - श्रिय डगर (डगर) - थान कमल (कप्रन्) - श्रिय मगर (प्रगत्) - किख बहन (वरुन्) - रवान शरम (श्रुव्य) - नब्बा रबड़ (त्रवड़्) - त्रवात बढ़ई (वर्ष्य) - ब्रुवात खबर (थवत्) - अरवाम मदद (प्रम्म) - आर्थ्य

#### वाक्य रचना (वाका तहना)

नमक रख । (नमक् तर्।) — नवन ताथ।
सड़क पर चल । (मफ़क् श्रु हल्।) — श्राथत छेश्रत हला।
नगर चल । (मगत हल्) — श्रायत हला।
अब डगर पर चल । (खद् छगत् श्रु हल्) — व्यन थाल हल।
कमल पकड़ । (कमल श्रु क्रु क्रु क्रु क्रु क्रिक् मां।
शरम मत कर । (श्रु म्रु क्रु क्रु — लक्ष्म क्रिक् मां।

# चार अक्षरों का मेल (हांद्र अक्राद्धत मिलन)

खटमल (थएँभल्) — ছाরপোকা। नटखट (নট্খট্) — দুষ্ট

बरगद (वत्र शम्) — वर्षे शाष्ट्र बचपन (वर्ष्प्रन्) — वान्य कान्य पलटन (शन्य न्) — राजन बरतन (वत्य न) — वाजन लगभग (लग्ভग्) — थाय कटहल (क्रॅश्न्) — काँठील कसरत (क्र्य्र्ं) — वांग्राप्र झटपट (क्रॅ्ंश्र्ं) — वांज्रांवि

वाक्य रचना (वाका तहना)

झटपट चल । (अऍপऍ ठल्।) — ठाफ़ाठाफ़ि ठला।
वरगद पर मत चढ़ । (वर्त्त भत् भव् घठ ठढ़्।) — वर्ष गाष्ट्र ठिफ़िख ना।
नटखट मत बन । (निष्चिए भव् वन्।) — पृष्ठ देरेख ना।
खटमल मत पकड़ । (अऍभल् भव् भक्ष्।) — हात्र श्रीका धिति छ ना।
कटहल चख । (कऍरल् ४५।) — कांग्रील थाछ।
पलटन बन । (भल्एन् वन्।) — रानिक रूछ।
शालगम रख । (भल्एम् वर्।) — भालगभ् तार्था।
अव कसरत कर । (जव् कमत्रव् कत्।) — खर्यन् वाराभ करता।

## मात्रायों का प्रयोग (प्राजाता का श्रामण) आ-का मेल (अ-कात याण) आ = 1 क + आ = का (का)

नया (नया) - नजून आग (जाग) - जाछम इयाद (रेग्राम्) - यादग काम (काम्) - काक आप (णाभ) - णाभनि वड़ा (वड़ा) - वड़ा आम (जाम) - जाम पका (अका) - श्राका सड़ा (अज़ा) - श्राका दवा (मुख्या) - छेयर चाचा (ठाठा) - काका नाना (माना) - माना प्राप्ता বন্তরা (বছ্ড়া) - বাছুর तलास (ज्लाम) - मक्षान अनार (अनात) - छानिय आपक्रा (আপকা) - আপনার कलाई (कलान्न) - कर्डी कपड़ा (कश्रुण) - काश्रुष् खरहा (খরহা) - খরগোস जवड़ा (जव्डा) - काग्राल: सामान (जागान) - जिनिम প्रव न्वमड़ा (हमड़ा) - हामड़ा नमकहाराम (नमकशताम) - अकृञ्छ। ताकतवर (তাকত্বর) - শক্তিমান नासपाती (नामभाष्टी) - नामभाषी। टमाटर (एगाएव) - एगाएवा

# वाक्य रचना (वाका त्राना)

नया कपड़ा पहन । (त्रा कश्ण शरु।) — नजून काश्र शरा।
आप कहाँ था ? (जाश कर्श था?) — जाश्रीन काथार हिलन?
आग मत जाल । (जाश मज् काल।) — जाश्रन ह्याला ना।
सामान ला । (नजान ला।) — किनिमश्र जान्।
दवा खा । (नजा था।) — केम थाउ।
चाचा आया । (हाहा जारा।) — काका व्याप्टन।
नाना आया था । (नाना जारा था।) — मानामनारे व्याहिलन।
लड़का चला गया । (लज़्का हला शरा।) — ह्यालि हल शिह्।
सवाल मत कर । (मज्राल् मज् कर्।) — श्रम किन्छ ना।
सवाल का जवाव दिया । (मज्राल का क्ष्रांव मिरा।) — श्रम हिन्छ।

# इ-का मेल (ই-काর यांग) इ = िक + इ = कि (कि)

फिर फित्) - जावात दिल (मिल) - श्रमंग्र सिर (भित्) - याथा हारिज (शिक्षत) - উপश्विত-चिडिया (िि एग्रा) - शाथी। किताव (किठाव) - दर तिकया (তिक्या) वालिশ सितार (भिणात) - भिणात सितारा (भिठावा) - नक्व दिमाग (पियान) - मिछक किसान (किসान) - कुरक किधर (किथर्त) - कानिएक नाविक (नाष्य्रिक) - भावि गिरगिट (भित्निए) - भित्रिगिष् सरिता (अतिछा) - नपी मालिकन (प्रालिकन्) - প্रভूপত्नी नावालिग (नाधग्रालिग)-नावालिका निबियत (তবিয়ত্) - শরীর। नारियल (नांतिय़ल्) - नांतर्कल

वाक्य रचना (वाका तहना)

ालाव छिछला था। (जानार् हिष्ट्ला था।) — श्रूक्ति गंभीत हिल। दिल लगाकर पढ़। (मिल् लगाकत् शृं।)—प्रम मिर्य श्रंण। लिफाफा ला। (निकाका ला।)—थाप्र जाता। नारियल खा। (नातियल था।)—मात्रकल थाए।

किसान जाता था। (किमान काज था।) — कृषकि याष्ट्रिल। वछड़ा वहाँ था। (वड्डा उग्नर्श था।)—वाडूवि उथात हिल। छतपर चिड़िया था । (इन्तर् हिष्गा था।) - ছोएत उनत भायी हिल। आवाज मत कर । (वाध्याक ग्रज् कर्।) - गर्क क्रिंड ना। मिता कमरा साफ कर। (भिछा कम्ता नाक् कत्।)—भिछा घत পतिष्ठात कत्।

ई-का मेल (क्र-काর योग) दीप (तीन)—वाणि खीरा (थीता)—गंगा माली (पाली)—पाली हाथी (राथी)—राजी पानी (भानी)—जन तीस (ठीम्)—विশ

विमारी (विमाती)—अनुभ বারের (নীদ্রড)—শক্ন पणीहा (श्रेशिश)—शाशिया पर्पाता (भेशींज)—(भैंश जानकी (कानकी) - जीए। नजदीक (नंक्षमिक)—निकारि सुनहती (त्रुन्श्नी)—ज्ञानानी

सभी (मड़ी)—मयस्ड कभी (कड़ी)—कथनड दही (मर्री)— रैन जवानी (छउग्रानी) - यूवठी वकरी (दक्दी)—श्री तितली (छिछनी)—श्रकाशि कड़ाही (क्छारी)—कड़ारे छिपकली (ছिপ्कली)— धिकिपिकि मजहबी (गङ्गी)—धार्बिक गाड़ीचान (शाड़ी ७शान) - शाए। शान

वाक्य रचना (राका तहना)

वीरा ला। (शेवाला।)-मभा जाता। पानी पी। (भागी भी।)-कल था। लड़की गाना गाती थी। (लड़की गान गांडी थी।) - प्रायां गिन गांडे छिन। तितल। उड़ती थी। (তিত্লী উড়তী খী।)—প্রজাপতি উড়ছিল। वीणा विसारी थी। (७ यिएँ। विभाती थी।)—रीना प्यमुश् हिलं।

जीवन बाव मजहवी आंदमी था। (जी ७ सन् वात् मज़र्ती আদমী থা।)—জীবন বাবু ধার্মিক লোক ছিলেন।

पपीहा नजदीक उड़ती थी। (अशीश नक्षमीक एं एं ही थी।) - शालिया कार्ट्र

উডছিল।

गाड़ीबान गाड़ी चलाता था । (शाड़ी अग्नन् गाड़ी हलाज था।) - शाड़ीग्रान গাতী চালাচ্ছিল। रीना गर्गाता खरिदा था। (दीना शशीजा थितना था।)—दीना (शैंटश किनिष्टिल।

# उ-का मेल (উ-कार यान) उ = ुक + उ = कु

कुछ (कृष्)—िकष् खुद (थूम्)—िनिष्क गुफा (श्र्ष्का)—श्र्यः।
तुम (जूम्)—जूमि खुश (तूर्वा)—यन दुम् (मूम्)—लिख
बगुला (वश्र्ला)—वक गुलाब (श्र्लाव्)-शालाश लुहार (लूश्र्व)—कामात
तुम्हारा (जूम्हारा)—राजार्व सुनार (मून्वात्)—र्वाकार्व सुनार (मून्वात्)—र्वाकार्वा सुअर (मूज्र्व्वा)—मृक्वा वाव्ल (श्र्वावृत्व)—वाव्ला शाष्ट्र।
खुरदस (थून्व्वा)—धाताला धकाहुआ (थकाल्वा)—शित्वाणः।

#### वाक्य रचना (बाका त्रामा)

अव कुछ खा। (षाव् कृष्ट् था।)—এখন किष्ट् था।।
बुरा काम मत कर। (वृता काम भए कत्।)—मन काज करता ना।
लुहार काम करता था। (नृशत काम करा था।)—कामात काज करिता।
सुनार सड़क पर जाता था। (मूनात मड़क् भत जाठा था।)—आकता भएथत
अभत मिरा गाष्टिल।

काल गुरुवार था । (काल् छक्छग्नात था।)—काल वृह्म्मिटिवात हिल। कमरा बहुत गुराना था। (कम्ता वह्छ भृताना था।)—घत थ्व भृताजन हिल। गुलाम सामान लाया। (छलाम नामान लाया।)—काकत क्रिनिम्मि अत्तर्ह। सुनार गहना लाया। (मूनात भरना लाया।)—माकता भग्नना अत्तर्ह।

# ऊ-का भेल (উ-काর योग) ऊ = क + ऊ = कु

### वाक्य रचना (वाका त्रांग)

भालूवाला भालू नाचाता । (ভान् ७ ऱाना छान् ना ठा छ।) — छान् क ७ ग्राना ভালক নাচাচ্ছে।

चाकु मत पकड़। (हाकू भछ अकड़।)---हाकू धरता ना। सूरज निकला । (मृत्र निकला।) - भूर एळे एए। कमरा में चूहा था। (कप्रता (में हुई। था।) पदत हैंनूत हिल। दूकान जरूर जा । (मृकान् कक्तत का।)—अदगारे माकात याउ। ज्ता पहन । (कृष्ण शर्न्।)—कुर्ण शर्। किताव पढ़ना शुरु कर । (किञाव् পঢ़्ना ७ङ कत।)—वर्डे পড়তে আরম্ভ কর। बातूनी मत बन । (वाङ्नी ग्रन् वन्।)—वाठाल इरहा ना। भूखा आदमी खड़ा था। (ভূখা আদমী খড়া था।)—कूपार्ठ लाकि দাঁড়িয়েছিল।

भीरा कपूर लायी । (श्रीता कशृत लाग्नी।)— श्रीता कर्शृत এतिছে। लड़की झूला झूलती थी। (नड़की कृला क्लठी थी।)—ाराग्रां प्रालार দুলছিল।

ऋ-का मेल (अ-कात यात)

কৃষা (কৃশ)—রোগা मृदैग (पृनः १) — प्रनन्न

寒=。南+葵=賣 तृण (ज्ष्ँ)—घाम धृत (४७)—धना। कृपा (क्शो)—न्या नृप (नृश)—राजा मृग (नृश)—र्रातेश। घृत (एट)—घि गृह (गृर)—घत कृत (कृट)—कता कृत (क्छ)--क्रा कृषक (कृषक)—हायी कृपण (कृषड् )—कृषण वृषभ (वृषङ्)—शाँए पृथक (१११क्)—- जानामा सदृश (त्रमृग)— न्यान

## वाक्य रचना (वाका तज्ना)

कृषक हल चलाता था। (कृषक रल् ठलाठा था।)—कृषक नामन कर्राष्ट्रन हृदय सामान लाया । (ऋषग्र नामान लाग्ना।)—ङ्क्य किनिन्नभव व्यत्राह्म। गरीव पर कृपा कर । (गतीव अत् कृशा कत्।)—गतीरकत श्रा कत। ऋण मत कर । (अएँ भठ् कर्।)—अन करता ना। कृपाण पकड़ । (कृशाएँ अकर्।) - जलाग्नात धरता। गृह वड़ा था। (गृह वड़ा था।)—घति वड़ हिन।

हिसी-वार्ला भिका-- २

मृग आया था । (भूभ आग्ना था।)— इति । এসেছিল। कृपानाथ आया था । (कृभानाथ आग्ना था।)—कृभानाथ এসেছিল।

# ए-का मेल (এ-काর याग) ए = क + ए = के

चेला (फ्रना)—िशया खला (र्थना)—(र्थना खेत (अञ्) — क्षि संब (अव)—- चार्लन केला (कला)—कला मेला (अना)—(मना शेर ((শत)—वाघ मेरा (पाता)—आयात पंड (পেড)—গাছ मेज (अङ)— छैविन . वेटी (त्वी)—भारत छना (ছना)—ছाना उसके (উস্কে)—তার सवेरा (সবেরা)—সকাল सहेली (সহেলী)—সখী मेढक (याउक)—गांध सफंद (मर्राक्न)—भाषा हमेशा (रहाना)—थार्ड भेड़िया (ভिড्য়া)—शांकिनायान नेवला (लखना)-लखन बेवकूणं (त्रङकृष्)—त्राका मेहतर, (प्रश्वत्)—प्राथत्। मेहरबानी (प्रारःतवासी) कुला वेईमान (तक्रेंशान) विश्वाप्रधाणक

#### वाक्य रचना (राका त्राका)

पड़ पर अजगर था। । । ११७७ १त् चक्र १त् ११।)—गाष्ट्रत छे १त चक्र १त वि । वाजार से केला लाया। (वाक्रांत प्र क्ला लाया।)—वाक्रांत थिक केला अप्ताहः। मेज पर किताब रख। (यक्र १त किंचाव् तथ्।)—यिविलंत ७१६ वहें तथ। सबेरा हुआ। (अपता क्या।)—अक्रांल इताहः। हमारा चेला आम लाया। (इमाता फ्ला याम लाया।)—यामात निया याम अप्ताहः। हेरा पर चल। (एक्ता १त् ६ल्।)—वामाय हला। हेला पर सफर कर। (दल १त् अत् मक्त कत्।)—दाला चम्म क्ता वि । (उयह इत्मा यांचा शाय।)—प्र थायह यांप्र।

एं-का मेल (वे-कांत राश)
एं = के + ऐ = कै

कैसा (कार्यमा) — (कार्य केट (कार्यम) — (क्रम्थाना कैची (कार्यकी) — काँकि खैरी (थार्यकी) — उत्प्रकी मैती (भार्यकी) — गाँकि पैर (भार्यक्र) — भा जैसा (कार्यमा) — (यमन वैसा (ध्यार्यमा) — वे तक्य

सैर (माग्रत)—ज्ञमन

मैं (माग्रत)—जामि

बैगन (गाग्रन्)—ति कन भारे

नैत्न (जाग्रज्न)—जनभारे

वैजनी (भाग्रजनी)—नृभूत

बैल (गाय्रन्)—वनम मैना (ग्रायना)—गयना तैरना (जाय्रन्ना)—गाँजात मिख्या गवैया (१७४ व्यायन्)—शायक बेचैन (विज्ञायन्)—जङ्गान।

### वाक्य रचना (वांका तुरुन)

पैदल चल । (शारामल् हल्।)—(उँएउँ हला।
मैदान में सैर कर । (ग्राग्रमान (ग्रँ ग्राग्रत कत।)—गार्छ (वर्ण्छ।
बैल घास खाता है। (ग्राग्रल्म घात्र थांठा शारा।)—वनमि घात्र थांट्छ।
शैलेन तैरता है। (ग्राग्रल्म जाग्रवंजा शारा।)—लाल्म गाँठाव मिट्छ।
कैची से काटा है। (क्राग्रही (त्र कांठा शारा)—काँहि मित्रा क्टिंछ।
पेड़ पर मैना बैठी थी। (१ अर्ज्ञ अव्यास्त्र व्याग्रामा व्याग्रही थी।)—गांट्ड प्रम्मा वर्ण्डल।
वैगन ला। (वार्ज्ञ व्यार्ग ला।)—(वर्ष्ण व्याप्ता।)—हिनक अख्वार पढो। (म्राग्रिक व्यथवाव श्र्षा।)—हिनक अर्थान श्राम्भव्छ १९।

ओ-का मेल (ও-कात (याग) ओ =ो क + ओ = को।

ओर (७त्)—फिक लोग (लाग्)—लाक रोज (ताक)—थण्ड् मोर (प्रात्र)—प्रयुत गोह (गार्य)—गाप्तात्र रोटी (तांधी)—कि होंठ (ठाँठ)—ठाँउ कोठी (काठी)—वािष्ठ थोड़ा (प्याप्ता)—प्रमु धोद्यी (प्रात्ती)—प्रात्ता घोड़ा (प्राप्ता)—प्राप्ता छोटा (प्राप्ता)—प्राप्त हमको (ह्नत्का)—ण्यात्र इसको (ह्नर्का)—हाँउ हमको (र्या्ता)—प्राप्त भोतरा (प्राप्ता)—ण्यात्रात्त हमको (ठ्नर्का)—प्राप्त भोतरा (प्राप्ता)—एंगा्ठा दोकरी (ठांकती)—वृष्ट् कोहार (काश्त्र)—कृप्रात प्रतोहू (প्रात्ताह्र्य)—श्रुव्वव्य् खोपड़ी (प्रांत्र्याक्)—बा्रा्यात्र थूलि रसोइया (त्रा्त्राह्या)—ताँधूनि

#### वाक्य रचना (वाका त्रांका)

धोबी कपड़ा काचता था । (धावी कश्रेष्ठा काठ्या था।)—धाशा काश्रेष्ठ काठिएटिছ्न। वह रोटी खाता है। (७ऱ्रड् ताणी थांण शारः।)—त्न कृषि थाटा । मोर नाच रहा है। (तात नाठ तश शारः।)—प्रश्त नाटा । वहाँ एक लोमड़ी थी। (७ऱ्रड्रां এक लाप्रज़ी थी।)—७थात এकिए (यँकिनियान

ছিল। मोहन का छोटा भाई आया। (মোহন কা ছোটা ভাঈ আয়া।)—মোহনের

ছোট ভাই এসেছে।

बिड़िया बोल रही है। (চিড়িয়া বোল রহী হ্যায়।)—পাখী ডাকছে।

एक टोकरी लाओ। (এক্ টোক্রী লাও।)—একটি ঝুড়ি আনো।

वह कैची भोथरा था। (ওয়হ্কায়চী ভোথরা থা।)—ঐ কাঁচিটি ভোঁতা ছিল।

## **ओ-का मेल** (उ-कात यांग) औ = ौ क + औ = कौ।

कौन (कछ्न)—(क कौआ (कछ्या)—कांक और (अछत्)—धवः मौसा (प्रथम)—(प्राप्ता। पौधा (अछ्या)—कांताशां जो (अछ्)—यं नौ (प्रथ्)—नयं। तौल (ठछ्न)—छक्रम मौत (प्रथ्ठ)—पृज्य सौत (प्रथ्ठ)—प्रजीम नौका (प्रथ्का)—(मौका चौंक (ठँछ्क)—ठप्रकारमा नौकर (प्रथ्कत)—कांकर औरत (अछ्वर्)-श्वीत्नांक मौसम (प्रथ्मन्)—थज् खिलौना (थिन्छ्ना)—(थन्ना दौलत (प्रथ्न्))—धन-प्रम्भव विछौना (विष्ठ्या)—विष्या। स्रोत (प्रव्र्वा)—कांिक तौलिया (ठछ्निया)—कांिक कोलाद (क्ष्व्नाव)—रूभाठ। हथौड़ी (र्थ्र्ष्षी)—राजूष्ट्रि चौदह (ठछ्म्र्र)—(ठौंक्र

# वास्य रचना (वाका त्राका)

छत पर कौआ बैठा था। (इज् अत् क्ष्या गायंग था।) — ছाप्त काक वर्त्रिह्न। नौका पर सेर कर। (न्ष्का अत् माय्रत् कत्।) — त्नोकाय च्यन कत्। नौकर वजार गया। (न्ष्कत वजात गया।) — ठाक्त वाजात (जाहा। मौसी खिलौना लायी। (य्ष्मी थिल्ष्ना लायी।) — यामी (थल्ना अत्नह्र। यह बरसात का मौसम है। (इय्र वत्रमां का य्रष्म्य शायः) — थिं वर्षा

राम चौदह तारिख को आएगा। (রাম চঙ্দহ্ তারিখ কো আএগা।)—রাম টৌদ্ধ তারিখে আসবে। कौन दौलतपूर गया? (কওন্ দও্লতপুর গয়া?)—কে দৌলতপুর গেছে? लुहार हथौड़ी से काम करता था। (লুহার হথও্ড়ী সে কাম্ করতা থা।)—কামার হাতুড়ি দিয়ে কাজ করছিল।

# -का मेल (१ [ अनुश्वात] - यात्र) --- क + = कं

कंधा (कन्धा)—िहरूनी नंगा (नःशा)—উलञ्ज भाजा (ভानका)—ভाগনে पंजा (भन्जा)—भाषा चींटी (हीश्ही)—शिंशरफ चोंच (हाँ ह)—शाथीत हिं। शंख (मन्य)—माँथ मांस (मान्म)—मारम गुंगा (छन्ना)—तावा पंखा (পন্থা)—পাথা गेंडा (গেন্ডা)—আখ ভাক (ডন্ক)—দংশন लंगूर (लन्गृत) वाँपत पंडूक (পন্তृक)—भानकौड़ि झींगुर (बीन्छत्)—बिंबिं<br/>পোকा लंगड़ा (लः १ फा) — स्थाए। अंगूर (जन्छत)— आञ्रूत अंघेरा (जन्दिता)—जन्नकात पंखुड़ी (পন্খुড়ী)—পাপড়ি डंठल (एन्ठेल) - नुष महंगा (प्रश्नुग)—मात्री त्रंत (जूतन्ज)—जांजाजि सतरंज (प्रवत्क) - जावाराना शकरकंद (শকরকন)—রাঙাআলু

#### वाक्य रचना (वाका वहना)

लाल रंग का फूल लाओ । (नान तः ११ का कृल नाउ।)—नान तर्छत कूल पाता।

गेंदा पीला रंग का होता है। (रान्मा श्रीला तर्श का হোতা शाय।)—गाँमा इलाप तरहत रा

जंगल में गैंडा था। (জন্গল্ মেঁ গ্যায়ন্ডা থা।)—জঙ্গলে গণ্ডার ছিল। लंगड़ा आदमी खड़ा था। (লংগ্ড়া আদমী খড়া থা।)—খোঁড়া লোকটি দাঁড়িয়েছিল।

दंगा मत कर । (पन्गा भए कर्।)—पात्रा कात ना।

कल मंगलवार था । (कल् भन्गल्ख्यात था।)—काल भन्नवात हिल।

गुलाव का पंखुड़ी लाल था। (छलाव का পन्थुड़ी लाल था।)—গোলাপের
পাপড়ি লাল ছিল।

अधेरा हुआ। (जन्दिता १०जा।)—जक्षकात २८४ए। तुरंत सामान रख। (जूनन्ठ সामान तथ्।)—जाफ़ाठाफ़ि क्विनित्रश्व तात्था। हंस सफेद होता है। (इन्त्र मस्कृष द्यांठा शायः।)— शंत्र माना रयः।

### "-का मेल ("[हक्षिविन्] - योग) "-क + " = कँ

कहाँ (কহাঁ)—কোথায় आँधी (আঁধী)—ঝড় आँख (औंখ)-- हक् वहाँ (७ग्नशं)—त्रथात मुँह (गूँर)—गूथ भौंह (ভঁও্য়হ)—জ जाँघ (काँघ)—कानू साँढ़ (गाँए)—याँ ए गेहुँ (शरूँ)-- ग्रम। सौंफ (जँ७्क्)—(मोती गाँव (गाँउ)—ग्राम ऊँट (उँर)—उरे साँझ (সाँय)—जक्ता ताँवा (ठाँ७ या)— ामा कुआँ (कुआँ)—कुग़ा गँवार (गँ७्यात्)—(गाँयात कुँआरी (कुँ आती) — कू गाती भूँ कला (ভূঁক্না)—কুকুরের ডাক हँसुआ (इँमुणा)—काठावि সাঁতবাঁ (আঠওয়াঁ)—অন্তম काँपल (काँ भ्ल)—मूकूल गेहुँअन् (গেহঁঅন্)—গোখ্রো সাপ एँचाताना (वाँग्राह्माणाना)—द्धेता

## वाक्य रचना (वाका तठना)

आप कहाँ से आया ? (আপ্ কহাঁ সে আয়া ?)—আপনি কোথা থেকে এলেন ? वहाँ एक लड़की बैठी थी। (ওয়হাঁ এক লড়কী ব্যায়ঠী থী।)—সেখানে একটি মেয়ে বসেছিল।

ताँ वा एक धातु है । (তাঁবা এক ধাতু হ্যায়।)—তামা একটি ধাতু। चाँद निकला है । (চাঁদ নিক্লা হ্যায়।)—চাঁদ উঠেছে।

झाड़ी में गेहुँ अन साँप है। (ঝাড়ী মেঁ গেহুঁঅন সাঁপ হ্যায়।)—ঝোপে গোখরো সাপ আছে।

आठवाँ पाठ पढ़ो । (আঠও্য়াঁ পাঠ পঢ়ো।)—অন্তম পাঠ পড়। रामू एक गँवार आदमी है। (রাম এক্ গঁও্য়য়ার আদমী হায়।)—রামু একটি গোঁয়ার লোক।

दूकान से सौँफ लाओ । (मृकान् त्म मंश्यक् नाउ।)—एनकान थरक प्राती

आम का कॉपल आया। (बाम का क्लंभन् बारा।) -बारमत मूकून এसिছ।

# :-का मेल (३[वित्रर्ग] - पान)

छ: (ছহ)—ছয় अत: (অতহ্)—অতএব पुन: (পুনহ্)—আবার
तप: (তপহ্)—তপস্যা नम: (নমহ)—প্রণাম अध: (অধহ্)—নিম্নদিক
दु:खी (দুহখ্মী)—দুঃশী दु:सह (দুহ্সহ)—দুঃসহ
द:शासन (দুহ্শাসন)—দুঃশাসন नि:सहाय (নিহ্সহায়)—সহায়হীন

#### वाक्य रचना (वाका त्रांग)

दरवाजे पर दूःखी आदमी खड़ा है। (मृत्ध्यात्क পृत् मृर्थ्यी जामभी थए। ।) मृतकाय मृश्यी लाकि माँ फिराय जात्व।

एक बात पुनः पुनः मत बोलो । (এक वाज् भूनर् भूनर् मञ् वाला।)— এक এक वात वात वाला ना।

दु:ख में धीरज रखो । (पूर्य्य भितं के तथा।)—पूर्य देश धरता।

कल छ: तारीख है। (कल ছर् जातिय शाग्र।)—काल ছग्न जातिय।
दु:शासन कौरव थे। (पूर्गाप्त कंध्तं ख्रांग्र।)—पूर्गाप्त को तव हिल्लि।

योगी तप: करता था। (हेर्ग्रांगी जन्म् कंत्रं था।)—योगी जन्मा
कंतिहल्लि।

अतः तुम कल आना । (अण्ड् जूम् कल् जाना।)—अण्धव जूमि काल जामता।

# पाठ—२ (शार्ठ—२) छोटे छोटे वाक्य (ছোট ছোট বাক্য)

मैं अभी आ रहां हूं। (गाँग जर्ली जा तरा हैं।)—आभि এখনই আসছि। जैसी आपकी मर्जी। (जाग़त्री जानकी भर्जी।)—(यभन जाननात रेष्टा। और कुछ? (जउत् कूड्?)—जात किडू? नहीं, कभी नहीं। (नर्री, कर्ली नर्री।)—ना, कथनउ नग्न।

इसे आपनी चीज ही समझें। (इत्र व्याश्नी ही क् ही प्रमादौं।)—একে निकड़ किनिम तलाई मत्न कत्रतन।

साफ की जिए, मुझे देर हो गई। (সाফ की क्वि. , पूर्व (मत रहा १४) — नाक करून, आप्रांत (मती हरा ११) है।

अपने काम में मेरी मदद ले लिजिए। (याश्त काम वाँ वादी मण्म ल

লিজিএ।)—আপনার কাজে আমার সাহায্য নিন।

आप थोड़ा खिसकेंगे ? (ळाल् थाए। थिস्किलः)—আপনি একটু সরবেন १ बड़े दुःख का समाचार । (वर्ष्ट्र पूर्थ का সমाচার।)—थुवरे पृः (थंत সংবাদ। फटाफट करिए । (क्षीक्ष् क्रिय।)—ठाए।ठाए क्रक्न।

कितने अपमान की बात है। (किত्त आश्रमन् की वाठ शाय।)—िक

অপমানের কথা।

उसकी इतनी हिम्मत ? (উসকी ইত্নী হিম্মত?)—তার এতো সাহস? भगवान को लाख शुक्र है। (ভগওয়ান্ কো লাখ শুক্র হাায়।)—ভগবানকে লক্ষবার ধনাবাদ।

इधर आओ । (इधर षाए।)— अमिरक अरमा। उधर देखो । (উধর দেখো।)—ওদিকে দেখ। पास आओ। (भाम जाए।) काछ परमा। उपर जाओ । (উপর জাও।)—ওপরে যাও। धीरे चलों। (शीरत हर्ला।)—शीरते शैरहा। त्रंत आओं। (जूतन्व षाए।)—वाजावाडि अला। तैयार हो जाओ । (छाप्र्यात दा काछ।)— श्रञ्च रुद्ध পড़ा। मत भूलो । (यठ जूला।)—जुला ना। मुझे मत सताओ । (गूर्य यह महाध ।)—आभारक कष्ठ निष् ना। फिर कोशिश करो । (किंद कार्मिन् करता।)—आवाद किष्ठा कद। वह कभी कभी यहाँ आता है। (अय़र् कड़ी कड़ी देय़दाँ वाटा शाय।)—(म

কখনও কখনও এখানে আসে।

यही किताब मुझे चाहिए। (देग्रही किंठार् भूत्य চार्टिथ।)—এই देर आभात ठाउँ।

रमला उसी किताब को पड़ रही है ? (त्रमला उनी किञाव का भए तरी शास ?)—त्रमला धे वरेषिरे भए ?

नहीं, वह दूसरी किताब है। (नशैं, ७ ग़र्म् मूम्त्री किछाव् शाय।)—नां, ७ गां णना वरे।

राम कल आएगा । (ताम कल् जावना।)—ताम काल जामत्।

तुम कहाँ जाओगे ? (তুম কহাঁ জাওগে?)—তুমি কোথায় যাবে? आज में हूगली जाऊंगा। (আজ মাঁয় হণলী জাউঙ্গা।)—আজ আমি হণলী যাবো।

तुम भी हमारा साथ जाओगे ? (তুম্ ভী হুমারা সাথ জাওগে?) তুমিও আমার সঙ্গে যাবে?

पतोहू कब आयी ? (পতোহূ কব্ আয়ী?) — পূত্ৰবধূ কবে এসেছে? अब अंधेरा हो गयी। (অব্ অন্ধেরা হো গয়ী।)— এখন অন্ধকার হয়ে গেছে। स्वपन सुबह उठता है। (সঙ্পন্ সুবহ্ উঠতা হাায়।)— স্বপন সকালে ওঠে। नरेश पिताजी का बात मानता है। (নরেশ পিতাজী কা বাত মান্তা হাায়।)— নরেশ বাবার কথা শোনে।

शीला माताजी की बात मानती है। (शीला प्राणाकी की वाल प्रान्ती शांता) शीला प्राप्ता कथा लात।

# पाठ —३ (পाঠ—७) , युक्ताक्षर (यूकाकर)

হিন্দী বর্ণমালার ব্যঞ্জনবর্ণগুলিকে তিনটি শ্রেণীতে ভাগ করা হয়েছে। (১) শেষে দাঁড়ি যুক্ত বর্ণ, (২) মাঝে দাঁড়িযুক্ত বর্ণ এবং (৩) দাঁড়ি বিহীন। এদের মধ্যে শেষে দাঁড়িযুক্ত বর্ণ হলো—ख, ग, न ইত্যাদি।

মাঝে দাঁড়িযুক্ত বর্ণগুলি হলো—ক, झ এবং फ।
দাঁড়িবিহীন বর্ণগুলি হলো—छ, ट, व।

हिनी वर्णभानाय भारत पाँ ियुक वर्ण हाला भारे वक्षि। यभन ख, ग, घ, च, ज, अ, ध, ण, ल, थ, न, प, ब, भ, म, य, ल, व, श, ष ववः स।

উপরোক্ত শেষে দাঁড়িযুক্ত বর্ণগুলির সঙ্গে অপর কোনও বর্ণ যুক্ত করতে হলে, শেষের দাঁড়ি তুলে দিয়ে অন্য বর্ণ যুক্ত করতে হয়। যেমন—ख + त = ख्त, ग + म = ग्म, च + च = च्च, ञ + छ = ठ्छ, ण + ड = ण्ड ইত্যাদি।

আবার যেঁ সব ব্যঞ্জনবর্ণের মাঝে দাঁড়ি আছে, তাদের সংখ্যা মাত্র তিনটি; সে কথা আগেই বলা হয়েছে। এর মধ্যে 'झ' –এর কোনও যুক্তাক্ষর হয় না। কেবলমাত্র फ' Oh

এবং फ'-এর যুক্তাক্ষর হয়। আবার क्रिं'-এর মাত্র একটি, তাও আবার নিজের সঙ্গে যুক্ত হয়। এই দুটি ব্যঞ্জনবর্শের শেষাংশ বাদ দিয়ে যুক্তাক্ষর করতে হয়। যেমন— क+क = क, = पक्का (পকা)—পাকা।

क + य = क्य — क्या (काशा)—िक

क्यारी (क्यात्री)—-प्याल, माजाता।

क + ल = क्ल-क्लेश (क्रम)-कड़ क्लास (क्राम)-ध्येगी।

क + श = क्श - नवशा (नक्षा) - भानिछ।

क + स = क्स-नुक्स (नुक्र)-कि

फ + त = फ्त-दफ्तर (मक्छ्र)-अकिन।

माँ फ़ि विशेन वाक्षनवर्ग श्ला, भाषे—नय् । यमन—इ, छ, ट, वि, ड, ढ, द,

ह अवशर।

এর মধ্যে হ'ব্যঞ্জনবর্ণটি অন্যভবে যুক্ত হয়ে থাকে। যেমন—হ'(র) যদি প্রথম বর্ণ হয়, তাহলে ( ) রেফ্ আকারে পরিবর্তিত হয়ে পরবর্তী বর্ণের মাথায় বসে। যেমন—

र + क = क-तर्क (जर्क)—जर्क फर्क (कर्क)—ज्ञा९

र + प = प-सर्प (त्रर्ग)-त्रात्र। अर्पण (यर्न्ष्)-नान कता।

र + व = व-सर्व (प्रज्ञा)-प्रव गर्व (गर्छ्य)-गर्व।

আবার হ' (র) দ্বিতীয় বর্ণ হলে শেষ ব্যঞ্জনবর্ণের নীচে (^) র-ফলা হয়ে যুক্ত হয়। এই র-ফলা দাঁড়িযুক্ত বর্ণের সঙ্গে নিম্নরূপে যুক্ত হয়। যেমন —

क +र = क्र — चक्र (हुक) — हाका म + र = म्र — उम्र (हुक) — त्राप्त

ब + र = ब्र—ब्रत (ब्रञ) वर्ज प + र = प्र—प्राण (थाँष्) —थान

আবার এই র-ফলা দাঁড়িহীন ব্য**ঞ্জনবর্ণে**র সঙ্গে তীরের ফলার মতো নিচে যুক্ত হয়। যেমন—

র + र = র শর (ভদ্র)—ভদ্র ट + र = ट्र — ट्राम (ট্রাম)—ট্রামগাড়ী আবার 'র' (र ) পআটটি দাঁড়িবিহীন বাঞ্জনবর্ণ অন্যান্য বর্ণের সঙ্গে নিম্নরূপে যুক্ত হয়। যেমন— ব্রাভিত তান্যান্য

ड + क = डू = अडू (অঙ্ক) ड + ख = ह्व — मह्व (শঙ্খ) ङ + ग = ङ्ग —गङ्गा (গঙ্গা) च + छ = च्छ —अच्छा (অচ্ছা)—ভালো ट + ट = ट्ट -पट्टी (अडी) - अडि खट्टा (थडी) - उक ट + ठ = इ — चिट्ठी (ठिएँठी) — ठिठि ड + ड = इ — गुड्डी (७७७) — पूछि ह + ढ = हु —बुह्वा (तूष्ठा)—तूषा ट+य=टय —नाटय (नाएँरेश)—नाएक ठ + य = ठय —पाठय (পाठा)—भाठं द + द = इ—गदी (गन्नी)—-गनी द + व = द्व — द्वार ( वात) — पत्र का द + ध = द्व — युद्ध ( रेग्नुक) — युक ल + य = ल्य — माल्य (भान्रेय़)-भाना द + भ = द्म — उद्मव (উष्ट्व) — উष्टव ह + म = ह्य — ब्राह्मण (वाचान)-वाचानि + व = ह्व — जिह्वा (जिश्) — जिस्रा ह + र = ह — हास (र्ात्र) ह + य = ह्य — लेह्य (लव्रेर्र्) — लि আবার কতকণ্ডলি যুক্তাক্ষর নিম্নরূপে লেখা হয়। যেমন— क + प = क्ष —पक्ष (পক্ষ)—পক্ষ कक्षा (कक्षा)— धिनी ज + স = ज्ञ — ज्ञान (গেয়ান)—জ্ঞান विज्ञान (ওয়িগ্য়ান্)—বিজ্ঞান त + र = त्र—पात्र (भाव)—भाव छात्र (ছाव)—ছाव श + र = अ - श्रमिक (अधिक) - अधिक श्रीमान (श्रीमान) - श्रीमान যদি তিনটি বাঞ্জনবর্ণ একসঙ্গে যুক্ত হয়। তাদের যুক্তরূপ হয় নিম্ন প্রকার। যেমন-घ + ड + य = ह्नय -उल्लह्नय (উन्नर्ड्या)। ज + ज + व = अव उञ्जव्ल (উজ्জ्वल) न + ध + य = नध्य — सन्ध्या (प्रन्ध्रेश) — मक्षा न + त + र = न्त्र —यन्त्र (रेशन्व)—यञ्ज सम्भ्रम (अञ्जय)—अञ्जय ष + ट + र = ष्ट्र - राष्ट्र (ताष्ट्र) - ताष्ट्र  $H + A + \xi = ह्म - अह्म (ज्ञु)$ 

# पाठ—४ (शार्ठ—8) ब्यवहारिक शब्दावली (गुनश्र्य गंक्तम्यूर) आत्मीय (आश्रीय)

पिता (शिठा)—वावा भाई (ভाঈ)—ভाই

माँ (गाँ)—गा बहन (वर्न्)—तान छोटा भाई (ছোটা ভাঈ)—ছোট ভাই छोटी बहन (ছाणी वर्न)—ছाण तान

बेटा (त्रा)—ছिल ৰাৰা (চাচা)—কাকা दादा (मामा)—ठीकुतमा ताऊ (जाउ)— (जाठी वड़ा भाई (वड़ा वाक्र) - वड़ मामा बड़ी बहन (वड़ी वर्न)—वड़ तान नाना (नाना)—पापायगारा मौसा (ब७ना)—, ज्ञातना फूफा (कृका)—िशिस

भानजा (ভान्জा)—ভाগना

पोता (পোতা) नाजी, लीज, मिरिज

संशुर (मधत)—श्रधत

साला (जाना)—गानक

बेटी (तर्णे)—प्राय चाची (ठाठी)—काकी दादी (मामी)—ठाकूत्रमा। ताई (छात्र)—জाठीरेगा भाभी (ভाভী)—(वौषि जीजाजी (জীজাজী)—বড় ভগ্নীপতি नानी (नानी)—पिपिया मौसी (युजी)—याजी फूफी (कृकी)—शित्र भानजी (जन्जी)—जाशी सास (সাস)—শारुड़ी दामाद (नागान)—जागाई पोती ((পाजी)—नाठनी, (लाबी, लाहिबी)

> शरीर के अंग (मतीत (क व्यः भ) দেহের অঙ্গ-প্রতাঙ্গ

पतोह् (পতোरू)—পূত্রবধূ रिस्तेदार (तिर्फ्षमात)—আত্মীয়-স্বজন

वदन (वपन्)—শ्रतीत गरदन (গ्रम्न)—श्ला दिमाग (पियाश)—यस्त्रिक भौंह (७७ँगर्)—न नाक (नाक) नाक गाल (शान)—शान कन्धा (कन्धा) कांध स्तन (छन) छन

सिर (त्रित्)—गाथा खोपड़ी (र्थाপড़ी)— प्राथात খूनि आँख (আঁখ)—চন্ধু बाल (वान)—ठून कान (कान्) कान होंठ (दशंठ)—होंछ छाती (ছাতী)—বুক फेफड़ा (एक्ड़ा)—कुत्रकुत्र

हृदय (श्रमश)—श्रमश बाँह (वाँश)—वार (सम्भूर्ग श्राक) हथेली (श्रप्थली)—श्राद्यत जानू कुहनी (क्श्नी)—कन्र्रे पेट (পেট)—পেট, উদর जाँघ (काँघ)—উक़ कमर (कप्रत)—काप्रत हड्डी (श्र्षी)—श्रप् नाखून (नाणून)—नथ एड़ी (এড়ী)—গোড়ালী रोड़ (त्रीष्)—(प्रक्रम्ख
हाथ (श्रा)—श्रा ।
कलाई (कलाक)—श्रा क्र्युकी
कंगली (উংগলী)—आङ्क
पैर (शाग्रत)—সমস্ত পা।
घुटना (घूपेना)—शाँपू
नितम्ब (निज्य)—शाधा
नस (नम्)—नाष्ट्रि
पलक (भनक)—कार्यत भाजा
खून (थून)—तक

#### फल (यन)—यन

आम (आप)—आप आँवला (आँख्यला)—आपलकी केला (किला)—कना कटहल (कँए्टल)—काँठाल खजूर (थक्त)—(थक्त जैतुन (जायज्ञ)—जनशाँर पपीता (भशीज़ा)—(भँत्भ नींबु (नींवू)—लव् संतरा (अन्जता)—कपलालव् संवदा (अद्यमा)—मत्मा खीरा (थीता)—गंगा अंगूर (अःगृत)—आधृत
अमरूद (अध्यत्तम)—(अग्नाता किसमिस (किन्निम्न)—किन्निम्न
खरबूजा (धत्वृजा)—थत्रभूज
जामुन (जामून)—जाम
तरबुज (जत्रवृज)—जत्रभूज
नासपाती (नामभाठी)—नामभाठि
सेव ((प्रव्)—आपभन
सीताफल (नीठायन)—आठा
लीचु (नीठू)—लिठू
गेन्डा ((गन्डा)—आथ

#### कूल (क्न) - कून

गुलाब (७लाव्)—(গালাপ कनेर (कत्नत्र)—कतवी चम्पा (ठम्भा)—हाँभा कोपल (कांभन्)—भूकून, कलि कमल (कप्रन)—शम जूही (ज्री)—गुँह गेन्दा (शन्ना)—शीमा पंखुडी (शन्युड़ी)—शाशि

#### গান্ত (গাছ)—গাছ

पेड़ ((পড়)—বড় গাছ
डाल (ডाল)—শাখা
जड़ (জড়)—শিকড়
बरगद (বরগদ্)—বটগাছ

पौधा (পঙ্ধা)—চারাগাছ

पत्ता (পত্তা)—পাতা

पिपल (পিপল্)—অশ্বথ গাছ

बावूल (ওয়াবূল্)—বাব্লা গাছ

ताड़ का पेड़ (ठाष्ट्र का (পष्ट)—ठानगाष्ट्र। चाय का पौधा (ठाग्न का পर्ध्य)—ठा गाष्ट्र। नारियल का पेड़ (नातिग्नल का (পष्ट)—नातिकन गाष्ट्र।

#### जानवर (जान्उग्रत्) जातागात

बैल (ग्राय्य)—न्यनम बकरी (नक्ती)—श्री भेस (छाय्रम्)—प्रशि घोड़ा (प्राष्ट्रा)—प्राप्ट्रा कुतिया (कृष्ट्रिया)—कृक्ती गदहा (भन्द्रा)—ग्राधा उँट (छँछ)—छँछ हाथी (श्री)—श्रेष हाथी (श्री)—श्रेष नेवला (न्य्य्या)—न्युक्तियान भालू (छान्)—छानूक लंगुर (ल्रश्वा)—वाप्त्र स्रुसा (प्रृमा)—न्युष्टि इंपूत

# सरीसृप (प्रतीम्भ)—प्रतीम्भ

साँप (माँभ)—नाभ गिरगिट (नित्रनिष्ट)—नित्रनिष्टि गोह (नाइ)—नामभ मेढक (प्राप्क)—नाष्ड केचुआ (कँठूआ)—(कँठा छिपकिली (हिश्किली)—िएकिएिक कछुआ (कडूआ)—कष्ट्रश बिच्छु (विरुडू)—विद्या

## पंछी (भन्ছी)—भाशी

पंछी, चिड़िया (পন্ছী, চিড়িয়া)—পাখी कोयल (কোয়ল)—কোকিল कठफोड़वा (कर्ठ्रकाफ़्छ्या)—कार्ठर्ठाकता वत्तक (वङक)—হাঁস चमगादड़ (ठमणाफ्फ)— ठामिठिका मोर (मात्)—मयूत बगुला (वश्वला)—वक सुगा (সूर्गा)—िए या

कबुतर (कवू छत्)—পाय़ता कौआ (कख्या)—काक

वत्तकी (वलकी)—इश्त्री
गीध (गीध)—गकृन
मोरनी (प्रात्नी)—प्रश्ती
मैना (ग्रायना)—प्रयना
तोता (তোতা)—তোতা
मछरंगा (प्रह्तका)—गहताक्ष

#### रंग (दश्भ)—वर्ष

सफेद (अट्रूष)—आणा लाल (लाल)—लाल नारंगी (नातःशी)—कमला भूरा (जृता)—थाकी हरा (इता)—अवुक बैगनी (वार्राग्नी)—विक्री

पापीहा (পाशीश)—পाशिया

काला (काला)—काला
गुलाबी (धलावी)—गालाभी
नीला (नीला)—नील
पीला (भीला)—रला
सुनहला (पून्रला)—रामाली
विविध वर्ण (धिर्यिवधधर्रुष्ठ्ँ)—विविध वर्ण

#### स्वाद (त्रध्याम)—वाशाम

मीठा (प्रिर्ठा)—पिष्ठ। खट्टा (यहा)—एक चटपटा (हिंपिटा)—यान तीखा (ठीथा)—छीक्क खारा, नमकीन (थाता, नमकीन)—जान्ठा कडूया (कपुरा)—छिक, कर्रू

## কীট্ট নকাট্ট (কীড়ে-মকোড়ে)—কীট-পতঙ্গ

वींटि (हिंहि)—शिंशड़ा खटमल (यहभल्)—ছाরপোকা झींगुर (बीन्छ्त)—बिंबिंপোका तितली (ভিত্লী)—প্রজাপতি मच्छर (प्राष्ट्रत)—प्रामा तेलचिट्टा (ज्ञ्लिष्ट्रि)—आत्रुना जुगनू (ज्ञृगन्)—ज्ञानाकी मक्खी (प्रक्शी)—प्राष्ट्रि मकड़ा (प्रकड़ा)—प्राकड़मा फतिंगा (फिडिशा)—फिड़िश भौरा (ভঁওরা)—चभत मधु मक्खी (মধু-মক্ষী)—মৌমাছি

तरकारियां (णतकादिशाँ)—गाक-जव्जी

आतू (णानू)—णानू
बैगन (गार्रागन)—तिश्वन
चनींड़ा (घठींड़ा)—िष्ठिष्ठा
भीण्ड (चीड्रंडि)—ग्रांड्रम
चिया (चिर्रा)—लाउ
टमाटर (घ्रांगेड्र)—प्रगाति।
फुलगोभी (फूनगांडी)—क्रूनकि
कुंड़हा (क्रूंड्र)—क्र्राड़ा
प्याज (शांड्र)—श्रंराड़्व
अदरक (णम्त्रक्)—णान

परवल (পর্ওয়ল)—পটল
मूली (মূলী)—মূলো
गाजर (গাজর)—গাজর
करला (করেলা)—করলা
पेठा (পেঠা)—চালকুমড়া
शलगम (শলগম)—শালগম
बंदगोभी (কল্গোডী)—বাঁধাকপি
सैजन (স্যায়জন)—সজিনা
लहसुन (লহসুন)—রসুন
इमली (ইম্লী)—তেঁতুল
शाकरकन्द (শকর্কন্দ)—রাঙাআলু

#### मसाझा (यगाबा)—यगंना

अरहर दाल (जर्श्त मान)—जफ्रत फान उड़द दाल (फफ् मान)—विति फान हल मुंग दाल (पूर्ग मान)—पूर्ग फान धा मुंग दाल (पूर्ग मान)—पूर्ग फान धा मुंग दाल (पूर्ग मान)—एका। मुंग सरसों (प्रत्नां)—प्रत्य मेर सौंफ (प्रंक्ष्)—प्राती मि तिल (जिन)—जिन हल सामुदाना (प्रावृक्षाना)—प्रावृ लों नमक (नप्रक)—नवण सुर गुर्भ अज्वायन (जक्ष्यायन)—क्र्याम से कहेया तेल (कर्फ्या रुज्न)—प्रत्रात रुज्न

मिट्टी का तेल (भिष्ठी का उठन)—,करतात्रिन

हत्दी (श्ल्मी)—श्लूम धनिया (थिनिया)—थत्न मुंगफली (पूर्गफली)—हीनावामाप्र मेथी (प्रथी)—प्रशी मिर्च (प्रिर्ह)—प्रतिह हलायची (श्लायही)—वनाह लौग (ल्ड्श)—लवन्न सुखा मिर्चा (प्र्या-प्रिर्हा) छक्ता नहा गुड़ (७७)—१७७ खैर (थायत्)—थरात

# खाने पीने की चीजें (शाल शील की ठीएकें)

খাদাবস্ত সমূহ

गेंहू (शई)—शब चावल (ठाउ्राल्)—ठाल भात (ভाত্)—ভाত रोटी (जिंगी) कि चपाती (हशाकी) कि पुरी (भूती) जृि हात (पान)—फान भाजी (जाडी)—जाडा सब्जी (मन्जी)-छत्रकाती दही (मरी)—मरें चटनी (ठिएती)—ठाएँनी मक्खन (यक्थन)—याथन छेना (ছाय्रना)—ছाना मद्रा (प्रिका)— यान दुध (प्रिक्)—पुक 

पुलाव (भूना ७३१)—(भाना ७

मछली (यङ्ली)—याङ मांस (यान्य)—याश्य अंडा (अन्छा)—ि ७ य अचार (অচার)—আচার मिठाई (মিঠান)—মিঠাই

रसगूला (तमण्डा)—तमणाचा

वीमारिया (वीमादिशा)—गाविमम्ब जुकाम (जुकाम)—अर्षि

बुखार (व्यात्)—ज्ता खाँसी (थात्री)—कानि अजीर्ण (अजीत्रङ्)—वनर्जय बवासीर (वध्यात्रीत)—अर्थ काली खाँसी (काली याँत्री) ककला ठानि फुसी (कूँती)—डान कृमि (कृशि)—कृशि खूजली (यूजनी)—रूनकानी चोट (छाएं)—णायां छ अपस्मार (अश्यात)—गृगी লকৰা (লক্ওয়া) –পক্ষাঘাত विषमन्बर (अशियभ्क्त)—गालितिश हैजा (शायका)—करनतां मधुमेह (भ्रथूरार)—वरम्य

अतिसार (घिठित्रात)—छेनत्रायस लु-लगाना (न्-लगाना)--न्-नागा बमन (चयन)—चित्र वकर आना (हकत जाना)—गांथारपाता आँख दुखना (आँथ प्य्नो)—कंक्रतान कोड़ (काष्)—र्ष पेचिस (११िठन्)—आंशानग्र चेचक (उठ्ठक)—यमञ् कें चुया (कन्ह्या) - कृति आँख आना (जांच जाना)—हक्कू फैठी

छोजन (ছाজन)—ठर्मताश

दमा (म्या)—श्रांभानी

जाति विषयक (जाणि अग्रियम्क)—जाणि मश्रक

मुसलमान (यूजनयान) - यूजनयान हिन्दु (हिन्दू)—हिन्दू

लमन (वभन)—विध

किसान (किञान)—कुरुक कुम्हार (कूप्श्रंत) क्यांत ठठेरा (र्राप्त्रता)—काँमाती जूलाहा (क्लाश)—-ठाँठी सैनिक (मााय्यनिक)—रिमनिक धोबी (धारी)—धाना चंडाल (ठन्छल) - ठाँछाल

लोहार (लाश्त)—काभात सुनार (जूनात)—वर्गकात बर्ड्ड (वफ़्क्र) - ছूजात मछुआ (मंडूणा)—জल नाई (नाज) — नाशिज चमार (ठ्यात)—भूठि भांगी (जाशी)—त्यथत

घर का सामान (मत का भागान) गृरङ्गित ज्वा

घर (घत्)—घत इमारत (ইমারত)—পাকা বাড়ী दीवार (मीअ्यात)—एमअयाल ন্তন (ছত) ছাদ গুমলজ্ঞানা (গুসলখানা)—স্থানের ঘর भंडार (छन्छात्र)—छाँ छात्र टट्टी (एडी)-शार्थाना खिड़की (थिएकी)—कानाना किराये का मकान (किताय का भकान)—ভाড়ाটে বাড়ি अंगीठी (जन्गीठी) - छन्न दिया (मिग्रा)—श्रमीश ढकन (एकन)—एकन झूला (युला)—(मालबा पलंग (अनःश)—शानक तिकया (তिकशा)—वानिश चटाई (हरेकि)—भापूत आईना (णान्नेना)—णायना प्याला (भ्याला)— (भ्याला खिलोना (चिनछ्ना)— चिनना

आराम कुर्सी (आताग कुर्नी)—आताम क्लाता

किला (किला) - पूर्व झोंपड़ी (वॉांश्रड़ी) कूँएघत कमरा (कमता) कक रसोईखाना (त्राञ्चिथाना) नानाघत गोदाम (लापाय)—छपाय शोने का कमरा (लाज का कमता) - अग्रनघत दरवाजा (पत्र ७ शाका) - पत्रका बगीचा (वगीठा)—वागान कड़ाही (कड़ारी)—कड़ारे चलनी (ठल्नी)—ठालूनी कील (कील)—श्रातक खाट (খাট)—খাট विछोना (विष्ठ्या)—विष्ठाना दरि (मित्र)--- अठतिष चारपाई (ठातलाके) चिहा कंधी (कन्षी)—िहरूनी रस्सी (त्रभूत्री)—पिष् गुड़िया (७७ गा)—भूजून

क्रसी (क्त्री)—क्रगात मेज (अक)—एविन् ট্র (পন্য)—পাখা ন্ত্ৰাভু (ঝাডু) ঝাডু, ঝাটা बरतन (वत्वन्) वात्रन थाली (थाली)—थाला कटोरा (कर्णता)—वाि चक्री (ठकी)—गाँठा सन्दुक (मन्पूक) - मिन्पूक गद्दा (शक्त)—शिक चहर (ठप्पत)—ठापत धोती ((धाठी)—धृठि परदा (পর্দা)—পরদা टोपी (त्निश्री)—पूत्री चुला (ठूला) छन्न कीचड़ (कीठफ़) - कामा प्आल (भूषान) - খড

तसवीर (जन् अग्रीत) — ছिव चाभी (ठाड़ी)—ठावि, कून्की कंगी (कान्गी) कक्षन तशतरी (তশ्তরী)—রেকাব गिलास (शिलाम)—शिलाम केतली (कण्नी)—किंगी पेटी (१४००)—द्वांश्क तौलिया (७७ (निया) — एवायाल रजाई (त्रकांक्र)—लिश कामिज (कांबिक)—कांबा साड़ी (त्राष्ट्री)—गाष्ट्रि चप्पल (ठक्षण)—ठि क्रूण मच्छरदान (यष्ट्रमान)—यगाती बालू (वानू)—वानि खपरैल (यभ्जायन्)—गिनि कुँआ (कुँषा) क्या

शिक्षा बिषयक (শিক্ষা ওষিয়ক)—শিক্ষা বিষয়ক

किताब (किठाव्)—वरं कलम (कलम)—कलम दवात (क्छ्याञ्)—माग्राञ कक्षा (कक्षा)—खंगी बंगला (वःश्ला)—वाःला अंग्रेजी (षःध्यञ्जी)—रेःताञी इतिहास (रेजिशम)—रेजिशम गणित (गिष्ठं)—षक हस्ताक्षर (रुषाक्षत)—रुषाक्षत शिक्षक (निक्षक्)—निक्षक कापी (काशी)—थाठा
पेसिल (श्रम्तिल)—(शिक्ल
स्याही (সग्नांशी)—कालि
विद्यालय (ওग्निष्रुग्नालग्न)—विष्णालग्न
हिन्दी (हिन्मी)—हिन्मी
विज्ञान (अग्निखान)—विष्णान
भूगोल (ज्राजान)—ज्राजान
हिसाब (हिनाव)—हिनाव
हुट्टी (ज्रूड)—ज्रूडि
अखवार (ज्रथलग्नाज्ञ)—সংবাদপত

यान-वाहन (इंग्रान-वाइन)—यान-वाइन

बैलगाड़ी (गाय्रन्गाड़ी)—गक्रतगाड़ि। टंगा (उन्गा)—এकागां ए मोटर (प्राप्त)—प्राप्त रिक्स (तिक्र)—तिका रेल (ज़ल्)—ज़ल

डोली (जानी)—जूनी, शानकी साइकल (माइकन्)—माइकन बस (वम्)—वाम नाव (नाष)—(नोका। जहाज (জহাজ)—জাহাজ

हवाइ जाहाज (२७ याँ इ काशक)— शदाद्धन घोड़ा गाड़ी (पाएं। गाएं।)— पाएं। त गाएं।

महिनों के नाम (मिह्नां क नाम)—मारात नाम

वैशाख (अग्राग्नमाय)—दिमाय अवाद (अवाए)—आवाए भादों (जाएगें)—जान कार्तिक (कार्डिक)—कार्डिक पुष (भूय)—(भीय फालाुन (कान्छन)—कान्नून

जंड (छंछ)—देशार्थ शावन (भाष्य्रन्)— वावन क्वार (क्छग्नात्)—जाश्वन अगहण (जग्रन)—जग्रायन माघ (মাহ)—মাঘ चैत (हारां )—हें छव

अंग्रेजी महिनों के नाम (अरहाड़ी महिली रू नाम) इरहाड़ी मारमत नाम जानवरी (जान ७ ऱार्ती) — जान्याती मार्च (भार्ठ)—मार्ड मई (मन्)—(य जुलाई (भूनान)—क्लोरे सितम्बर (पिত्य्वत)—(अप्रेषत नंबस्बर (न७्य्वत्)—नट्डश

फरवरी (फङ्ध्यती)—क्छ्याती अप्रैल (অथायन)—এथिन जुन (जून)—जून अगस्त (जन्छ)—आनम् असुबर (अक्ट्रंत)—बद्धावत दिसम्बर (मिन्यरत)—एिज्ञभत

वार का नाम (वांत्र का नाम)—वांत्त्र नाम

एतवार (अञ्ख्यात)—तविवात यंगलवार (भन्गलश्यात)—भजनवात वुधवार (व्थश्यात)—व्यवात गुरुवार (७३९ शात) - वृश्भिवितात

सोमवार (সायअग्रात)—त्रायवार शुक्रवार (७क्थयात)—उक्वात

शानिचर (भनिष्ठत)—अभिवात

# पाठ-५ (भाठ-क) विविध शब्द (अग्नितिध गक)—विविध गक

अन्दर (जन्पत) - ७०८त नजदीक (नजनीक्)—निकरा म्नील (बील्) - সরোবর संख्या (সন্थ्रेय़ा)—সংখ্যা याद (रेग्राम)—यात्रन उधार (छेश्रंत)—शात, খान कंबल (कन्वन) - कञ्चल थालि (शिन)—शाना पत्थर (भठ्थत्)—भाशत सच (मठ)--भञ् गुड़िया (७७िया)—পूजून हवा (হওয়া)—বাতাস बटन (वछन)—त्वाजाय बुड्डा (बुएज)--वृत्धा अंधा (जन्धा)—अङ्ग गुंगा (७१९११)-- (वादा नाटा (नाँग)—(वँए) दुशमन (पूर्वास्) र् किसान (किञान) क्यक लम्बाई (लघाँर)-निषा हत्या (श्व्रेंग्रा)—श्वा अच्छा (जाह्य)—ভाली নাজা (তাজা)—টাটকা डाकाईती (ডाकांक्रेडी)--ডाकांडि चोख ((धार्य)—थानंतर्गा कता मंडी (गन्छी)—वाकात

बाहर (वार्त)—वारेत दूर (पृत)—पृत तालाब (जानाव)-- शुकुत शोर (लात)—लानमान दुकान (जूकान)--- (माकान ऑसू (जाम्)—कात्थत जन ৰভাৰ (বজার)—বাজার शादी (नापी)—विद्रा बूट (वृष्)—ित्रशा खिलौना (थिल ७ना) — एथन्ना कटोरा (करोंाता)—वाि जेव (জেव)--- পকেট -पता (भण)—िर्वकाना बुङ्की (বুড্টী)—বুড়ি लंगड़ा (नः गड़ा)—(याँड़ा वौना (व७ ना)—विधत दोस्त (माख)—वन्नु सुराही (ज्वारी) क्ँा खेतीवारी (श्रेंडीवारी)—कृषिकार्य चौड़ाई (हउड़ान्न)—हउड़ा हत्यारा (रञ्डेग्राता)—रञाकाती बुरा (वूता)—यन्म सड़ा (त्रणं)-भेठा चोरी (फात्री)—इति लूटमारना (न्एँ यादना) — न्एँ भाएँ कता मार्ग (यार्ग)—शथ

रेजगारी (तिष्कगाती)—तिषकी सोना (स्राना) - स्राना নাঁৰা (তাঁবা)—তামা सवाल (मुख्यान) थन पानी (भानी)—अन मौत (यथ्छ)—य्कू। षाषुराल (শणताल)—शणतवािष आग (আগ)—আগুন दवा (मध्या)—धेयध भरा (७ता)—७र्डि दाहिना (मार्श्ना) - मिक्न आगे (जाएं)—मामत प्यास (शायात्र)—शिशात्रा ओर (७त्)—िं फिक बहुत (वर्ण)—जानक शूखा (७४१)—७कत्ना अब (जव्)— এখन शर्म (শर्म) लड्जा आज (আজ)—আজ बनना (वन्ना)—रेज्री २७ या अंधेरा (जन्द्यता)—जन्नकात दागा (দাগা)—আঘাত করা पतला (পত्ला) - भाजला दुबला (पूर्ना)—द्रागा आधा (जाधा)—जर्ध शायद (भाग्रम्)— र्यु शहर (শহর)—শহর रूपैया (क्रशाय्या)—गिका

कड़ाई (कज़िंश)-कळीत चाँदी (ठाँपी)—ज़श अभरक (जाउन्क)—जाव जनाव (छुथ्याव) - উछ्द जिन्दगी (किन्त्रीं)—कीवन सरदी (अत्मी)—भीज मैका (ग्रायका)—वात्भव वािष चामड़ा (ठम्डा)—ठमड़ा गोली (लानी)—गावला बुँद (वूँम)—विन्मू बाँया (वाँया)—वाभ पिछे (शिष्ट्)—शिष्ट्रा भूखा (ভृখा)—क्कूधार्व पेशा ((পगा)—वृि थोड़ा (थाफ़ा)—जन्न भीगा (छीगा)—ভিজে जब (জব্) যখন हररोज (इत्राज्) हिन कल (कल्) काल बनाना (वर्नाना)— रञ्ती कता चाँदनी (घाँपनी)—खांश्या सीधा (त्रीधा)—त्राषा मोटा (याण)—याण ताकतवर (তाक्ज्छय़ज्) শক্তিমান पुरा (भूता)—अव अचानक (जानक) - श्रीष गाँव (गांध) – शाय पैसा (कराना)-अन्मा

चौअन्नी (हुएथा)—निक नये पैसे (नए शायरंग) नया भयना बीमारी (वीगाती)—तान नौकर (न ७ कत) - ठाकत गोद (लाप)—काल बाद में (वान् (गँ)—वारम मर्द (भर्म)—शूक्य डर (७त्)— ७ य बादल (वामल)—भ्या जंगल (जन्गल्)—वन, अत्रण ऊम्र (উच) - वयूत्र दुल्हा (मुल्या) -- वत पुँछ (श्रृष्ट)—लिक खूबसूरत ( श्वभृत् ) — भूनव दर्द (मर्म)—ग्राथा, त्वमना धीरे से (वीरत (म) - चारख मालिक (भालिक) अंजू

अठन्नी (जर्रज्ञी)—जाधूनी पप्पड़ (भश्रष्) - भौभत अचार (जात)—जानत नौकरानी (नंधकतानी)— ठाकतानी কাঁত্ৰ (কাঁখ)—কাঁখ बारे में (वादत (वाँ)—मन्मदर्क जेनाना (जनाना)—खीलाक पछली (भছ्नी)—भाष लड़ाई (लफ़ांके)—युक खेत (थिं) -- जिम लकीर (लकीत)---त्रथा दुल्हिन (पूल्हिन) कल पसीना (भन्नीना)—याम इजाजत (ইজাজত্)—আদেশ जल्दी (कल्मी)—ाषाणिष औरत (अ७्वर्) नाती मालकिन (भान्किन)-अणू भन्नी।

डाक और तार (जाक् अथत जात) —जाक धरार जात

डाकखाना (डाक्थाना)—(शाष्टाकिन् पोस्ट मास्टर ((शाम्ड भाम्डेत)—(शाष्ट भाष्टात चिट्ठि (हिए्ठी)—हिठि तार (डात)—(ऍनीश्राभ वि डाकिया (डाकिया)—डाक् शिखन मा

लेफाफा (लकाका)—थाप्र किराया (किताया)—ভाড़ा

महश्ल (गर्थन)—गाथन

पाठ—६ (शोठ—७) व्याकरण (गोग्नोकत्र<u>ुँ</u>)

যে কোনও ভাষা ভালোভাবে শিক্ষা করতে হলে, সেই ভাষায় ব্যাকরণ

সম্পর্কে জ্ঞান অর্জন করতে হয়, তা না হলে ভাষা শুদ্ধভাবে বলা ও লেখা যায় না। বাংলা ভাষার মতই হিন্দী ভাষার ব্যাকরণ। তবে কিছু কিছু ক্ষেত্রে এর তফাৎ দেখা যায়। এগুলি ভালভাবে জেনে রাখা দরকার। যেমন—সর্বনাম।

বাংলা ভাষায় সর্বনামের লিঙ্গ ভেদ হয় না। খ্রীলিঙ্গ ও পুংলিঙ্গ একই প্রকার থাকে। হিন্দীতে কিন্তু তা নয়। হিন্দী ভাষায় সর্বনাম পুংলিঙ্গ এবং খ্রীলিঙ্গ ভেদে ভিন্নরূপে ব্যবহৃত হয়।

(ক) হিন্দীতে প্রথমা বিভক্তিতে কর্তার সঙ্গে ने '(নে)-প্রত্যয় যুক্ত হয়। যেমন—আমি থেয়েছি— भैने खाया '(মাঁয়নে খায়া)। তুমি খেয়েছ— 'तुमन

खाया ' (जूम्त भाषा) हेजािन।

(খ) वांश्लाय 'এর' विভिक्ति इल हिलीए का' (का), के' (क), की' (की) विভिक्ति यूक्ट इस। यमन—विमलात पत—विमला का घर (अभिमल का घर)। जाननात पत—आपके घर (जान्ति घत), नीलात चत—शीला की घर (नीला की घत)। शास्त्रत (इल—गाँव का लड़का (गाँउ का लड़का)। घरतत वलन—घर का बैल (धत का वांस्ल)।

(१) कान कि कि अ ४ १८३ व्याप् हिनी एक पर 'युक्त रहा। यह निकास ७ १८० में पर (यह १९३)। विद्यानाह ७ १८३ - बिस्तरा पर (विश्वता १८३)। हाए १८३ - छत पर (हुक् १८३)। कि हाए १८३। विद्यानाह ७ १८३ - कुर्सी पर (कुर्मी १८३)। शाह्र १८४० - पेड़ पर (१४५ १८३)। हेला मि।

(घ) वाश्नाय 'a' 'लि' विचिष्ठ चल विनीटि भे' (भैं) विचिष्ठ युक्त हरा।

(यमन-भाश- सड़क में (मुक्त भैं)। घर्ड- घर में (घर भैं)।

(माकान-द्रकान में (मुकान भैं)।

(ঙ) বাংলায় 'হইতে' স্থলে হিন্দীতে से' (সে) যুক্ত হয়। যেমন— গাছ থেকে—पेड़ से (পেড় সে)। তোমার নিকট হইতে—নুम से (তুম্ সে), তাহার নিকট হইতে— उस से (উস্ সে)।

# सर्वनाम (मन्डनाय)

ন বাংলার মত হিন্দীতে দুটি বচন আছে। যেমন—एकवचन (একবচন) ও বহুৱचন (ওয়ছবচন)। একটি সংখ্যা বোঝাতে একবচন এবং একের অধিক বোঝাতে বহুবচন ব্যবহাত হয়। হিন্দীতে সর্বনামগুলি একবচন ও বহুবচনে কি

ভাবে পরিবর্তন হয়, নিচে তার আলোচনা করা হলো।

एकंबचन (এक्वार्ग) में (गाँय)—णाभि

तु (जू) - जूरे

त्म (जूब) जूबि

आप (আপ)—আপনি

वह (७ग्नर्)—त्न

मेरा (प्राता)—आयात

तेरा ((७३१)—(७१३

वह्बचन (७ऱाष्ट्रवान)

हम (रुब)--जाभरा

तु सब (जू भव)— जाता

নুমলাম (তুম্লোগ)—ভোমরা

आपलोग (जाभूलाग)—जाभनाता

व (ওয়ে)—তারা, তাঁরা, তিনি

हमारा (इजाता) आंगाएत

तु सबका (जू अव्का)—তোদের

तुम्हारा (जूमराता)—ाजभात तुमलोगों का (जूमलाजाँ का)—ाजभापन

आपका (धानका)—धाननात आपलोगों का (धानलाता का)-धाननातत्व

उसका (উস্কা)—তাহার **उनका (উন্কা)**—তাঁহার, **তাঁদে**র

उनलागों का (উन्लाएँग का)— छेशापत, তाशापत

मुझका, मुझे (मूबरका, भूरब)—आभारक

त्झका, तुझ (ज्यांका, जूख)—जांक

तुमको, तुम्हं (ज्ञाका, ज्ञाह)--(जाभाक

आपका (आश्रका)—जाशनारक

उनको, उनह (উन्का, উन्क्)—जाशक

उसको, उस (উসকো, উসে)—তাহাকে

हमको, हमें (श्रा्का, श्राँ)—णामालिएक

तु सबको (जू भव्रका)— जामापन भकनरक

तुमलोगोंको (जूग्लालाँका)—जामिनक

आपलोगोंको (जानलाशींका)—जाननामिनरक

उनको, उन्हें (উन्ता, উन्दाँ)—जाँशिमिशक (जातवार्थ)

उनको, उन्हें (উन्का, छन्हें)—जाशामन

क्रिया (किंगा)

বাংলা ভাষার মতো হিন্দীতেও ক্রিয়া আছে এবং ক্রিয়ার তিনটি কাল আছে। বাংলা ভাষায় বচন ও লিঙ্গভেদে ক্রিয়ার রূপের পরিবর্তন হয় না। কিন্তু হিন্দীতে বচন ও লিঙ্গভেদে ক্রিয়ার রূপের পরিবর্তন হয়।
বাংলার মতো হিন্দীতেও ক্রিয়ার তিনটি কাল আছে। যেমন—(১) বর্নদান
(গুয়র্তমান), (২) সার্নীনে (অতীত) এবং প্রবিত্যে (ভও্য়িষ্ইয়)। হিন্দীতে এই
তিনটি কাল, লিঙ্গ, বচন অনুসারে ক্রিয়ার ব্যবহার হয়। এ সম্পর্কে বেশ
ভালভাবে জ্ঞান লাভ করতে হলে সর্বনামগুলি সম্পর্কে ভালভাবে জানতে হবে।
এজন্য প্রথমে সর্বনামগুলির অলোচনা করা হয়েছে।

वर्तमान काल (७ प्रत्ण्यान काल)

হিন্দীতে বর্তমান কালে—हूँ, है, हैं, हो विভক্তি যুক্ত করা হয়। নিচে তার উদাহরণ দেওয়া হলো। যেমন—

एकबचन (এकवहन)

मैं हुँ (भाँग़ हँ)—आप्रि इरे। हम हैं (रुप् शाँग़)—आप्रता रहे।

तु है (जू शांग़)—जूरे रुप्। तुम हो (जूप शांग)—जूपि रु।

आप हैं (आप शांग़)—आप्रिन रन। आपलोग हैं (आप्रलाग

वह है (अग्रद्शांग़)—एप्र रग्न।

वे हैं \*(अग्र शांग्न)—जांता वा जिन रन।

#### अतीत काल (अठीठ कान)

হিন্দীতে অতীত কালে লিঙ্গ ও বচন অনুসারে—খা' थे' थी' थों' বিভক্তি যুক্ত হয়।

एकबचन (এकवहन)

मैं था (ग्राँग था)—আप्रि हिलाम। हम थे (रुम् (थ)—আप्रता हिलाम।
तु था (ज्र्था)—जूरे हिला। तुम थे (ज्रम् (थ)—जूप्रि हिला।
आप थे (ज्रान् (थ)—जाननी आपलोग थे (ज्रान्तान)
हिलान। (थ)—जाननाता हिलान।
वह था (ज्रार् था)— प्र हिला। वे थे (ज्राग्रं (थ)—जाना हिलान।
जिनि हिलान। जाना हिलान।

भविष्यत काल (७७ग्निय्हें काल) हिन्नीट छविया काल लिन्न ७ कान अनुयारी— हूँगा, होगा, होगे, होंगे विज्ञ विज्ञ रहा। यमन—
एकबचन (একব্চন্) वहुबचन (अह्रव्हन)
में हुँगा। (भाँश एँगा।)—आभि रहेव। हम होंग। (हम् श्रांश)—आभर्श रहेव।

तु होगा । (जू र्शांगा)—जूर रिवा तुम होगे । (जूम् र्शांगा)—जूमि रिवा

आप होंगे । (আপ হোংগে।)—আপনি হবেন।
आपलोग होंगे । (আপলোগ হোংগে।)—আপনারা হবেন।
वह होगा । (ওয়হ্ হোগা।)—সে হবে। वे होंगे । (ওয়ে হোংগে।)—তিনি
হবেন।

এতক্ষণ সর্বনামের সঙ্গে বর্তমান, অতীত ও ভবিষ্যৎ কালের বিভক্তিগুলি লিঙ্গ ও বচন অনুসারে দেখানো হলো। এখানে কয়েকটি ক্রিয়া লিঙ্গ ও বচন অনুসারে কিভাবে পরিবর্তিত হয়, তার আলোচনা করা হচ্ছে।

> जाना (জানা)—যাওয়া—বর্তমান কাল (একবচন—পুংলিঙ্গ)

में जाता हुँ । (ग्राँग काठा हैं।)—आभि याष्टि।
तुम जाता है । (जूम काठा शाग्र।)—जूमि याष्ट्र।
तु जाता है । (जू काठा शाग्र।)—जूरे याष्ट्रिम।
वह जाता है । (अग्रद् काठा श्रा।)—तम याष्ट्र।
(वह्रवहन—भूशिक)

हम जाते हैं । (रम् काल्ड राँग्रा)—आमता यारे।
तुम जाते हो । (जूम काल्ड राँग्रा)—जूमि याउ।
व जाते हैं । (उत्र काल्ड राँग्रा)—जाता यान वा जाता याग्र।
व जाते हैं । (उत्र काल्ड राँग्रा)—जाता यान वा जाता याग्र।
व जाते उपतांक जाना कियां शिक्षानिक्ष जाता अल्ल जाती अर्थ।
(यमन—

ন্ত্রীলিঙ্গ একবচন—मैं जाती हूँ। (गाँग জাতী হঁ।)—আমি যাই ইত্যাদি।
ন্ত্রীলিঙ্গ বহুবচন—हम जाती हैं। (হম্ জাতী হাঁায়।)—আমরা যাই।

জালা (খানা)—খাওয়া (বৰ্তমান কাল—পুংলিঙ্গ)

যদি প্রথমা বিভক্তিতে ने 'প্রতায় যুক্ত হয়, তাহলে বাক্যগুলি নিম্নরূপ হবে।

(राज्ञन--

मैंने खाया । (गुँग्रत शाग्रा।)—णित थलाम।
तुने खाया । (जूत शाग्रा।)—जूरे थिल।
उसने खाया । (উস্নে शाग्रा।)—त्य थला।
हमने खाया । (इग्त शाग्रा।)—णामता थलाम।
तुमने खाया । (जूम्त शाग्रा।)—जामता थला।
उन्होंने खाया । (উन्द्शांत शाग्रा।)—जाम वा जा थलान।
विः दः—श्वीलिक खाया' शल खायी' (शाग्री)—रव।

#### ভাতীত কাল

হিন্দীতে অতীতকাল বোঝাতে পুংলিঙ্গ একবচনে—থা (থা) বিভক্তি, পুংলিজ বহুবচনে थे (থে) যুক্ত হয়। যেমন—

(একবচন-পুংলিজ)

हम खाया था । (इम् श्रा था।)—श्रि थियाहि। तुने खाया था । (जून श्रा था।)—जूरे थियाहिन। उसने खाया था । (উস্নে श्रा था।)—সে খেয়েছে।

(वस्वान-भूरिनिज)

हमने खाये थे । (इम्रत খारा थि।)—आमता थिराहि। तुमने खाये थे । (जूमत थारा थि।)—जामता थिराहि। तुने खाये थे । (जून थारा थि।)—जाता थिराहिन। ग्रीनिन्न এकवहत—खायी थी (थारी थी) এवः वहवहतः— खायी थीं (थारी थीं) हत।

#### ভবিষ্যৎ কাল (একবচন—পুংলিঙ্গ)

में खाउंगा । (ग्राँग थाउँ शा।)—णिम थाव। तुम खायोगे । (जूम थारागारा।)—जूमि थारा। (वर्वान-भूरिनिःक)

हम खायेंगे । (श्र् शास्त्रस्त्र।)—आवता शाव। वे खायेंगे । (अस शास्त्रस्त्र।)—जाता शादा।

#### पाठ — ७ (शार्ठ — १) पद परिचय (शृत शतिहत्र)

बिमल के पास कलम है। (अग्निम्न् त्क भाभ कनम शाहा।)—विमलात काफ़ कनम आरह।

मिता अच्छी लड़की है। (पिछा छाष्ट्री नफ्की शाय।)—पिछा जाजा

মেয়ে।

अनिल और सुनील जल्दी आता है। (অনিল অওর সুনীল জল্দী আতা হায়।)—অনিল ও সুনীল ভাড়াতাড়ি আসছে।

आह, मुझे जाने दो । (बाइ, पूर्व ज्ञान मा)—बाः, बाघारक यरङ

मा ।

উপরে চারটি বাক্য দেওয়া হয়েছে। এর মধ্যে প্রথম বাক্যটিতে—বিমন কোনও ব্যক্তির নাম এবং কলম একটি বস্তুর নাম বোঝাচ্ছে।

षिठीय वाका अच्छा भक्षि वीलिक अच्छी १८४८६ ववः लड्की भटनत

গুণ বোঝাচেছ।

তৃতীয় বাকো—জন্বী' শব্দটি ঝানা' ক্রিয়ার অবস্থা বোঝাচ্ছে। और' শব্দটি অনিল ও সুনিল দু'টি বাকাকে যুক্ত করেছে। জানী है' শব্দটি দারা যাওয়া বোঝাচ্ছে।

हर्ष वाका—आहं 'मभि वाता मत्तत आदिन वा पृथ्य ध्वाम कति । वाक्य मे व्यवहृत प्रत्येक शब्द को 'पद' कहते हैं (७ शाक्र्य प्र उग्रहरू थर्टेशक मन का भन कर्र हैं। श्री वाका वावका थराक मन्दिक भन वाल।

হিন্দী এবং বাংলা উভয় ভাষাতেই পদ পাঁচ প্রকার। যেমন—

१. संज्ञा (त्रःख्व)—विलिया। २. विशेषण (७ विलियः)—विलियः। ३. सर्वनाम (प्रव्ध्वनाम्)—प्रवंनाव। ४. क्रिया (क्रिया)—क्रिया। ५. अत्यय (प्रव्ध्वयं)—प्रवाय।

#### संज्ञा (मरखा)—विल्थाः

नाश्नात प्राठार शिकीरक (संज्ञा) विराध और धकात। रयमन—(१) व्यक्तिवाचक (७प्रक्रिंधग्राठक्), (२) जातिवाचक (फ्रांकिंधग्राठक्)—क्रांकिंगठक। (३) समुहवाचक (भमृश्धग्राठक्), (४) द्रब्यवाचक (धवरेग्रधग्राठक्) (५) भाववाचक (छावधग्राठक्)।

- १. ब्यक्तिवाचक (ওয়জিওয়াচক্)—যে বিশেষ্য ছারা কোনও ব্যক্তি, বস্তু বা হানের নাম ব্রায়। তাকে বলা হয় ब्यक्तिवाचक संज्ञा (ওয়জিওয়াচক্ সংজ্ঞা)। যেমন—हरेन (হরেন), এক ব্যক্তির নাম। गंगा (গন্গা)—একটি নদীর নাম। কিলাব (কিতাব) পুস্তক। একটি বস্তুর নাম। কলকলা (কলকত্তা)—কলিকাতা, একটি স্থানের নাম। सोना (সোনা) একটি ধাতুর নাম ইত্যাদি।
- २. जातिवाचक (জाण्डियाहक्)—এই বিশেষ্য বা संज्ञा' षाता এक জाতীয় সব প্রাণী বা বস্তুকে বোঝায়। যেমন—मनुष्य (মনুষইয়)—মানুষ। शेर (শের)—বাঘ। कुत्ता (কুন্তা)—কুকুর। पौधा (পওধা)—চারাগাছ।

३. समूहवाचक (সমূহওয়াচক্)—এই বিশেষ্য দ্বারা এক জাতীয় বহু বস্তুকে একটির মতো বোঝায়।

- ४. द्रव्यवाचक (प्ववर्शेष्ण्याहक्)— এই वित्निश द्वाता य कान्छ प्ववादक दावाग्र।
- ५. भाववाचक (ভাব্ওয়াচক্)—এই বিশেষ্য দ্বারা হর্ব, বিষাদ, ভয় প্রভৃতি মনের ভাব বোঝায়।

# विशेषण (अग्रिलायएँ)—विलायन

যে পদের দারা বিশেষ্য পদের দোষ, গুণ, অবস্থা, পরিমাণ বা সংখ্যা বোঝায়, তাকে বিশেষণ বলে।

संज्ञा या सर्बनाम की विशेषता बतानेबाले शब्दों को विशेषण कहते हैं (मध्छा रेग्ना मद्भा की धिम्निका, विशेषण कहते हैं (मध्छा रेग्ना मद्भा की धिम्निका, विशेषण धिम्निक कर्र कर्र रंग्ना — मध्छा वा मर्वनाक्ष विराधका विशेषका वाचाना मद्भा का विशेषका विशेष

अच्छा लड़का । (जाह्या निष्का।)—ভाলো ছেলে। दुरा लड़का । (বুরা निष्का।)—খারাপ ছেলে। अच्छी लड़की । (जाह्यी निष्की।)—ভালো মেয়ে।

উপরের বাক্যগুলিতে দেখা যাচ্ছে अच्छा ' এবং बुरा ' শব্দ দুটির দ্বারা লেভ্কা বিশেষ্য পদের দোষ গুণ বোঝা যাচ্ছে। অতএব 'अच्छा' ও 'बुरा' শব্দ দু'টি বিশেষণ। আবার দেখা যাচ্ছে—অ-কারান্ত বিশেষণ পদ লিঙ্গভেদে পরিবর্তন হয় না। আবার অ-কারান্ত বিশেষণ না হলে বিশেষ্যের লিঙ্গ, বচন অনুসারে বিশেষণের পরিবর্তন হয়। যেমন—

अच्छा लड़का । (षाष्ट्रा लएका।)—ভाলো ছেলে। (একবচন) अच्छा लड़की । (षाष्ट्रा लएकी।)—ভाলো মেয়ে। (একবচন) अच्छे लड़के । (षाष्ट्र लएका)—ভाल ছেলেগুলি। (वहवচন) अच्छी लड़कियाँ । (षाष्ट्री लएकियाँ।)—ভाल মেয়েগুলি। (वहवচন)

বাংলা ভাষায় যেমন অনেক সময় বিশেষ্যের পরে বিশেষণ ব্যবহৃত হয়। সেই রকম হিন্দীতেও অনেক সময় বিশেষ্যের পরে বিশেষণ ব্যবহৃত হয়। যেমন—

यह कमरा छोटा है । (इँग्नर् कम्ता ছোটা হ্যায়।)—এই घति ছোট।
वह गुलाब लाल है । (७ग्नर् ७नाव नान द्याय।)—ये गानाभि नान।
উপরের বাক্য দু'টিতে দেখা যায় 'कमरा" विশেষ্য পদের পরে 'छोटा'
विশেষণ এবং 'गुलाब' विশেষ্য পদের শেষে 'लाल' বিশেষণ বসেছে।

পুংলিঙ্গ বহুবচন হলে—অ-কারান্ত বিশেষণ পদ এ-কারান্ত হয় এবং স্ত্রীলিঙ্গ উভয় বচনেই ঈ-কারান্ত হয়। যেমন—

छोटा लड़का । (ছোটা লড়কা।)—ছোট ছেলে। (পুং-একবচন)
बड़े लड़के । (বড়ে লড়কে।)—বড় ছেলেরা। (পুং-বহুবচন)
बड़ी लड़की । (বড়ী লড়কী।)—বড় মেয়ে। (স্ত্রী-একবচন)
बड़ी लड़कियाँ । (বড়ী লড়কিয়া।)—বড় মেয়েরা। (স্ত্রী-বহুবচন)

# सर्वनाम সর্ওয়নাম্—সর্বনাম

संज्ञा वा वित्निया পদের পরিবর্তে যে পদ বাবহার করা হয়, তাকে सर्वनाम (সর্ওয়নাম)—সর্বনাম পদ বলে। সর্বনামের উদাহরণ আগেই দেওয়া হয়েছে। এখানেও কয়েকটি উদাহরণ দেওয়া হলো—मैं, हम, तु, तुंम, आप, यह, वह, वे, ये क्या, कौन ইত্যাদি।

উপরোক্ত ছয়টি সর্বনামের মধ্যে পুরুষবাচক সর্বনামটিই বেশী ব্যবহৃত হয়।

এজনা এখানে পুরুষবাচক সর্বনামের আলোচনা করা হলো।

पुरुपवाचक सर्वनाम (পুরুষওয়াচক সর্বনাম)—তিন ভাগে বিভক্ত। (ययन—(১) उत्तमपुरुष (উछम-পूरुष) (२) मध्यमपुरुष (यष्ट्यम्-পूरुष) अ (७) अन्यप्रष (जन्देग्र-शुक्य)।

उत्तमपुरुष (উख्य-शृक्ष)—धकवान में (भारा)—व्यापा। मेरी (भारी)—व्यापात। मुझ (भूत्य)—व्यापातः।

#### वानय रयना (तका तकनी)

मैं निर्धारित समय पर नहीं आ सका । (गूँग निर्धाहिত नगर शर् নহী আ দকা।)—আনি ঠিক সময়ে আসতে পারিনি।

मेरी ओर से क्षमा माँग लीजिए। (अती अत् त्र इमा माँग লিজিএ।)—আমার দিক থেকে ক্ষমা চেয়ে নেবেন।

मुझे बड़ा खंद है। (भूता वड़ा (थन शाय।)—आभि जाजा मृहिचेछ। मैं अभी आ रहा हूं। (गाँश जा जा तरा है।)— जामि वर्गन जामहि।

#### मध्यमपुरुष (भर्षहेश्रम् शृक्ष्य)—धकवठन

तुम (जूम) - जूमि - तु (जू) - जूरे तुम्हं (जूग्रह)—त्जानादक

काला—(काल्) मित्र

## वाक्य रखना (वाका तहना)

त्म उसके घर गये थे ? (जूब छन्तक वत नात (व?)—जूबि अपनव বাড়ি গিয়েছিলে?

त्म हिन्दी पढ़ते हो ? (छूम हिनी भएडण (२१)— जूमि हिनी भएडा? तु कव गया ? (তু क्यू भग्ना?)—जूरे करवे भिरसिंचिन। त्म कहाँ जाते हो ? (इम् करो आळ छा?)—इमि काशाम गाछ?

अन्यपुरुष (यन्रेप्र-भूक्ष)—धकरान वह (असर्) - ला । यह (रेसर्) -- धरे रेरा।

कौन (कड्न)—क। कान्। जो (जा)—वा।

#### वाक्य रचना (वाका तहना)

वह रोज अंग्रेजी पढ़ता है। (ওয়হ্ রোজ অংগ্রেজী পঢ়তা হায়।)—সে গ্রতিদিন ইংরাজী পড়ে।

यह मेरा किताव है। (इग्नर् प्राय़ किणान् शाय।)—अपि प्रायात वरे। कौन आया था ? (क७न प्राया था?)—क अफ्राइन?

#### उत्तमपुरुष (উठ्य-श्रूक्य)

यहर्वन- हम कल गया था । (२म् कल् १४ था।) — आंभरा काल शिक्षिहिलाम।

#### मध्यमपुरुष (वर्रेशम्-প्रम)

व्हतक्त-तुमलोग कव गया था ? (पूज्लाग् कव् ग्रा था?)—তामता करव शिराहिता?

#### अन्यपुरुष (थन्देश-शृङ्ग)

वश्वकन—वे हररोज यहाँ आता हैं। (७ए३ इत्ज्ञाक देशराँ जाला है।)—ठाता প্রতিদিন এখানে আসে।

উপরের বাকাণ্ডলিতে দেখা যায়, পুংলিঙ্গে অ-কারান্ত ক্রিয়ার পরিবর্তন হয় না। কিন্ত ব্রিলিঙ্গে উত্তমপুক্ষ, মধ্যমপুক্রয ও অন্যপুক্ষে ক্রিয়ার পরিবর্তন হয়—যেমন—ম নথী পী (খাঁয় গ্রী থী)—আমি গিয়াছিলাম। নুদ নথী খী (তুম্ গ্রী থী)—তুমি গিয়েছিলে। বল নথী খী (ওয়হ্ গ্রী থী)—সে গিয়াছিল।

#### किया (जिया)—िया Verb

বাংলার মতো হিন্দীতে ক্রিয়াপদ আছে। সে কথা আড়েই আলোচনা করা হয়েছে। ক্রিয়া তিনভাগে বিভক্ত অর্থাং তিনটি কালে বিভক্ত। যেমন বর্ন দান (ওয়র্তমান্), স্বর্নার (অতীত), শবিত্যর (ভঙ্গিষ্ইয়ত্)।

তাছাড়াও ক্রিয়া দুটি শ্রেণীতে বিভক্ত। যেমন নামর্মক (সকর্মক), এবং স্বর্মক (অকর্মক)।

१. सकर्मक क्रिया (जकर्मक क्रिया)—य क्रियान कर्म थारक, जारक वला रस जकर्मक क्रिया। यमन—

हिसी-नाश्या निका-8

राम किताव पढ़ता है। (त्राव किजार् भएजा छात्र।)—त्राव वरे भएज। मीरा तास खेलती है। (त्रीवा ठात थनठी शाय।)—मीता जात খেলছে।

पिताजी भात खाता है। (लिठाजी ভाठ थाठा दाँ।)— वावा छाठ

খাজেল।

माँ रोटी खाती है। (भाँ तांगी थांगी शाँगा।)—भा कृषि थार्फ्यन। भैं काम करता हूँ । (बाँब काब कड़ा है।)—आबि कास कड़ाहि। वे काम करते है । (अस काम कड़्ट शौग्र।)—जाता काञ्च कड़रू। छेभद्वतं वाकार्थनिए पढ़ता, खेलती, खाता, खाती, करता, करते थक्रि कियार्थानेत को श्ला-किताव, तास, भात, रोटी, काम थक्रि কর্ম বর্তমান। অতএব এগুলি সকর্মক জিয়া।

जिय क्रिया में कर्म होता है उसे सकर्मक क्रिया कहते हैं। (जिन ক্রিয়া মে কর্ত হোতা হায় উসে সকর্মক ক্রিয়া কহতে হাায়।)—যে ক্রিয়ার কর্ম

আছে ভাজে সৰমৰ ভিয়া বলে।

अकर्मक क्रिया (ध्वकर्मक क्रिया) - जिस क्रिया में कर्म नहीं है उसे अकर्मक किया कहते है । (बिन् किया औं कर्म नहीं शाय উत्न जकर्मक ক্রিয়া কহতে হাঁম।) যে ক্রিয়ার কর্ম নাই, তাকে অকর্মক ক্রিয়া বলে। (3) 30

वह खाता है। (अयर थांठा शाय।) — भ थांत्र। हम करता है। (इस कत्रजा शाय।)—जाभता कर्त्रि।

উপরের প্রথম বাকে। নলা হয়েছে—জ্ঞানা ষ্ট অর্থাৎ থাছেই, কিন্তু কি খাচেছ তা বলা হয় নি। এজন্য বাক্যটি অকর্মক।

আবার দিতীয় বাকে। বলা হয়েছে কरता है (করতা হ্যায়) করছে। কিন্ত কি করছে, তা নলা হয়নি। এজনা জিয়াটি অকর্মক।

আবার কর্মের সমান্তি বা অসমান্তি ভেদে জিয়া দুভাগে বিভক্ত। ষেম্বন— १. समापिका क्रिया (अभाविका क्रिया) ध्वः २. असमापिका क्रिया (অসমাপিকা ক্রিরা)।

१. समापिका क्रिया (नमानिका क्रिया)—य क्रियात সাহাযো कर्यत्र स्वय বোঝা যার, তাকে সমাপিকা ক্রিয়া বলে।

हिनी गांकतल वना रख़ाइ—जिस क्रिया से क्रिया की पूर्णता प्रकट होती है, उसे समापिका क्रिया कहते हैं। (किंज् किंग्रा त्न किंग्रा की भृति थक दिन्न राष्ट्र, उत्तर अमाभिका किंग्रा कर राष्ट्र शांग्र।) यमन—

अनिल खाया (जिन्न थाया)—जिन्न थियाह। सुनील गया (जुनीन भया)—जुनीन भियाह।

উপরোক্ত বাক্য দু'টিতে 'আযা' এবং 'গ্যা' এই দু'টি ক্রিয়াপদের দ্বারা অনিলের খাওয়া কর্মটি ও সুনীলের খাওয়া কর্মটি সমাপ্ত হয়েছে বোঝা যায়। অতএব ঐ দু'টি বাক্য সমাপিকা। এই রক্ম যে সব কাজ শেষ হয়েছে বোঝা যায়, তাকে সমাপিকা ক্রিয়া বলে।

२. असमापिका क्रिया (जममाशिका क्रिया)—जिस क्रिया से क्रिया की अपूर्णता प्रकट होती है, उसे असमापिका क्रिया कहते हैं। (जिन्न क्रिया त्र क्रिया की जन्न्वा थकाँ दाजी शाय, उत्तर जममाशिका क्रिया कर्ट शाय)—य क्रिया वाता कर्मत जन्न्वा थकाँ थकाँ भाग भाग, जांक जममाशिका क्रिया वाता श्र। यमन—

चाय पीकर आओ । (हाय शीकत् चाछ।)—हा त्यात वाला। भात खाकर जाओ । (ভाত् খाकत् छाछ।)—छाठ त्यात याछ।

উপরের বাক্য দু'টিতে पीकर (পান করে), खाकर (খাকর)—খেয়ে, ক্রিয়া দু'টির দ্বারা কর্মের সমাপ্তি বুঝাচেছ না। সেজন্য এই বাক্য দু'টিকে असमापिका क्रिया (অসমাপিকা ক্রিয়া) বলে।

হিন্দীতে ক্রিয়ার সঙ্গে 'না' যোগ করা হয়। যেমন—जाना (জানা)—যাওয়া, জ্ঞানা (খানা)—খাওয়া, उठना (উঠ্না)—ওঠা, वैठना (ওয়ায়ঠনা)—বসা প্রভৃতি।

क्रियाएं (क्रिग्नार्सं)—क्रिश्नावाहक नंकप्रमृश् बैठना (वार्ग्नर्ट्ना)—वप्रा ऊठना (উर्ट्ना)—छेठा खाना (थाना)—थाउरा आना (जाना)—जाप्रा जाना (जाना)—याउरा शुलापा (खनाना)—लाग्नारना उतारना (উठात्ना)—नाभारना उड़ना (छेज्ना)—छेजा उठाना (छेठाना)—क्राशारना चबाना (हवाना)—हिवारना

उठाना (छेठाना)—छेठाता पढ़ना (भएना)—भड़ा पीटना (কহুনা)—বলা (পীট্না)—মারা कहना करना (कत्ना) कता पीना (शीना)—भान कर्ता काँपना (काँभ्ना)—काँभा कमाना (क्याना)—छे शार्जन कता घुमना (घूम्ना)—धाता नहाना (नश्ना)—न्नान कता गिनना (शिन्ना)—शगना कता जीना (जीना)—गाँठा कुदना (कृष्ना) नाकाता ढोना (छाना)—वश्न कता जानना (जान्ना)—जाना गाना (গানা)—গান করা चाहना (ठाङ्ना)—ठा७ या तोडना (ভোড়্না)—ভাঙ্গা तैरना (जाय़त्ना)—गाँजात (मध्या छिपना (ছिপ्ना)—नुकाता दकना (एक्ना)—एका (मध्या खीँचना (शैंठना)—गेना खेलना (रथन्ना)—रथना पकड़ना (भक्छना)—धता दौड़ना (म्राण्ना)—मिणाता डुबना (जून्ना)—एजावा निकलना (निकल्ना)—वार्टित रु७ग्ना खेलना (रानना)— राना टूटना (वृवन)—जन्ना सेरना (मायतना)—त्वज्ञातना नफरत करना (नफत्र कत्ना) पृणा कता घबड़ाना (घर्षाना)—উिषश रु७गा। खोना (त्थाना)—शताता धोना (धाना)—धाउग्रा तौलना (७७लना)--७ कन क्या चुराना (চूताना)— हूति कता दुँढ़ना (पूँएना)—(थाँका चलना (हल्ना)—या ७ या हहरना (ठेश्त्ना)—थामा छापना (ছाপ्নा)—हाभा जलना (अन्ना)—ज्ना छोड़ना (ছোড়্না)—হাড়া जाँचना (काँह्ना)—हा अग्रा देना (जना)—जिथ्या पहुँचना (भएँठ्ना)—(श्रीष्टाता पालना (शान्ना)—(शाया सीना (त्रीना)—(त्रनाई क्ता पढना (शृजा)—भण पहनना (भर्न्ना)—भता सोना (माना)— आउग्रा पकाना (भकाना)—ताबा कता लेटना (लंग्ना)—माख्या (পীসনা)—পেসাই করা पुकारना (श्काव्ना) फाका पीसना र्फेंकना (एकँक्ना)—ई्रंए एकना पहचानना (निक्ठान्ना)—(ठना

मानना (प्रान्ना)—खक्ता कता
समझाना (प्रप्रव्ना)—तावा
बचना (वह्ना)—वांहा
बोलना (वाल्ना)—वला
सजाना (प्रकाना)—प्राकाता
लौटना (ल ७ हेना)—कित बाप्रा
लेना (लना)—ति कता
मरना (प्रव्ना)—मूर्ठ कता
मरना (प्रव्ना)—प्रवा
लिखना (लिथ्ना)—(लथा

सीखना (त्रीश्ना)—लथा
सहना (त्रद्ना)—त्रद्धा कता
बेचना (त्रद्ना)—विक्वी कता
सकना (त्रद्ना)—शता
बुलाना (वृलाना)—णका
भागना (ण्रात्ना)—शानाता
भूलना (ण्र्ल्ना)—णूल कता
भेजना (प्र्ल्ना)—शोगता
मिलना (त्र्न्ना)—एथा रुउग्रा
रहना (तर्ना)—थाका

#### पाठ—८ (পाঠ—৮) क्रिया का काल (क्रिया का कान) क्रियां कान

क्रिया के जिस रूप से उसके ब्यापार के समय का ज्ञान होता है, उसे काल कहते हैं। (क्रिय़ा कि क्रिन् क्रिश ट्रिन्टिंग ग्राशित कि नम्म का ब्लान शिला शाय, उस काल कर्टिंग्या।)—क्रियांत स्म क्रियां माशिया क्रिया नमस्यत ब्लान रय, जाक क्रियांत काल क्ला रय।

বাংলা ভাষার মতো হিন্দীতেও ক্রিয়ার তিনটি কাল। যেমন—१। वर्तमान काल (ওয়র্তমান কাল), २। भूत काल (ভূত কাল)—অতীত কাল (হিন্দীতে অতীত কালকে ভূত কালও বলা হয়।) ३। भविष्यत काल (ভওয়িষইত কাল)।

स्वपन खाता है । (अष्त्रन् थाठा शाया)—यत्रन थाट्छ।
तपन पढ़ता है । (जलन गढ़ा शाया)—जलन लफ़्छ।
मीना सेर करती है । (बीना आग्नाय कर्नी शाया)—मीना विफ़ाट्छ।
छेलाक जिनिए वात्ना यथाक्राय—खाता है, पढ़ता है, सेर करती
है । कियालिक्ष्मित बाता थाट्छ, लफ़्छ, विफ़ाट्छ वाचा याट्छ, किछ थाउया,
लफ़ा उ विफ़ाता वथनउ हल्टा, लय श्यान। सिक्ना विक्रीन वर्जमान काल।

हिनीट वर्ठभान कान िन्छाता विछ्छ। त्यभन— १. सामान्य वर्तमान, (नाभान्देश अग्रव्जभान)—नाभाना वर्ठभान। २. तात्कालिक या अपूर्ण वर्तमान (जारकालिक देशा अपूर्ण, अग्रव्जभान)—घर्षभान वर्ठभान अवर ३. पूर्ण वर्तमान (भृत्षु, अग्रव्जभान)—भूर्ण वर्जभान कान।

१. सामान्य वर्तमान (সামান্ইয় ওয়র্তমান্)—সামান্য বর্তমান কাল—सामान्य वर्तमान काल से ब्यापार का आरंभ वर्तमान काल में हुआ है, यह बोध होता है। (সামান্ইয় ওয়র্তমান কাল সে ব্যাপার কা আরম্ভ ওয়র্তমান কাল মেঁ ছআ হ্যায়, ইয়হ্ বোধ হোতা হ্যায়।)—সামান্য বর্তমান কালের সাহায্যে কাজটি বর্তমান কালে শুরু হয়েছে এই ধারণা জন্মে। আবার যে বর্তমান কালের ক্রিয়াপদের সাহায্যে বর্তমান কালের সামান্যতা পরিলক্ষিত হয়, তাকে সামান্য বর্তমান কাল বলে।

उदाहरण (উपार्तण)

में खाता हूँ । (ग्राँग थाठा हैं।)—आभि थाछि। हम खाते हैं । (रुम् थाटा शाँग।)—आभन्ना थाछि। तु खाता है । (जू थाठा शांग।)—जूरे थाछिन। तुम खाता है । (जूम थाठा शांग।)—जूमि थाछ। वह खाता है । (अग्रद् थाठा शांग।)—त्न थाएछ।

উপরের বাক্যগুলি সামান্য বর্তম' কাল। এই বাক্যগুলিতে কিয়ার মূল ধাতুর সঙ্গে পুংলিঙ্গে 'তা', বছবচনে 'তে' এবং 'হ্যায়' প্রত্যায় একবচনে ও 'হ্যায়' বছবচনে যুক্ত হয়েছে।

ন্ত্রীলিঙ্গে ক্রিয়ার মূল ধাতুর সঙ্গে 'ত্রী' যুক্ত হয়। তায় কিন্তু একই প্রকার পাকে। যেমন— में खाती हूँ । (भाँत थाठी हैं।)—णात्रि थाछि।
हम खाती है । (इज् थाठी हात्रा)—जूरे थाछित।
तु खाती है । (जू थाठी हात्रा)—जूरे थाछित।
तुम खाती हो । (जूज थाठी हात्रा)—जूति थाछ।
वह खाती है । (अत्र थाठी हात्रा)—जित्रा (जाह्रा) थाछए।
वे खाती हैं । (अत्र थाठी हात्रा)—जिता (जाह्रात्रा) थाछए।
छेशद्वत वाकाश्चल नका कत्रतारे प्रथा याद्य, किसात पूल थाजून मद्ध जी'
ववर 'हैं', 'शास' ७ 'हाँ।स' युक हत्सछ।

२. तात्कालिक वर्तमान काल (जारकानिक अग्रज्ञान कान)

ঘটমান বৰ্তমান কাল

क्रिया के जिस रूप से उसका वर्तमान काल में जारी रहना प्रकट हो, उसे तात्कालिक वर्तमान काल कहत हैं। (क्रिय़ा कि किन् क्रिल ट्रा डेन्क्रा ७ युक्जा वर्ष व्याप्त काल कर एक द्याया।)—क्रियात एय क्रिल याता वर्षमान काल युक्जान काल कर वा लिय इक्ज वाताया, जातक जानकालिक वर्षमान वर्ण। युमन

में जा रहा हूँ । (भाँग का वहा है।)—वाभि विनिष्ठि।

कमल जा रहा है। (कभल का तहा हो।)—कभल गाएक।

तुम जा रहे हो। (क्भ का तह हो।)—क्भि गाव्ह।

हम जा रहे हैं। (हम का तह हो।)—आभता गाव्ह।

वह जा रहा है। (अग्र का तहा हो।)—उन गाव्ह।

वे जा रहे हैं। (अग्र का तहा हो।)—जाता (जारांजा) गाव्ह।

तु जा रहा है। (क्ष का तहा हो।।)—जेता (जारांजा) गाव्ह।

तु जा रहा है। (क्ष का तहा हो।।)—क्रै गाव्हिन।

উপরের বাকাগুলিতে দেখা যাচেছ, চলা ক্রিয়াটি আরম্ভ হয়েছে বটে, কিন্তু এখনও শেষ হয়নি। কাজটি চলছে। এই রকম ক্রিয়াকে ঘটমান বর্তমান বা নাকোলিক বর্নদান (তাৎকালিক ওয়র্তমান্) বলা হয়।

তাৎকালিক বর্তমানে ক্রিয়ার সঙ্গে পুংলিঙ্গ একবচনে 'হো' (রহা) গুংলিঙ্গ বহুবচনে 'হह' (রহে) যুক্ত হয় এবং খ্রীলিঙ্গ উভয় বচনেই 'হরি' (রহী) যুক্ত হয়। সাহায্যকারী ক্রিয়া বচন অনুসারে ব্যবহৃত হয়। যেমন— একবচনে—ইুঁ (হুঁ), ষ্ট (হ্যায়), हो (হো) ব্যবহৃত হয়। বহুবচনে—ইুঁ (হাায়) ব্যবহৃত হয়।

নোনও কাজ পূর্বে আরম্ভ হয়েছে এবং সবেমাত্র শেষ হয়েছে, তখনো তার রেশ চলছে, ক্রিয়ার এই কালকে পূর্ণ বর্তমান কাল বলে। যেমন—

में खाता हूँ । (भाष थाठा है।)—याभि थाछि। हम खाते हैं । (२५ थाटा शांग्र।)—याभता थाछि। वह खाता है । (४४२ थाठा शाप्र।)—टात्रा (ठाशता) थाटह। वे खात हैं । (४८४ थाटा शाप्र।)—छात्रा (ठाशता) थाटह। तु खाता है । (४८ थाटा शाप्र।)—छूरे थाछित्र।

উপরের বাক্যগুলি দারা বোঝা যায় খাওয়া কাজটি সবেমাত্র শেষ হয়েছে বটে, তার রেশ এখনও চলছে। এজন্য একে পূর্ণ বর্তমান কাল বলে।

भुत काल (ছृष कान)— पाठीष कान

খুন কাল কী क्रिया से बीने हूए समय का बोध होता है। (ভূত কাল কী ক্রিয়া সৈ বীতে ৩এ সময় কা বোধ হোতা হায়।)— ভূত কালের ক্রিয়ার ঘারা কাজটি শেষ হয়েছে বোঝায়। অর্থাৎ যে ক্রিয়া আগেই শেষ হয়ে গেছে বোঝায়, তাকে ক্রিয়ার ভূত কাল বলে। যেমন—

এখানে প্রথম বাক্যে রানের যাওয়া কাজটি কালই শেব হয়েছে বোঝা যাচছে। দ্বিতীয় বাক্যে ভারত আগেই স্বাধীন হয়ে গেছে বোঝাচ্ছে। অতএব রাক্যগুলি ভূত কাল বা অতীত কাল।

हिन्दी में भूत काल को छः वर्ग में बांटा हूआ। (श्भि प्राँ पृठ काल का छर अग्रन्थ भाँ वाँठा हुआ।)—श्निक्षिण पृठ काल क श्राहि खंनीए छाण करा श्वाह। यमन— १. सामान्य भूत काल (त्रामान्य पृठ काल)—त्रामान्य प्रते काल (ज्ञामान्य पृठ काल)—त्रामान्य प्रते काल (ज्ञामान्य प्रते काल (ज्ञामान्य प्रवे

काल)—আসর অতীত काल। ३. पूर्ण भूत काल (প্রছ্ ভূত काल)—পূর্ণ অতীত। ४. सन्दिग्ध भूत काल (সন্দিগ্ধ ভূত काल)— সন্দিগ্ধ অতীত काल। ५. तात्कालिक भूत काल (তাৎकालिक ভূত काल)— ঘটমান অতীত काल। हेतु हेतुमद भूत काल (হেতু হেতুমদ ভূত काल)— শর্তসাপেক্ষ অতীত काल। सामान्य भूत काल (সামান্ইয় ভূত কাল)— যে ক্রিয়ার দ্বারা কর্তার যাবার ধারণা জ্বমে, ভাকে সামান্য ভূত কাল বলে। যেমন— वह चला (ওয়হ্ চলা)— সে চলল। हम चले (হম্ চলে)— আমরা যাই। तम चले (তুম চলে)— ভূমি চললে। मैं जाता (ग्राँग क्रांठा)— আমি যাই।

বঁ খল (ওয়ে চলে)—তারা চলল। সামান্য ভূতকালে ক্রিয়ার ধাতুর সঙ্গে 'আ' যুক্ত করতে হয়। অর্থাৎ ক্রিয়ার গ্রাতুর সঙ্গে পুংলিঙ্গে 'আ' যুক্ত করলে এবং দ্বীলিঙ্গে 'ঈ' যুক্ত করলে, সামান্য ভূত কাল হয়। যেমূন—

र्श्वां श्रीनिष्ठ बोल+आ = बोला (वनन) बोल+ई = बोली (वनन) चल+आ = चला (ठनन) चल+ई = चली (ठनन)

देख+आ = देखा (ज्थन) देख+ई = देखी (ज्थन)

উপরোক্ত अ-कारान्त (অ-কারান্তে) ধাতুর সঙ্গে এইভাবে পুংলিঙ্গে—आ'
এবং খ্রীলিঙ্গে ई' যুক্ত করে সামান্য ভূত কালের ক্রিয়ায় পরিণত করা হয়।
কিন্তু যে সব ধাতুর সঙ্গে आ-কাर' যুক্ত থাকে, অর্থাৎ आ-কাरান্ন (আ-কারান্ত) ধাতুর সঙ্গে খী' বা ई' যুক্ত করে সামান্য ভূত কালে রূপান্তরিত করা হয়।

किया के जिस रूपसे उस के पूरा होने का समय निकट में ही सखझा जाता है, उसे आसल भूत काल कहते हैं। (किश्रादक छिन् क्रमांट छिन्दक मृता श्रांत का नमग्र निक्र भाँ ही नमका छाठा शांग्र, छेटन छानन छूठ काल कर्ट शांग्र।)—क्रियांत य क्रांत्रक षाता कार्य जम्भन्न र्वांत नमग्र पूर्व निक्रवर्जी छाना यांग्र वा तावा यांग्र, ठात्कर जानन छूठ काल वर्ता। (रामन—

मैं खा चुका हूँ । (भाँ श एका है।)— आपि (थराहि।

हम खा चुका हैं। (হম্ খা চুকা হাায়।)—আমরা খেয়েছি। উপরোক্ত বাক্য দু'টির দ্বারা বোঝা যায় 'খাওয়া' ক্রিয়াটি চলছে বা শুরু হতে চলেছে। এজন্য এগুলি আসন্ন ভূত কাল।

পুর্ণ भूत কাল (পূর্ণ ভূত কাল) এই ক্রিয়ার বাকাগুলি অতীত কালের মতো শোনালোও প্রকৃতপক্ষে এই সব

বাক্য পূর্ণ ভূত কালের। যেমন-

में खाया था। (ग्राँग शाम था।)—आमि थ्यत्विह्नाम। हम खाये थे। (इम् शास था।)—आमता त्यत्विह्नाम। तु खाया था। (जू शाम था।)—जूरे थितिह्नि।

উপরোক্ত বাকাগুলিতে 'খাওয়া' ক্রিয়াটি শেষ হয়েছে বোঝা যাচ্ছে। অর্থাৎ এখানে ক্রিয়া কার্য সম্পূর্ণ হয়েছে জানা যাচেছ। এজন্য এগুলি পূর্ণ ভূত কাল।

सन्दिग्ध भूत काल (त्रिश्च छ्ंछ कान)

जिसं भूत काल की क्रिया के होने में, सन्देह हो उसे सन्दिग्ध भूत काल कहते हैं । (किम छूछकान की क्रियाक द्याल, (में मल्पर द्या, छित्र मिनक छूछ कान कर्ष्ठ राँ।।—या मकन छूछ कालंद क्रियाय मल्पर र्य, তাকে मिनक छूछ कान वल। (यमन—

मैंने देखा होगा। (गाँगत्न দেখা হোগা।)—আগি হয়তো দেখেছিলাম।
हमने देखे होगे। (হম্নে দেখে হোঙ্গে।)—আমরা হয়তো দেখেছিলাম।
উপরোক্ত বাকা দৃটিতে দেখা ক্রিয়াটিতে সলেহ আছে। এজন্য একে বলা
হয় সন্দিশ্ধ ভূত কাল।

সন্দিশ্ধ ভূত কালে পুংলিঙ্গ একবচনে ক্রিয়ার সঙ্গে होगा ' প্রতায় যুক্ত হয় এবং পুংলিঙ্গ বছবচনে—होंगे ' यूक् হয়। द्वोलिঙ্গ উভয় বচনে ক্রিয়ার সঙ্গে ध ' यूक হয়। ব্যান ভূত হয়। ব্যান ভূত হয়। ব্যান ভূত হয়। ব্যান দ্রীন देखी होगी। (মাঁয়নে দেখী হোগী।)—আমি হয়তো দেখেছিলাম। हमने देखी होंगी। (হম্নে দেখী হোঙ্গী।)—আমরা হয়তো দেখেছিলাম।

तात्कालिक भूत काल (जांश्कानिक एक काल) जिस किया से यह समझ में आता है कि भूत काल के क्रिया चल रहा है, उसे तात्कालिक भुत काल कहते हैं। (জিস্ ক্রিয়া সে ইয়হ্ সমঝ মেঁ আতা হ্যায় কি ভূত কাল কে ক্রিয়া চল্ রহা হ্যায়, উসে তাৎকালিক ভূত কাল কহতে হাঁায়।)—যে ক্রিয়ার দ্বারা এই বোঝা যার যে, ভূত কালের ক্রিয়া চলছে, তাকে তাৎকালিক ভূত কাল বলে। যেমন—.

में खा रहा था। (ग्राँग था तरा था।)—आप्रि शाक्तिनाम।
हम खा रहे थे। (इम् था तर (थ।)—आप्रता थाकिनाम।
উপরোক্ত বাক্য দু'টিতে 'খাওয়া' ক্রিয়াটি চলছে বোঝা যাচেছ, এজনা একে

তাৎকালিক ভূত কাল বলা হয়।

তাৎকালিক ভূত কালে ক্রিয়ার সঙ্গে পুংলিঙ্গ একবচনে খা। (থা) ও বছবচনে খা '(থে) যুক্ত করে এবং সাহায্যকারী ক্রিয়ার সঙ্গে 'हा। '(রহা) 'स्हे', (রহে) যুক্ত করতে হয়।

স্ত্রীলিঙ্গ একবচনে সাহায্যকারী ক্রিয়ার সঙ্গে ई' (ঈ) ও धी' (খী), ও বহুবচনে সাহায্যকারী ক্রিয়ার সঙ্গে ई' (ঈ) ও धीँ (খী) যুক্ত করে তাংকালিক ভূত কাল করা হয়। 'যেমন—

में खा रही थी। (भाँग या तरी थी।)—आभि याष्ट्रिलाम। हम खा रही थीं। (रम् या तरी थीं।)—आभता थाष्ट्रिलाम।

हेतु हेतुमद भूत काल (द्रश्रू द्रश्रूभण पृष्ठ कान)

जिस भूत काल में एक क्रिया का होना दूसरी क्रिया अवलम्बित हो, उसे हेतु हेतुमद भूत काल कहते हैं। (क्रिन् कृष्ठे काल ग्राँ এক ক্রিয়া का হোনা দূসরী ক্রিয়া অবলম্বিত হো, উসে হেতু হেতুমদ ভূত কাল কহতে হাঁায়।)—যে সমস্ত ভূত কালের ক্রিয়া সম্পন্ন হবার জন্য অপর ক্রিয়ার উপর নির্ভর করে, তাকে হেতু হেতুমদ ভূত কাল বলে। যেমন—

यदि में खेलंता । (ইয়দি गाँয় খেল্তা।)—यमि আমি খেলতাম।
यदि हम खेलते । (ইয়দি হম্ খেল্তে।)—यमि আমরা খেলতাম।
श्वीलিঙ্গে এই ক্রিয়ার রূপ হয় নিম্নরূপ—

यदि में खेलती । (ইয়দি भाँग्र (थन्छी।)—यि णामि (थनणम। यदि हम खेलती । (ইয়দি হম্ (थन्छी।)—यि णामता (थनणम।

উপরোক্ত বাক্যগুলিতে ক্রিয়া সম্পূর্ণ হয় নাই অন্য কোনও ক্রিয়ার অপেক্ষায় আছে। সেজন্য একে হেতু হেতুমদ ভূত কাল বলে। বাক্যগুলি লক্ষ্য করলে দেখা যাবে এই ক্রিয়ার পুংলিঙ্গ একবচনে ক্রিয়ার সঙ্গে 'গা' (আ) এবং বছবচনে দ্' (এ) যুক্ত হয়েছে। আবার খ্রীলিঙ্গ একবচনে দী' (তী) ও বছবচনে নী (তী)—যুক্ত হয়েছে।

सामान्य भूत काल (त्रायाना ज्र काल)

পুংলিঙ্গ একবচনে—मैं, तु, तुम वह, आप, उसने एक सेब खाया । (भाँग्र, जू, जूम, उग्नर, আপ, উস্নে এক সেব খায়া।)—আমি, जूरे, जूमि, সে আপনি, সে একটি আপেল খেয়েছি বা খেয়েছে।

भूश्निष्ठ वहवहत्त—हम, तु सब, तुमलोग, आपलोग, वे, बहूत, सेबों खाये (इम् जू भव, जूमलाग, जाপलाग, ওয়ে, वहज সেবোঁ খায়ে।)—আমরা, তোরা, তোমরা, আপনারা, তারা অনেক আপেল খেয়েছি বা খোয়ছে।

ন্ধীলিঙ্গ একবচনে—मैं तु, तुम, वह, आप, उसने एक सेव वायी। (गाँग्र, তু, তুম, ওয়হ, আপ, উস্নে এক সেব খায়ী।)—আমি, তুই, ভূমি, সে, আপনি, সে একটি আপেল খেয়েছে বা খেয়েছি।

দ্বীলিল বহৰচনে—हम, तु सब, तुमलोग, आपलोग, वे बहूत सेबो खाया है। (হম, তু সব, তুমলোগ, আপলোগ, ওয়ে বহুত সেবোঁ খায়া হ্যায়।)— আমরা, তোরা, তোমরা, আপনারা, তারা অনেক আপেল খেয়েছে বা খেয়েছি।

आसल भूत काल (धात्रज्ञ ভृष काल)

পুংলিঙ্গ একবচনে—में, तु, तुम वह, आप, उसने एक खाया है।
(ম্যায়, তু, তুম, ওয়হ, আপ, উস্নে এক ফল খায়া হ্যায়।)—আমি, তুই, তুমি,
সে আপনি, সে একটি ফল খেয়েছে।

श्री क्र वहवहति हम, तु सब, तुमलोग, आपलोग, वे, बहूत फलों खाये हैं। (इम, जू प्रव, जूमलोग, आश्रामान, उराय, वहार करलों श्राय हाय।) — आमता, जाता, जाता, जाता, जाता आश्रामान, जाता क्राय क्र व्याय वा त्थराहि।

ही । (ग्राँग, जू, जूम, अगर, जान, उसने एक फल खायी

তুমি, সে, আপনি, সে একটি ফল খেয়েছে বা খেয়েছি।

श्रीमिश्र वश्विकत्म हम, तु सब, तुमलोग, आपलोग, वे बहुत फली खाया है। (२६, जू भव, जूमलोग, आभलोग, उद्धा वश्च कर्लो थाए। जारा।)— आमता, जाता, जाता, जाता, जाता जातक कल थिद्धाह वो खाराहि।

पूर्ण भुत काल (श्र्व छ्छ कान)

भूश्लिष्ठ এकवहरू में, तु, तुम, वह, आप, उसने एक फल खादा था। (भाँग्न, जू, जूम, उग्नर, जान, উস্টো এক ফল খায়া था।)—जामि, जूरे,

তুমি, সে, আপনি, সে একটি ফল খেয়েছিল বা খেয়েছি।

প্রীলিঙ্গ একবচনে—में, तु, तुम, वह, आप, उसने एक फल खार्या थी । (মাঁয়, তু, তুম, ওয়হ, আপ, উস্নে এক ফল খায়ী থী।)—আমি, তুই,

তুমি, সে, আপনি, সে একটি ফল খেয়েছি বা খেয়েছিলাম।

श्वीलिश्र वरविष्ठति—हम, तु सब, तुमलोग, आपलोग, वे बहूत फलों खायी थीं। (२म, जू मव, जूमलोग, जान्नाग, उत्त वरूठ कलों थायी श्री।)— जामता, जाता, जानाता, जानाता, जाता जत्नक कल थिता विष्ठिताम।

सन्दिग्ध भूत काल (अनिश्व कृष्ठ कान)

भूश्लिश्र এकवरन—मैने, तुने, तुमने, वह, आप, उसने एक फल खाया होगा । (भाँग्राल, जूल, जूग्ल, अग्रद, जान्न, উम्ल এक कल थागा (रागा।)—जािंग, जूडे, जूंगि, त्म, जानिन, जिनि এकि कल रग्रता (यसिंह ना (यसिंहन।

शूरिनिक वहराज—हम, तु सब, तुमलोग, आपलोग, वे बहुत फलो खाये होंगे । (इम्, जू त्रव, जूमलोग, जाशलाग, उद्या वहु करलो थादा द्रारम।) — जामता, राजाता, राजाता, जाशनाता, जाता जरनक कल इसराज राद्याहिल वा राद्याहिलाम।

वीनिन धकवहन-मैने, तुने, तुमने, बह, आप, उसने एक फल

ব্রাথী होगी। (মাঁয়নে, তুনে, তুম্নে, ওয়হ, আপ, উস্নে এক ফল খায়ী গ্রোণী।) —আমি, তুই, তুমি, সে, আপনি, তিনি একটি ফল হয়তো খেয়েছিল বা খেয়েছিলাম।

ন্ত্রীলিঙ্গ বহবচন—हम, तु सब, तुमलोग, आपलोग, वे बहूत फलों खायी होगी। (হুম, তু সব, তুমলোগ, আপলোগ, ওয়ে বহুত ফলোঁ খায়ী হোগী।) —আমরা, তোরা, তোমরা, আপনারা, তারা অনেক ফল হয়তো খেয়েছিল বা খেয়েছিলাম।

सम्भाव्य भूत काल (जडावा पृष कान)

भूशनिक्र এक तहन मीं, तु, तुमने, वह, आप, उसने एक फल खाया हो । (ग्राँग्र, जू, जूम्ल, ७१६, जान, छम्ल এक कल थाग्रा हो।)—आमि, जूरे,

তুমি, সে, আপনি, সে একটি ফল খেয়েছি বা খেয়েছ।

প্रिलिश वर्ष्यक्र हम, तु सब, तुमलोग, आपलोग, वे बहूत फलों खाये हो । (रुप्, जू भव, जूपलाग, जाभलाग, उत्य वर्ष्ण करलाँ थात्र हो।)—जापता, जाता, जापता, जाभनाता, जाता जातक कल त्थराष्ट्रि वा त्याह।

দ্বীলিন্স একবচন—मैं, तु, तुमने, वह, आप, उसने एक फल खायी हो। (মাঁয়, তু, তুম্নে, ওয়হু, আপ, উস্নে এক ফল খায়ী হো।)—আমি, তুই,

তুমি, সে, আপনি, সে একটি ফল খয়েছি বা খেয়েছ।

वीनिष्ठ वर्ष्यक्त हम, तु सब, तुमलोग, आपलोग, वे बहूत फलों खायी हो । (इम्, जू त्रव, जूमलोग, जाशलाग, उत्य वरूठ फलों थायी हा।)—जामना, जाना, जाना, जाना, जाना ज्ञान कल थायाहि वा व्यवहा

# सम्भाव्य पूर्ण भूत काल (प्रष्ठावा भूर्व छ्छ कान)

পুংলিঙ্গ একবচন—मैं, तु, तुम, आप, उसने एक फल खाया होगा । (भौग्र, जू, जूम, जान, উস্নে ফল খায়া হোগা।)—আমি, जूरे, जूमि, जानिन, সে একটি ফল খেয়েছি বা খেয়েছ।

भूश्लित्र वहवठन-हम, तु सब, तुमलोग, आपलोग, वे बहुत फलों खाया होगा । (रुग, जू त्रव, जूगलांग, जागलांग, उस वहु करलों थारा (गुणा।)—जागता, (जाता, जाता, जानाता, जाता जातक कल (थराहि वा (थराहि।

बिलिश এकवान में, तु, तुम, आप, उसने एक फल खायी

होगी। (भाँग, जू, ज्य, जान, उन्तर कन थाती (शनी।)—जावि, जूरे, जूबि,

আপনি, সে একটি ফল খেরেছি না খেয়েছে।

श्वीनिष्ठ वर्ष्वं न्या तु सब, तुमलोग, आपलोग, वे बहूत फलों खायी होगी। (इ.म. जू नव, जूमलोग, बांशलांग, उर्ध वर्ष्ण कर्लों थाय्री (श्वी।)—बामता (जाता, जाता, जालांग, जाता जातक कल थाराहि वा स्वाराह।

सम्भाता भविष्यत (त्रष्ठाता छर्धास्ट्रेंड)

में चलुँ । (भाग हर्ने।) आधि हलता। हम चले । (२म् हला) — आमता हलता।

तुम चलो । (जून कला?)—जूनि कि कलात? वह चला । (अन्न कला?)— भ कि कलात? तु चल । (जू कल्?)—जूरे कि कलिं।

पाठ-९ (भार्व-%)

क्रिया विशेषण (क्रिया धियानक्)— क्रिया विशेषण जो पद क्रिया की विशेषता बताता है, उसे क्रिया विशेषण कहते हैं। (जा अप क्रिया की धियानक्ठा वंडांटा शाय, डिस क्रिया क्या धियानक्ठा वंडांटा शाय, डिस क्रिया धियानक्ठा वंडांटा शाय, डिस क्रिया धियानक्ठा वंडांटा शाय।)— य ध्याय वा अप क्रिया वित्यक्ठा खानन करत, जारक क्रिया वित्यक्ष वर्तन।

श्याम जल्दी आता है। (भाग जल्मी णाण दाय।)—गांग जांजांजांजि

वादम।

सीता हमेशा आती है। (त्रीठा रूपमा व्याठी शास।) - त्रीठा क्षासर व्याप्त।

উপরের বাক্য দু'টিতে 'जलदी' (জলদী) এবং ছময়া' (হমেশা) শব্দ দুটির ঘারা आता है (আতা হ্যায়) ও জারী है (আতী হ্যায়) ক্রিয়া দুটির বিশেষতা প্রকাশ পাছে। অর্থাৎ শাম কেমন ভাবে আদে— जर्दी (জলদী) ভাড়াতাড়ি। আবার সীতা কেমন ভাবে আলে? ছময়া' (হমেশা)— প্রায়ই। এজন্য একে ক্রিয়ার বিশেষণ বলা হয়।

अन्यय (ध्यव्हेंग्र्)—ध्यवात्र जिस शब्द में विकार नहीं होता, उसे अव्यय कहते हैं । (छिन् শব্দ মেঁ বিকার নহাঁ হোতা, উসে অব্ইয়য়্ কহ্তে হাঁায়)—যে শব্দের কোন পরিবর্তন হয় না, তাকে অব্যয় বলে।

हिन्दी में अव्यय के चार भेद है। (हिनी प्राँ अव्हेंग्र कि ठांत छन शाय।)—हिनीए अवाय ठांति थकात। किंदू तियाकता किया विशावित्वक्ष अवायत मधा गण करता। त्रिंग किंक नय। यह शिक्, अवाय जिन थकात। यथा—१. सम्बन्ध बोधक (प्रश्नक्ष वाधक), २. समुख्य बोधक (प्रभूक्षय वाधक), ३. विस्मयादि बोधक (विश्वयापि वाधक)।

- १. सम्बन्ध बोधक (मन्नक ताधक)—य व्यवाय कानल मंद्र्या वा मर्वनात्मत मन्नक कानल भूषक भरमत बाता ताबाय, जारक मन्नक ताथक व्यवाय वर्ज। यमन—भीतर (छीलत)—छिल्द्रा बाहर (वाइर्)—वाइर्त्रा में (भै)—र्ला पर (भत्)—উभत रेलाजि।
- २. समुन्नय बोधक (সমুচের বোধক)—যে অব্যয় দ্বারা একটি পদ অপর একটি পদকে যুক্ত করে বা পৃথক করে। তকে সমুস্তর বোধক অব্যয় বলে। যেমন— और (অওর)—এবং, আর, ও। লিকিন (লেকিন) কিন্তু, মা (ইয়া)—অথবা, अगर (অগর)—যদি ইত্যাদি।
- ই. बिस्पयादि योधक (বিশয়াদি বোধক)—যে অব্যয় বাক্যের সঙ্গে কোনও সম্বন্ধ না রেখে, শুধুমাত্র—হর্ষ, আনন্দ, শোক প্রভৃতি মনের ভাব প্রকাশ করে, তাকে বিশ্বয়াদি বোধক অব্যয় বলে। যেমন—ओं ছ (ওহু)—ওই, अरे (অরে)—ওরে, अहा (অহা)—আঃ, देखो (দেখো)—দেখ ইভাদি।

#### पाउ-१० (भार्व-३०)

वर्तमान काल के कुछ वाक्य (७॥ इंड्यान काल का कुइ उग्राक्रेश) वर्डमान कालत किछू तामा

क्या तुम हिन्दी पढ़त हो ? (कांश रूप हिनी भएटा दशः)—रूपि कि हिनी भएटा।

हा, में हिन्दी पढ़ता हूं। (शैं, गाँव रिमी अव्छा है।)—हा, जिम रिमी

क्या रखा तुग्हारे घर आती है ? (काशा त्रचा कूप्शती एक आठी शाय?)—त्रचा कि তোমাদের वाफ़ी चाटन? हां, वह कभी कभी आती है। (হাঁ, ওয়হ্ কভী কভী আতী হায়।)—হাঁা, সে কখন কখন আসে।

क्या तुम अब दूकान नहीं जा रही हो ? (क्याया जूम जर् पृकान् नहीं का तरी (रा?)—जूमि कि এখন দোকানে याष्ट्र ना?

नहीं मैं दूकान नहीं जा रही हूं। (नर्री, गाँग पृकान नर्री जा तरी हैं।)—ना, আমি দোকানে याष्ट्रि ना।

क्या तुम्हारे पिता ब्यापारी हैं ? (काशा जूम्हाद शिज गाशाती शांश?)— जाभात वावा कि वावभाशी?

नहीं, मेरे पिता सरकारी नौकरी करते हैं । (नहीं, प्राद्ध शिठा महकारी निष्कृती कर्त् शांग्रा)—ना व्यामात शिठा महकारी ठाकती कर्तन।

क्या माताजी ने तुम्हारे पत्र का उत्रर दिया हैं ? (कााशा गाठाकी म जूम्हार भव का उत्रर दिया हैं ? (कााशा गाठाकी म जूम्हार भव का उव्यव मिशा शांश)—गा कि लागात भरवत उच्छत मिशा एक हों, उसने नहीं दिया । (नहीं, उस्ता नहीं मिशा।)—ना, जिन प्रमानि। क्या तुम उसके घर गये थे ? (कााशा जूम उसके घत् भरश थि?)—जूभि कि उपत वाज़ी भिरा हिला?

नहीं, अभी मुझको जाना है। (नहीं, অভী মুঝকো জানা হাায়।) ना, এখনি আমাকে যেতে হবে।

# भूत काल (ज्ङ काल)

क्या तुम कल सबेरे उठा ? (कााग्रा जूम् कल् मदादा छेठा?)—जूमि कि काल मकादल উঠেছিলে?

हाँ, मैं कल सबेरे उठा । (शाँ, भाँग्र कल् সবেরে উঠা।)—হাঁা, আমি

क्या तुमने रोटी और मांस खाया ? (काशा जूम् त तांही छेत मान्म थागा?)—जूमि कि कृष्टि जात मारम थ्यसङ्

हां, मैं रोटी और मांस खाया । (हाँ, गाँग ताणी जाउन मान्ज भागा।)—हाँ।, जाभि किंग जान भाग त्थराहि। क्या तुमने रात को यह कहानी लिखा ? (कााग्रा जूम्पन ताज का

ইয়হ্ কহানী লিখা?)—তুমি কি রাত্রে এই গল্প লিখেছ?

नहीं मैने इसे नहीं लिखा किन्तु मेरे भाई ने लिखा । (नहीं, भायुत देख्न नहीं लिथा किन्न भारत छोने त लिथा।)—ना, আমি लिथिनि किन्न आभात छोटे लिथाए।

क्या तुम कल कलकत्ता गये थे ? (कााग्ना जूम कल कलका गरा (४१)—जूमि कि काल कलका जा शिराहिल १

नहीं मैं श्रीरामपुर गयं थे । (नहीं गाँग्र श्रीतामपूर गरा (थ)—ना जामि श्रीतामपुर निराहिलाम।

क्या कल तुम किताब नहीं पढ़े थे ? (कााग्ना कल जूम किजाव नहीं शिष्ट (१) — जूमि कि काल वहें शिष्टि ।

हां, पढ़ा था, लेकिन एक घन्टा के लिए । (शं, পঢ়া था, লেকিন্ এক্ ঘন্টা কে লিএ।)—হাঁা, পড়েছিলাম, কিন্তু কে ঘন্টার জন্য।

तुम्हारा साथ कीन था ? (जूश्त्राता त्राश् कर्जन था?)— त्जाबात त्रस्त्र

मेरा साथ गीता थी । (भारता সाथ गीठा थी।)— आभार अस्त्र गीठा हिल।

क्या तुम्हारे घर में तुम्हारी माताजी बैठी थी ? (काांशा जूम्हात घत् तम जूम्हात प्रांत जूम्हात प्रांत जूम्हात प्रांत जूम्हात प्रांत प्रा

नहीं मेरी बहन बैठी थी। (नहीं प्राती वरन् उग्नाग्नर्छी थी।)—ना, आभात रवान वरमिल।

क्या तुमलोग इतिहास पढ़ रही हो ? (ক্যায়া তুম্লোগ ইতিহাস পঢ় রহী হো?)—তোমরা কি ইতিহাস পড়ছে?

नहीं हमलोग इंगलिश पढ़ रही थी । (नहीं रम्लांग रेशिलिंग् अर् तरी थी।)—ना, आमवा रेशिलंग अरुष्टिलाम।

क्या तुम सिनेमा नहीं गये थे ? (कााग्ना जूम त्रितमा नहीं नारा (थ?)—जूमि कि निर्मामा योधनि?

नहीं, मैं सिनेमा नहीं गया था । (नहीं गाँर जिल्ला नहीं गरा।)—ना, णामि जिल्ला गाँरिन।

क्या रमेन कल तक नहीं मिला था ? (काारा त्रायन कल् ठक् नहीं जिला था?)—त्रायन कि काल পर्येष्ठ তोगात महिल मिथा करति?

नहीं, रमेन कल तक मूझे नहीं मिला था। (नहीं त्रांन कल् छक् भूत्व नहीं भिला था।)—ना, त्रांन काल अर्थन आभात महन हमा करति।

क्या तुम पढ़ने गया था ? (ক্যায়া তুম পঢ়নে গয়া থা?)—তুমি কি পড়তে গিয়েছিলে?

नहीं, मैं कल पढ़ने नहीं गया । (नहीं, ग्राँग कल् পঢ़रन नहीं ग्रा)—ना, আমি काल পড়তে যাইনি।

भविषत काल (७७ शिष्ठेण काल) छविषा काल क्या तुम जाओगे ? (कारा जूम छाउट १)—जूमि कि याद १ नहीं में यहाँ रहूंगा । (नहीं मारा देश हैं। तक्षा।)—ना, जामि धर्यात शाकरता। क्या तुम कल आओगे । (कारा जूम कल जाउट ११)—जूमि कि काल

আসবে ?-

हाँ, मैं कल आऊंगा । (शँ, गाँग कल् আউঙ্গা।)—शँ, আমি काल আসবো।

क्या तुम कल रात को यहां ठहरोगे ? (ক্যায়া তুম কল্ রাত কো ইয়হাঁ ঠহরোগে?)—তুমি কি কাল রাত্রে এখানে থাকবে?

नहीं, कल मैं लौट जाऊगा । (नहीं, कल् ग्राँय लएए काउँ आ।) ना,

काल जािंच किरत यादा।

क्या कल तुम इस समय गाड़ी में यात्रा कर सकोगे ? (कााग़ कल् जूम् इत्र त्रमग्न गाड़ी भाँ इग्नाजा कत् त्रस्कारण?)—कान कि जूमि এই त्रमग्न गाड़ीराज याजा कतराज शातराव?

नहीं, मैं कल इस समय गिरिडि पहुंच रहा होऊंगा । (নহीं, गाँय केल् ইস্ সময় গিরিড়ি পহঁচ্ রহা হোউংগা।)—না, কাল আমি এই সময় গিরিডি

পৌছে যাবো।

क्या वह जा चुकी होगी ? (कााग़ा उग़र् का ठूकी दानी?)— ७ कि (याट भारत?

नहीं, वह नहीं जा चुकी होगी। (नहीं, ७য়२ नहीं का रूकी छोगी।)—ना, সে যেতে পারবে না।

क्या, चुनाव मार्च तक हो चुके होंगे ? (कााशा ठूना १ प्रांत ठक হো চুকে হোংগে?)—নির্বাচন কি মার্চ মাস নাগাদ হয়ে যাবে?

हां, चुनाव मार्च तक हो चुके होंगे ? (शं, চूनाखर मार्ठ ठक् दश

हूरक (श्रार्भ)—शाँ, निर्वाहन मार्ह नाभाम स्मय इस यारि।

कुछ महत्वपूर्ण सहायक क्रियाएं

(কুছ মহত্ইয়াপ্র্ড্ সহায়ক ক্রিয়াএঁ)—কিছু মহত্বপূর্ণ সহায়ক ক্রিয়া क्या तुम गीटर बजा सकता हो ? (कााग्रा जूम गीउँत वका मक्ज হো?)—তুমি কি গীটার বাজাতে পারো?

हां, मैं गीटेर बजा सकता हूं । (हाँ, गाँग शींपेत वका नकण

एँ।)—হাাঁ, আমি গীটার বাজাতে পারি।

क्या तुम मेरी वाच लौटा सकती हो ? (क्रांशा जूम मित्री अग्राह লওটা সক্তী হো?)—তুমি কি আমার ঘড়ি ফেরৎ দিতে পার?

नहीं, में वे अभी नहीं लौटा सकती । (नहीं, गाँव उता अछी नहीं লওটা সকতী।)—না, সেটা এখনি ফিরিয়ে দিতে পারবো না।

क्या तुम हिन्दी भाषा पढ़ सकती हो ? (काग्रा जूम् हिन्नी ভाषा পঢ় সক্তী হো?)—তুমি কি হিন্দী ভাষা পড়তে পারো?

हां, मैं यह भाषा पढ़ सकती हुं। (शं, ग्राँय रेयर जाया शर जकरी হুঁ।)—হাাঁ, আমি এই ভাষা পড়তে পারি।

क्या में अन्दर आ सकता हूं ? (काशा ग्राँश जन्मत जा नका **एँ** ?)—আমি কি ভেতরে আসতে পারি?

हाँ, आओ । (हाँ, वाला)—हाँ।, बाजा।

क्या तुम यह काम कर सके ? (काह्या जूम रेग़र् काम कर সকে ?) — তুমি কি এই কাজ করতে পারবে ?

नहीं, मैं इसे अकेला नहीं कर सका । (नहीं, ग्राह्म इंट्रन जरकना नहीं কর্ সকা।)—না, আমি একে একলা করতে পারবো না।

क्या वह समय पर तुम्हारी मदद कर सकी ? (कााया अय़र् अभ्य পর তুম্হারী মদদ কর্ সকী?)—ঐ সময়ে কি তোমার সাহায্য করতে পারি?

हां, वह समय पर मेरी मदद कर सकी । (टाँ, ७ प्रव् अप्र अप्र अप्र प्राप्ती प्रमा कर् अकी।)—टाँ, अ अप्र आपाय आराय कर्वा कर्वा ।

गायद (भारेशम्), अवश्य (अ७्ग्रम्रिग्र)

रतन ने शायद उसको सहायता की हो ? (রতন নে শাইয়দ্ উস্কো সহায়তা কী হো?)—সম্ভবতঃ রতন তাকে সাহায্য করেছে।

शायद रमेश यहां आया होगा । (भारेंग्रम् तत्म रेग्नर्शं षाग्ना

ছোগা।)—সম্ভবতঃ রমেশ এখানে আসতে পারে।

मुझे रानीगंज अवश्य जाना चाहिए । (भूतः तानीगः अध्यार्रेय

জানা চাহিএ।)—আমাকে অবশ্যই রাণীগঞ্জ যেতে হবে।

मुझे शामतक घर अवश्य पहूंच जाना चाहिए । (মুঝে শাম্তক্ ঘর অও্য়ইশ্য় পহঁচ জানা চাহিএ।)—আমাকে সন্ধ্যা নাগাদ অবশা ঘরে পৌঁছে যেতে হবে।

आज्ञा और प्रार्थना के वाक्य (আদেশ ও প্রার্থনা বাক্য)
गाड़ी धीरे चलाओ । (গাড़ी धीर्त চলাও।)—গাড়ী আন্তে চালাও।
आपना काम करो । (আপ্না কাম করো।)—নিজের কাজ কর।
मूझे काम करने दो । (মুঝে কাম করনে দো।)—আমাকে কাজ করতে
দাও।

सोच समझकर बोलो । (সোচ্ সমবাকর্ বোলো।)—বুঝে চিন্তা করে বল।

हमें जाने दीजिए । (श्रा कात मिकिय।)—आभारात याक माछ।
कल जरुर आना । (कल करूत आना।)—काल अवगारे आभारत।
कभी मत भूलो । (कछी भक् छूला।)—कथनछ छूला ना।
जरा ठहरिए । (कता ठश्तिय।)—यकरू थाभून।

जरा उन्हें जगाइए। (जता उन्हें जगाइंध।)—उनात वक्रू जाना।
मूझे जाने की इंजाजत दीजिए। (भूख जात की रेंजांजठ
मीजिंध।)—आभात यावांत अनुभिंछ करून।

जैसी आपकी मर्जी । (জায়সী আপকী মর্জী।)—যেমন আপনার অভিক্রচি (ইক্সা)। जरा और बैठिए । (জরা অওর ব্যায়ঠিএ।)—আনও একটু বসুন।
असली बात पर आओ, इधर-उधर की बातें छोड़ो । (অসুনী
বাত্পর্ আও, ইধর-উদর কী বাতেঁ ছোড়ো।)—আসল কথায় এসো। আজে
বাজে কথা ছাড়ো।

मेरे पीछे आओ । (মেরে পীছে আও।)—আমার পিছনে এসো। जगह खाली करो । (জগহ্ খালী করো।)—জায়গা খালি কর।

क्या, कौन, कैसे का प्रयोग (कााग्रा, कउन, कााग्रत्न का श्रायां)—कि, कि, किक्तत्भव श्रायां

तुम क्या चाहते हो ? (जूम् काग्रा চार्ट दा?)—जूमि कि চाইছো? तुम क्या पढ़ते हो ? (जूम् काग्रा शृंट दा?)—जूमि कि शृंट्रा? तुम्हारा नाम क्या है ? (जूम्हाता नाम काग्रा छाग्न?)— তোমার नाम कि?

तुम्हारे पिताजी क्या काम करते हैं ? (जूम्हाद शिजाबी कााग़ा काम करतं हाँ। राज्या शिजाबी कााग़ा काम करतं हैं ।

तुम इन दिनों क्या कर रहे हो ? (जूम् उन् पित्नाँ काग्ना कर् तरर रश?)—जूमि अपिन (उपानीः) कि कत्रहा?

तुमने कलकत्ता में क्या देखा है ? (जूमत कलकखा प्राँ काशा प्रथा शाय?)—जूमि कलकाजाय कि प्रायह?

माध्यमिक परीक्षा देकर तुम क्या करोगे ? (प्राध्यक्षिक भरीक्षा एकंत् जूप कारा करतारा?)—प्राध्यिक भरीका जिस जूपि कि कतरव?

आप कौन हैं ? (जान कउन शांप्र?)—जानि कि?

मेला में कौन जाएगा (प्रांता प्रांत कउन् कांधगा?)—प्रांता कि शादि? इस काम को कौन कर सकता है ? (इंस् काम् कां कउन् कृत् सक्वा शाय?)—এই कांकिंग कि कृत्रक शांत्रदि?

इस दूकान का मालिक कौन है ? (इस प्कान का मालिक कछन् शाय?)—এই দোকানের মালিক কে?

वह दफ्तर कैसे जाता है ? (७,३३ परावत् क्राइ ज जाग इँ सः?) विनि

आपके लड़का कैसे है ? (আপ্কে नफ़्का का। ग्रायः) — धार्यना व इल क्यन আছে?

कानपुर में आपका खास्थ कैसा था ? (कानशृत प्राँ वाश्का मध्याम्थ

কায়সা থা?)—কানপুরে আপনার স্বাস্থ্য কেমন ছিল?

तुम मेदिनीपुर शहर में कैसे गये ? (তুম্ মেদিনীপুর শহর মেঁ ক্যায়সে

वहाँ से तुम कैसे लौटे ? (७ ग्रश्ं म जूम् काग्रस न ७ रहे?)—स्मिथान थरक जूमि कि ভाবে फित्रल ?

# पाठ—११ (शाठ—>>) कुछ वास्य रचना (कूছ उग्नाक्रेग्न तठना) किছू वाका तठना कौन-सा, कब, कहाँ, क्यों-का प्रयोग

तुम कौन-सा खाना पसंद करता है ? (তুম্ কওন্-সা খানা পসল করতা খ্যায়?)—তুমি কি রকম খাদ্য পছদ কর?

तुम कौन-सा किताब पढ़ रहे हो ? (जूम् क७न्-मा किजाव भए तरह राः)—जूमि कि तकम वर भए रहाः?

तुम्हारी मन पसंद अंगुठी कौन-सी थी ? (তুম্হারী মন পসন্দ অঙ্গুঠী কওন্-সী থীং)—তোমার মন পছন্দ আংটি কি রকম ছিলং

तुम कल कौन-सी फिल्म देखोगे ? (जूब कल् कछन्-त्री किन्च फ्रांट्यारागः)
— जूबि कान कि तकब किन्च फ्रांटरः

#### कव (कर्) कथन

तुम अपना पाठ कब दोहराते हो ? (তুম্ আপনা পাঠ কব্ দোহরাতে হো?)—তুমি নিজের পড়া কখন অভ্যাস কর?

নুদ शिलगुड़ी कब जा रहे हो ? (তুম্ শিলগুড়ী কব্ জা রহে হো? — তুমি শিলিগুড়ি কবে যাচ্ছো? तुम मेरे साथ कब मिलोगे ? (जूम् म्याद नाथ् कव् भिलाश)—जूमि आभात मान करा प्रभा कराव ?

तुम्हारा काम कब समाप्त होगा ? (जूग्शता काम कव् त्रमार्थ शागा?)
— তোমার কাজ কবে শেষ হবে?

## कहाँ (कराँ)—त्वाधार

तुम कहाँ काम करते हो ? (जूम् कशँ काम कत्रटा दा?)—जूमि काथाय काफ करता?

में हां कां बैंक में काम करता हूं। (गाँग शः काः दिश्क याँ काम करता हूं।)—आभि शः कः वाहिक कांक कित।

आप वाच कहाँ से खरीदते है ? (আপ ध्याह कराँ সে धरीम्ट शायः)
—— आপनि घड़ि काथा थ्यक करनः

मैं वाच ओमेगा कम्पनी चौरंगी कलकत्ता से खरीदता हूं। (ग्राँग ওয়াচ্ ওমেগা কম্পনী চও্রংগী কলকতা সে খরীদতা হঁ।)—আমি ঘড়ি ওমেগা কোম্পানী চৌরঙ্গী কলকাতা থেকে খরিদ করি।

आपको रिहायृत कहाँ है ? (আপকো রিহায়ত কহাঁ হাায়?)—আপনার নিবাস কোথায়?

मेरा निवास ग्रे स्ट्रीट कलकत्ते में है। (यता निष्यान् छ द्वीर्घ कलकरा सँ शास।)—आसात निवान छा द्वीर कलकाजास।

आप कितासें कहाँ से खरीदते हैं ? (धार्श किंजादें कराँ त्र धरीम्र हाग्र १)—धार्शन वर्षेक्ष काथा श्वरक करने १

में पुस्तकें अक्षय लाइब्ररी, महात्मा गांधी रोड, कलकत्ता से खरीदता हूं। (ग्राँग शृष्ठ(कं व्यक्ष लारेद्वती, मराचा गांकी ताफ, कलकखा मि चतीमठा है।)—व्यामि मन वरे व्यक्ष लारेद्वती, मराचा गांकी ताफ, कलकाठा थितक चित्रम कति।

तुम स्वपन से कब मिले ? (जूम मध्यन् त्म कव् मिला?)—जूमि अथरानत माम कवि प्रथा कविष्टा

में उससे पिछले रविवार को मिला था, जब वह धानवाद आया था। (माँग्र উস্সে পিছ্লে রও্য়িওয়ার কো মিলা থা, জব্ ওয়হ্ ধানওয়াদ আয়া গ্রা) আমি তার সঙ্গে গত রবিবার দেখা করেছিলাম, যখন সে ধানবাদ এসেছিল। अब तुम कहाँ जाओगे ? (অব্ তুম্ কহাঁ জাওগে?)—এখন তুমি কোথায় খাবে?

मेन अपना घर लौटूंगा । (गाँग्रात जाश्ना घत नाउँ एशा।)—जाभि निष्कत

ঘরে ফিববো।

#### क्यों (किँड)-कन

आप हररोज दूध क्यों पीते है ? (जान रैं त्रांक् पृथ किँ नीए

হাায় ?)—আপনি দুধ প্রতিদিন কেন পান করেন ?

मैं आपना स्वास्थ्य ठिक रखने के लिए हररोज दूध पीता हूं (गाँउ আপ্না সত্য়াসথ্ইয় ঠিক রখনে কে লিএ হররোজ দৃধ্ পীতা ছঁ।)—আমি নিজের স্বাস্থ্য ঠিক রাখার জন্য প্রতিদিন দৃধ পান করি।

आप यहाँ क्यों वैठा है ? (আপ ইয়হাঁ किँछ उग्नाग्र्म शाय ?)—আপনি

এখানে কেন বসে আছেন?

भे अमल के साथ मूलाकात करने के लिए यहाँ वैठा है। (ग्राँग व्यान कि नाथ मूलाकाठ् कत्न कि लिख ইয়হাँ ওয়্যায়্ঠা হাায়?)—আমি অমলের সঙ্গে দেখা করার জন্য এখানে বসে আছি।

तुमने आपना पिताजी को पत्र क्यों नहीं लिखा ? (जूमत आश्ना शिजाकी का श्रव किँछ नहीं लिथा?)—जूमि आश्नात वावाक श्रव किन लिथानिश क्यों कि मुझे समय नहीं मिला । (किँछ कि मूत्र त्रमम नहीं मिला।)—कात्र आमात (आमि) त्रमम शोहिन।

#### पाठ-१२ (शाठ->२)

विविध वाक्य (७ शिविथ ७ शाक्टेश) विविध वाका क्या मुखर्जी अन्दर है ? (कााशा भूथर्जी अन्पत शास?)—भूथार्जी कि जिल्दा आह्नि?

क्या आज छुट्टी हैं ? (काय़ा बाज बूएँगे शाय़?)—बाज कि बूपि?

क्या मामला है ? (क्राग्ना ग्राग्नश)—कि वाशात शर्मण कहा गया ? (त्राय कराँ ग्राश)—त्राय काथात शिष्टश कैसे तकलीफ की ? (क्राग्ना क्वीक् कीश)—कि कर्छ कर्ना क्या आपको राय है ? (क्राग्ना आश्रका तात्र श्राप्तश)—आश्रकात प्रणाल किश

आपको मुझसे कुछ काम है ? (वाश्तका भूक्त्र कूड् काम शांग्र?)

আপনার সঙ্গে আমার কিছু কাজ আছে কি?

को न आ रहा है (क७्न चा तरा शाय?)— तक वामा १

यह किसका टेलीफोन नंबर है ? (इग्नर् किन्का टॅलीकान नःक

तुमने पढ़ना क्यों छोड़ दिया ? (जूम्ल भएना किंडे ছाড़ मिशा १)—

তুমি লেখাপড়া কেন ছেড়ে দিলে?

एक काम करोगे ? (এक काम करताला?)—এकটা काज क्रव्या अाप क्या ढूंढ़ रहे हैं ? (আপ काता हुँ इत्र्र शांग्र?)—आपनि कि शूँ जाइन ?

आपकी बन्ने कैसे हैं ? (णानकी क्छ कायर शायर) — णाननात ছ्ला

কেমন আছে?

आपने मेरे कामिज कहां रखे हैं ? (আপ্নে মেরে কামিজ কহাঁ রখে হাঁায় ?)— আপনি আমার জামা কোথায় রেখেছেন ?

वहाँ सबसे बड़ा दूकान कौन-सी है ? (७ यूर्ं अव्स्न वड़ा पूकान

কওন্-সী হ্যায় ?)—সেখানে সব চেয়ে বড় দোকান কোনটি?

तुम जाओगे नहीं ? (जूम जाउरण नहीं ?)—जूमि यादा ना ?

उसके पास टिकट हैं ? (উসকে পাস টিকট হ্যায়?)—जात काट्र টिकिট আছে?

क्या समाचार है ? (क्यांशा नमाठात शांश?)—िक नश्वाप?
आप हमारे यहां कब आएंगे (আপ श्माद्ध रेश्शं कव् आध्रांश?)—
আপনি আমার এখানে কবে আসবেন?

मेरे लिए एक टैक्सी बुला लाओं। (यादा निव वक छंक्त्री वृती

লাও।)—আমার জন্য একট ট্যাক্সী ডেকে আনো।

स्टेशन से गाड़ी कब छुटेगी ? (ट्रॉगन ट्र गाड़ी कव् इ्ट्रॉगी?)—ट्रॉगन (थ्रंक गाड़ी कथन ছाড़रव?

आप रामसे कब मिलेंगे ? (जान् तामरा कव् मिलामः?)—जानि तामत

हरि आपसे कब मिलेंगे? (इति वाश्राम कर् भिलाकः?)—इति वाश्रमात माम करत प्रथा कत्रतः?

आप जैसा है, में वैसा हैं। (আপ্ জ্যায়সা হ্যায়, মাঁয় ওয়্যায়সা হাঁয়।)—আপনি যেমন, আমিও তেমনি।

कितना वक्त लगेगा ? (কিত্না ওয়ক্ত লগেগাং) কতখানি সময় লাগবেং

यह सड़क क्यों बंद है ? (इंग्रड् मड़क किंडे वन्न् शाय?)—এই রাস্তা বন্ধ কেন?

# पाठ—१३ (পाঠ—১৩) न-कारात्मक वाक्य (न-काताञ्चक वाका)

में नहीं देखा । (ग्रँग नर्शै (प्रथा।)—आभि (प्रथिनि।

मै कुछ नहीं जानता । (ग्रँग कूछ नर्शै जानजा।)—आभि किछूरे जानि ना।

वह खीर बनाना नहीं जानती । (७ग्नर् थीत वनाना नर्शै जानजी।)—

(प्र शायत्र लिजी कत्रल जान ना।

आज जाड़ा नहीं है। (আজ জাড়া নহীঁ হাায়।)—আজ শীত নেই।

मैं कुछ नहीं पूछता। (भाँय कूছ নহীঁ পূছতা।)—আমি কিছুই জিজ্ঞাসা

করি নি।

आपने यह समाचार नहीं सुना ? (আপ্নে ইয়হ্ সমাচার নহীঁ সুনা ?)
—আপনি এই সংবাদ শোনেননি ?

आज गीता वापस नहीं जायेंगी । (আজ গীতা ওয়াপস্ নহীঁ জায়েংগী।)
—আজ গীতা ফিরে যাবে না।

वह घर में नहीं था। (७ ग़र् घत्याँ नहीं था।) — त्न घत्र ছिल ना।

कक्षा में अध्यापिका नहीं थी । (কক্ষা মেঁ অধ্ইয়াপিকা নহীঁ খী।)—ক্লাসে শিক্ষয়িত্ৰী ছিলেন না।

कल वह ट्रेन पकड़ने नहीं सका । (कन् ७ग़र् द्विन १४ कर्ज़ नरीं

সকা।)—কাল তিনি ট্রেন ধরতে পারেননি।

आज हम नास्ता नहीं किया है। (আজ হম্ नाস্তা नहीं किया शाय।)
—আজ আমরা জলযোগ করিনি।

उसके लड़की नहीं थी। (छन्त लड़की नहीं थी।)—जात त्यात हिल ना।
में दिल्ली नहीं गया। (गाँग पिन्नी नहीं गया।)—आभि पिन्नी याँदैन।
में पत्र नहीं लिखा। (गाँग अब नहीं लिथा।)—आभि अब लिथिन।
घबराओ नहीं, पिताजी नाराज नहीं होंगे। (घर्ता७ नहीं, अिठाड़ी
नाताड़ नहीं (दार्ग।)—छा (अता ना, ताता तात कत्तन ना।

रमा शशुराल नहीं गयी । (तमा मछताल नहीं गयी।)—तमा श्रुखतवाड़ी यायनि।

दामाद कल नहीं आया। (पामाप् कल् नहीं आया।)—कामारे काल आरम नि।

फुफी रविवार को नहीं आयी । (ফুফী রওয়িওয়ার কো নহীঁ আয়ী।)
—-পিসিমা রবিবার দিন আসেননি।

मूझे और कुछ नहीं चाहिए। (মূঝে আওর্ কুছ্ নহীঁ চাহিএ।)—আমার আর কিছু চাই না।

में गुरुवार को समय पर नहीं पहूंच सका । (गाँउ গুরুওয়ার কো সময় পর্ নহীঁ পহঁচ সকা।)—আমি বৃহস্পতিবারে সময় মতো পৌঁছাতে পারিনি। यदि आपने रमा की कहा न होता, तो वह इसे नहीं

याद अ।पन रमा का कहा न हाता, तो वह इसे नहीं जानती। (देशिष वाश्त, व्या की करा न दांणा, তा अग्रर् देश नहीं जान्जी।)
— यि वाश्ति त्यादक ना वलटिंन, जार्ल मि जानटिं शांतरिंग ना।

मेरा कल देरी नहीं होगी। (प्रात्ता कल् (मती नहीं दाशी।)—आभात काल (मती रूप ना।

प्रश्नबाचक न-कारात्मक वाक्य (श्रम्भवाठक न-काताञ्चक वाक्य) आज ज्यादा जाड़ा है, क्या नहीं है ? (आज जाय़ना जाड़ा श्राय, ক্যায়া নহী হাায়)—আজ শীত খুব বেশী—কি নয়?

वे भारतीय है, क्या नहीं है ? (७८३ ভারতীয় হাায়, काशा नहीं शाय १) —जाता ভারতীয়—কি নয় १

तुम खूश नहीं थे, क्या खूश थे ? (जूम शृन् नहीं थि, कााश शृन् (थ?)—जूम शृनी ছिल्ल—कि ছिल्ल ना?

परसों एतवार होगा, क्या नहीं होगा ? (পর্সোঁ এতওয়ার হোগা कााग़ नहीं হোগা?)—পরশু রবিবার হবে, कि হবে না?

मूझको आभि जाना होगा, नहीं होगा क्या ? (पूक्का আভি জाना होगा, नहीं होगा क्या ? (पूक्का আভি জाना होगा, नहीं होगा क्या ? (पूक्का आभि जाना होगा, नहीं होगा क्या ?

कल ३० जनवरी नहीं होगी, होगी क्या ? (कल् ७० जन् अया ही नहीं हांगी, हांगी, हांगी काया?)—काल ७०८म जानुसाती रूत ना—िक रूत?

कल में फुटवाल खेलुंगा, क्या में नहीं खेलुंगा ? (कल् ग्राँग कृष्ठेवाल त्थल्शा, कााग्रा ग्राँग नहीं त्थल्शा?)—आभि कि काल कृष्ठेवल त्थलता—िक त्थलता ना?

तुमने रामचरित मानस पढ़ा है क्या नहीं पढ़ा है ? (তুম্নে রামচরিত মানস পঢ়া হ্যায়, ক্যায়া নহী পঢ়া হ্যায়?)—তুমি রামচরিত মানস পড়েছ—কি পড়নি?

तुमने अपना काम कर चुका था, नहीं कर चुका था क्या ? (जूम्त जाश्र्ना काम कर ठूका था, नहीं कर ठूका था कारा।?)— जूमि निष्कत काल लाव करतिहाल—कि लाव करानि?

तुम मेरे कलम ढूँढ़ा था, नहीं दूढ़ा था क्या ? (जूम प्रांत कल क्ष्म था, नहीं ठूंड़ा था कारा १) जूमि जामात कलम थूँडि छिल कि थाँडिने १

# सर्वनाम प्रयोग (त्रर्वनाय श्राहां)

यह अनिल है । (देग्नर् जनिन शाम।)—ध जनिन।
वह सुनील है । (७ग्नर् मूनीन शाम।)—एम मूनीन।
यह मेरा कलम है । (देग्नर् भिना कलम शाम।)—धि जामन कलम।
वह उसका कापी है । (७ग्नर् উम्का काश्री शाम।)—धि अन थान।
यह एक लड़का है । (देग्नर् अक नफ़का शाम।)—धि अकि वानक।

वह एक लड़की है । (७ ग्रर् वक् लड़की शाग्र।)—एम वकि विनिका। यह एक कटहल है । (इ ग्रर् वक् कर्ट्न शाग्र।)—विध वकि काँठील। वह एक अमरूद है । (७ ग्रर् वक व्यक्त शाग्र।)—७ विवकि (मग्राता। वह गाय है । वह मेरी है । (७ ग्रर् भाग्न शाग्र। ७ ग्रर् व्यक्त शाग्र।)—७ विवकि वाग्रात।

यह एक भैसा है। यह तुम्हारा है। (देश्रट् এक ভ্যায়সা হায়। देशर् তুমহারা হাায়।)—এটি একটি মহিষ। এটি তোমার।

ये मेरा कितावों हैं। ये मेज पर है। (रेख़ भारता किंठाताँ याँय।

ইয়ে মেজ পর্ হ্যায়।)—এগুলি আমার বই। এগুলি টেবিলের ওপর।

भारत हमारा देश है। हम भारतवासी हैं। (ভারত হুমারা দেশ হায়। হম্ ভারতওয়াসী হাাঁয়)—ভারত আমাদের দেশ। আমরা ভারতবাসী।

रमा और श्यामा बहनें हैं । उनकी पिताजी शिक्षक हैं। (त्रमा ७७त गामा वहतें शाम। উनकी शिठाजी निक्षक शाम। — त्रमा ७ गामा वान श्रा। ७ एतत वावा निक्षक।

वह कौन है ?---वह आपका भाई है। (ওয়হ্ কও্ন হ্যায় ?--ওয়হ্ আপকা ভাঈ হ্যায়।)--ওটি কে?--ওটি তোমার ভাই।

वे क्या है?--वे कापियाँ है। (७८३ काया शाय १—७८३ कानियाँ शाय) —७७६नि कि?—७७नि थाज।

जो कोई सबसे अच्छा रहेगा, उसे पुरस्कार मिलेगा। (জा कांक्रे भवत्न षाष्ट्रा तद्दशा, উप्न পूत्रश्चात भिल्लिशा।)—य किউ भवक्रया ভाला थाकरा, मिलेशात भारा।

ये दूकानें उनकी हैं। (इस प्कार्त छन्की शाय।)—এই দোকाনগুলি

यह दाच मेरा है। (इंग्रड् ७ ग्रांठ (भ्रत्रां शायः।)—এই तिष्ठ ७ ग्रांव । वह एक संतरा है। (७ ग्रड् ७ क मन्ज्ता शायः।)—७ है । कि एक संतरा है। (३ ग्रड् ७ व्या प्राप्ताः)—अह तरा सेब है। (३ ग्रड् १ व्या प्राप्ताः)—अह त्वा शायः।)—अह तरा सेब है।

वह हमारा पालतु सुग्गा है। (७ यर् र्याता शालजू সृग्गा शाय।)— ७ जि जामाप्तत (शाया जियाशायी।

यह आपका कमरा है। (रेग्नर् वाश्रका कमता शाय) ।— विष वाश्रनात कका।

वह आपलोगोंका मकानों है। (७ य़ च्यानलागोंका मकानों गाँय।)—
७७ नि वाननाएन वाष्ट्री।

## सम्बन्ध बोधक अव्यय का वाक्य भवत (वाधक अवासत वाका

किताब मेज के ऊपर है। (কিতাব্ মেজ কে উপর হাায়।)—-বই টেবিলের উপর।

किताब कुर्सी पर है। (कि जाव कूर्मी श्रत शाय।)—वरे क्रियादात ७ श्रत। वह आदमी कुर्सी पर वैठा हैं। '(७ यह जानभी कूर्मी श्रत ७ याय।)—वे लाकि क्रियादा वट्स जाए।

त्रवाजे पर गुलाबी रंग है। (मत्थ्यार्ज পর্ গুলাবী রং হায়।)— मत्रजात ওপর গোলাপী রং আছে।

माताजी दरवाजे पर खड़ी हैं। (মাতাজী দরওয়াজে পর্ খড়ী হাঁায়।)
—মা দরজায় দাঁড়িয়ে আছেন।

मि: रय अव कमरे में हैं। (भिः त्रा अव् कम्रदा (में श्रांत्र।)—भिः तारा अव्यक्ष प्रात्र आर्ह्य।

सुराही में थोड़ा पानी है। (সুরাহী মেঁ থোড়া পানী হ্যায়।)— কুঁজোতে অন্ন জল আছে।

में सुराही में थोड़ा-सा और पानी डालता हूं। (गाँव मूतारी पाँ थाड़ा-मा चाउन भागी डाल्डा हैं।)—चाभि कूँ एकारा मामाग चात्र छल डालिছ। में आपसे दफ्तर पर मिलुंगा। (गाँव चान् रम मक्डत न्राव भिलुंगा।) —चाभि चान्नाव माम चिल्डा प्राव कत्राव।

दीपा तालाब में स्नान करती है। (मीপा जानाव् (मँ स्नान कराजी शाय।)
—मीপा পুকুরে স্নান করছে।

लोग नदी में तैरता है। (लाग् निम । वाष्याय जाया।)— लाक्खनि निमीट माँजात मिट्टा

आप फर्स पर क्यों नहीं वैठते ? (আপ ফর্স পর্ কিঁউ নহীঁ ওয়ায়েঠ্তে?)—আপনি ফ্রাসে বসেননি কেন?

वाच दराज के अन्दर है। (ওয়াচ দরাজ কে অন্দর হ্যায়।)—রিষ্টওয়াচাট্ট দেরাজের মধ্যে আছে।

समाचार डाक द्वारा भेजा गया । (সমাচার ডাক্ দও্য়ারা ভেজা গয়া।)

—সংবাদ ডাকের সাহায্যে পাঠানো হয়েছে।

नावं पुल के नीचे है। (नाउट्यं भूज क नीट शाय।)—निकार्थन भूजत

रामबाबु कमरा के अन्दर वैठा था। (तामवावू कम्ता क जनत

ওয়্যায়্ঠা থা।) -- রামবাবু ঘরের মধ্যে বসেছিলেন।

अमिताभ छत पर सैर करता था। (অমিতাভ ছত্ পর স্যায়র্ করতা था।)—অমিতাভ ছাদে বেডাচ্ছিল।

इसे बंगला से हिन्दी में अनुवाद की जिए । (रेट्स दश्र्वा स्मि

মেঁ অনুবাদ কীজিএ।)—একে বাংলা থেকে হিন্দীতে অনুবাদ করুন।

हिमाचल प्रदेश उत्तर भारत में है । (হিমাচল প্রদেশ উত্তর ভারত মেঁ হাায়।)—হিমাচল প্রদেশ উত্তর ভারতে অবস্থিত।

मद्राज भारत के दक्षिण की ओर है। (मन्नाज जात्र क नक्तिणूँ की अंत्र शाग्र।)—मानाज जातराज्य पिकिंग पिरक अवश्विण।

वह अपने पिताजी के पास खड़ा हुआ। (७३२ व्याश्वा शिठाकी त

পাস খড়া হআ।)—সে তার বাবার পাশে দাঁড়িয়ে আছে।

रसगुल्ला को गोपाल और नेपाल के बीच बांट दो । (त्रम्७ वा का गोपाल अपन का वीच् वांच्या का वांच्या का

पैसा मेरी जेब में है। (भारता भित्री छात ।)—भरता आमात

পকেটে আছে।

बसें सड़क पर चलती है। (বসেঁ সড়ক পর চল্তী হাায়।)—বাসগুলি রাম্ভার ওপর দিয়ে চলছে।

कुछ परिपूरक वाक्य (कूछ পরিপ্রক ওয়াক্ইয়) कछकछानि পরিপ্রক বাক্য हम अभी स्कुल पहुंचे ही थे कि घंटी बज गई । (হম্ অভী শ্লু প্রছে হী থে কি ঘন্টী বজ গঙ্গ।)—আমরা স্কুলে পৌঁছাতেই ঘন্টা বেজে গেল। जब तक आप तेज न दौड़ेंगे, गाड़ी को नहीं पकड़ सकेंगे। (জব তক্ আপ্ তেজ ন দও্ড়েঙ্গে, গাড়ী কো নহীঁ পক্ড় সকেঙ্গে।)—যতক্ষণ পর্যন্ত আপনি জোরে না দৌড়াচ্ছেন, গাড়ীকে ধরতে পারবেন না।

जैसे ही हम स्टेशन पर पहुंचे गाड़ी चल दी। (জ্যায়সে হী হম্ সেশন পর পহঁচে, গাড়ী চল্ দী।)—যেমনই আমি স্টেশনে পৌঁছালাম, গাড়ী

हन**ा** नागता (ছেড়ে দিन)।

जहाँ तक मुझे याद है, वह कल यहाँ पर था। (জহাঁ তক্ মুঝে ইয়াদ হাায়, ওয়হ্ কল ইয়হাঁ পর থা।) শ্যতদূর পর্যন্ত আমার স্মরণ হয়, সে কাল এখানে ছিল।

वह इतना बीमार है कि बिस्तर से उठ नहीं सकता । (ওয়হ্ ইত্না বীমার হ্যায় কি বিস্তর সে উঠ নহীঁ সক্তা।)—সে এত অসুস্থ যে বিছানা থেকে উঠতে পারে না।

वह इतनी क्रमजोर है कि चल नहीं सकती। (ওয়হ ইত্নী কমজোর হায় कि চল নহী সক্তী।)—তিনি এত দুর্বল যে চলতে পারেন না।

मैं सिर्फ बंगला ही नहीं, हिन्दी भी पढ़ता हूँ । (गाँग निर्फ वरण्ला

হী নহাঁ, হিন্দী ভী পঢ়তা হুঁ।)—আমি শুধু বাংলাই নয়, হিন্দীও পড়ি।

वह अभी घर से निकला ही था कि वारिश शुरु हो गई। (ওয়হ্ অভী ঘর সে নিকলা হী থা কি বারিশ শুরু হো গঈ।)—সে এখনি ঘর থেকে বেরোতেই বর্ষা (বৃষ্টি) শুরু হয়ে গেল।

वह असफल हो जाएगा परन्तु नकल नहीं करेगा । (७३२ अम्बन रा जावना भत्र कल नहीं करतना।)—एम अम्बन रात किन्न करात ना।

मेरे लिए यह दूध बदुत ज्यादा है। (प्रारंत निय रेश्र पृथ वरुष

জ্ইয়াদা হ্যায়।)—আমার পক্ষে এই দুধ খুব বেশী।

जितना ऊँचा चढ़े, उतनी ठंडा बढ़ती जाती है। (জিতনা উচা চঢ়ে, উত্নী ঠন্ডা বঢ়তী জাতী হ্যায়।)—যত উচুতে চড়বে ততই ঠাণা বেড়ে যেতে থাকবে।

यद्यपि वह गरीब है परन्तु ईमानदार है। (इंग्रम्डेग्नि ७ग्नर् गतीव्

হ্যায় পরম্ভ ঈমানদার হ্যায়।)—যদিও সে গরীব কিন্তু সং।

न तपन और न उसका भाई इस पार्क में खेलता है। (न তপ্রন অওর ন উসকা ভাঈ ইস পার্ক মেঁ খেল্তা হ্যায়।)—না তপন আর না তার ভাই এই বাগানে খেলা করে।

समयसूचक कुछ वाक्य সभय़मृठक किं वाका

अब अगस्त उन्नीस सी नब्बे (1990) है। वह अक्तुबर में आएगा। (অব্ অগন্ত উন্নীস মণ্ নওয়ে হাায়। ওয়হ্ অকতুবর মেঁ আএগা।)—এখন আগন্ত উনিশ শো নকাই। তিনি অক্টোবরে আসবেন।

आपको उसका पत्र एक हफ्ता में मिलेगा । (আপকো উস্কা পত্র এক হফ্তা মেঁ মিলেগা।)—তার পত্র আপনি এক সপ্তাহের মধ্যে পাবেন।

तुम कल दो बजे आऔ। (তুম কল্ দো বজে আও।)—তুমি কাল দুটোর সময় এসো।

वह आज दस बजे आये। (ওয়হ্ আজ দস বজে আয়ে।)—সে আজ দশটার সময় এসেছে।

में पूजा के छुट्टी से सिमला जाउंगा। (ग्राँय পূজা কে ছুটী সে সিমলা জাউঙ্গা।)—অমি পূজার ছুটিতে সিমলা যাবো।

वह कल सबेरे उठकर सैर करने गया था । (७%२ कल् मद्यद উঠकत माग्रत कत्न गरा था।)—म काल ভোৱে উঠে বেড়াতে গিয়েছিল।

हम दस मई को कलकत्ता रबाना हुए । (२म् मन् मरे का कलकला तथ्याना रुव।)— जामता ১०१ मा कलकानां तुलना रहाहि।

आप ग्यारह बजे रात को रानीगंज पहुंचेंगे। (আপ্ গ্যায়ারহ বজে রাত কো রাণীগঞ্জ পহঁচেঙ্গে।)—আপনি রাত্রি এগারোটার সময় রাণীগঞ্জ পোঁছারেন।

वह कल यहां एक बजे तक था । (ওয়হ্ কল্ ইয়হাঁ এক্ বজে তক্
থা।)—সে কাল এখানে বেলা একটা পর্যন্ত ছিল।

रमेन हररोज एक घंटा पढ़ते हैं। (तयन इत्ताज এक घरें। পঢ়তে याँग्र।)—तयन थांग्र थक घरें। शर्फ।

वह अभी नहीं आया । (७.११ वर्ण नरीं वारा।)— त्न वर्थन व वार्मि।
भैं अपना काम अगले सोमबार तक समाप्त कर लूंगा । (गाँव वर्षना

কাম্ অগ্লে সোমবার তক্ সমাপ্ত কর্ লুঙ্গা।)—আমি নিজের কাজ আগামী সোমবার নাগাদ শেষ করে ফেলবো।

में उसे शुक्रबार को मिलूंगा। (भाँग छल एक वात का भिन्छा।)—

আমি তার সঙ্গে শুক্রবার দিন দেখা করবো।

वह कल यहाँ रहेगा । (७ য়ঽ कल ইয়হাঁ রহেগা।)—সে কাল এখানে থাকবে।

निलनीबाबु कल से यहाँ रहा है। (निलनीवावू कल् प्र देशदाँ तदा

शाय।) -- निनीवाव काल थिएक विधात আছেन।

मैंने उसे पहले ही लिख दिया है। (गाँग्रत উत्न পर्ल री निथ् पिय़ा शाय।)—আমি তাকে প্রথমেই লিখে দিয়েছিলাম।

वह कल यहाँ आयेगा । (७ य़ इक् इ य़ रा जाया ।)— स्म कान अथात

আসবে।

रमला अभी नहीं आई । (त्रमला অভী नहीं आक्रे।)—त्रमला এখনও আসেনি।

जब हम आया तो मीरा चली गई। (जित् रुम् आया एवा भीता ठली

গঈ।)—যখন আমি এলাম তখন মীরা চলে গেল।

हम आपना काम लगभग तीन घंटों में समाप्त कर लेगा । (श्र् আপ্না কাম লগভগ তীন ঘন্টো মেঁ সমাপ্ত কর্ লেগা।)—আমরা নিজেদের কাজ প্রায় তিন ঘন্টার মধ্যে শেষ করে নেব।

## कुछ विविध वाक्य (कूছ ওয়িওয়িধ ওয়াক্ইয়) किছ विविध শব্দ

लङ्कियाँ विद्यालय में हाजिर थीं । (লড়কিয়াঁ ওয়িদইয়ালয় মেঁ হাজির থাঁ।)—মেয়েরা বিদ্যালয়ে উপস্থিত ছিল।

वह मुझे वहाँ जाने से रोकता है। (७ य़ भूत्व ७ य़ हाँ जात त्म त्राका शाय।)— तम व्याभारक तमथात एएक वाधा पिरुष्ट।

मेरा बात सुनकर उसका बहूत आनन्द हुआ । (प्रता वार् पून्कत् ७म्का वहरू यानम ह्या।)——यामात कथा छत ठात थूव यानम रखिছ। तुम रिसोदारसे व्यवहार करना नहीं जानते । (जूम् तिरङ्गातरम वर्ध्शत कतना नहीं जानरा।)—जूमि वाजीरात मर्म वावशत कतरा जीन ना।

मेरी माताजी मेरी साथ थी। (याती गाठाकी याती नाथ थी।)—आगात

মা আমার সঙ্গে ছিলেন।

नरेश पिताजी के साथ रायगंज गया । (नत्त्रम शिठाकी कि माथ वायगंक गया।)—नत्त्रम वावात मत्म तायगंक गरह।

इस खबर से चंपा बहुत खुश हुई। (इत्र খবর সে চঁপা বহত

খুশ্ ইন্ট।)—এই সংবাদে চাঁপা খুব খুশী হয়েছে।

मैने पुरानी किताब देंकर नई ले ली। (भाग्रत शूरानी किञाद एकत नन्ने ल ली।)—আমি পূরাতন বই দিয়ে নতুন নিয়ে নিয়েছি।

में तुमहारी समाचार सुनकर प्रसन्न हूं। (भाँग তুম্হারী সমাচার। সুনুকর প্রসন্ন হুঁ।)—আমি তোমার সংবাদ শুনে প্রসন্ন হয়েছি।

वह एक कान से वहरा है। (७३२ धक् कान (अ वहता शाय।)—(अ

यह काम के परिणाम स्वरूप झगड़ा होगा । (ইয়হ্ কাম কে পরিড়াঁম সওয়রূপ ঝগড়া হোগা।)—এই কাজের পরিণাম স্বরূপ ঝগড়া হবে।

उसे सफलता का पूरा भरोसा था । (উসে সফলতা का পূরা ভরোসা था।)—তার সাফল্যের উপর সম্পূর্ণ ভরসা ছিল।

क्या आप आपनी सफलता के विषय में निश्चित हैं ? (कााग़ा আপ আপনী সফলতা কে বিষয় মেঁ নিশ্চিত হাাঁয়?)—আপনি কি সফলতা সম্পর্কে নিশ্চিত আছেন?

क्रमेला करना ठिक नहीं है। (यापना कर्ना ठिक नहीं शाय।)—याप्यना करा ठिक नय।

उसे रूपैया का हिसाब देना होगा। (উप्न ज़िशाय्या का रिभाव प्रिना (राजा।)—তাকে টাকার रिभाव पिछा रहि।

कुछ आदमी स्वास्थ की हानि करके रूपया कमाते है। (কুছ্ আদমী সও্য়াস্থ কী হানি করকে রূপ্যায়্য়া কমাতে হাায়।)—কিছু ব্যক্তি স্বাস্থাহানি করে টাকা রোজগার করে।

उसे प्रेसिडेन्सी कालेज में भर्ती किया गया । (উসে প্রেসিডেন্সী কালেজ মেঁ ভর্তী কিয়া গয়া।)—তাকে প্রেসিডেন্সী কলেজে ভর্তি করা হয়েছে।

हमें जीने के लिए काम करना होगा। (হুমেঁ জীনে কে লিএ কাম করনা হোগা)—আমাদের বাঁচার জন্য কাজ করতে হবে।

## पाठ-१४ (পाঠ->৪) कर्तृवाच्य और कर्मवाच्य (कर्ज्ञाहा ७ कर्म्बाहा) कर्तृवाच्य (कर्ज्ञाहा)

वह पढ़ता है । (७য়ঽ পঢ়তা হ্যায়।)—সে পড়ছে।
कृष्ण ने कंस को मारा । (কৃষ্ড নে কন্স কো মারান্)—কৃষ্ণ কংসকে
वধ করেছিলেন।

क्या तुम हिसाब लिख रहे हो ? (क्याशा जूम् शिंगार् निथ् तरह रहा?)

— তুমি कि हिमान निथहां?

मजदूरों ने नहर में काम करते थे। (प्रजमृताँ न नहर प्राँ काम करते थे। (प्रजमृताँ न नहर प्राँ काम करते थे। (प्रजमृताँ न नहर प्राँ काम करते थे।)— खिमकश्र খाल काज करहिन।

क्या तुम खाना खा लिया है ? (ক্যায়া তুম খানা খা লিয়া হ্যায় ?)
—তুমি কি খাবার খেয়ে নিয়েছ?

राम चार रोज विद्यालय में हाजिर नहीं थे । (রাম চার রোজ ওয়িদ্ইয়ালয় মেঁ হাজির নহীঁ থে।)—রাম চারদিন বিদ্যালয়ে উপস্থিত ছিল না।

## कर्मवाच्य (कर्मवाठा)

उससे पढ़ा जाता है। (উস্সে পঢ়া জাতা হাায়।)—তার দ্বারা পড়া হচ্ছে।

कृष्ण द्वारा कंस मारा गया । (कृष् पण्याता कन्न माता गया।)— कृष्णत प्राता करम वध श्राहिल।

क्या तुमसे हिसाब लिखा जा रहा है ? (कााग्ना जूय्स शिमाव निशा

জা রহা হ্যায়?)—তোমার দ্বারা কি হিসাব লিখা হচ্ছে?

मजदूरों द्वारा नहर में काम होता था । (মজদূরোঁ দও্য়ারা নহর মেঁ কাম হোতা থা।)—শ্রমিকদের দারা খালে কাজ হচ্ছিল।

ताजमहल बहुत खर्च करके बनवाया गया था । (তাজমহল বহুত খৰ্চ করকে বনবায়া গয়া থা।)—অনেক খরচ করে তাজমহল তৈরী করা হয়েছিল।

कलकत्ता से कई दैनिक समाचार पत्र प्रकाशित होते हैं। (কলকতা সে কঈ দ্যায়নিক্ সমাচার পত্র প্রকাশিত হোতে হাায়।)—কলকাতা থেকে কয়েকটি সংবাদপত্র প্রকাশিত হয়।

उस पर चोरी का दोष लगाया गया था । (উস্ পর্ চোরী কা দোষ লগায়া গয়া था।)—তার ওপর চুরির দোষারোপ করা হয়েছিল।

वह काम होने दो । (ওয়হ্ কাম হোনে দো।)—ও কাজ হতে দাও।
कहा जाता है कि, स्वामी विवेकानन्द भगवान शिव के अवतार
थे। (কহা জাতা হাায় কি, সও্য়ামী ওয়িওয়েকানন্দ ভণ্ওয়ান শিওয় কে অও্তার
থে।)—বলা হয় স্বামী বিবেকানন্দ ভগবান শিবের অবতার ছিলেন।

आपको आपकी लापरवाही की सजा दी जाएगी। (আপকো আপকী লাপরবাহী কী সজা দী জাএগী।)—আপনাকে আপনার অবহেলার ক্রন্য শান্তি দেওয়া হবে।

## कुछ विविध वास्य (कृष्ट धिरिशिथ धशाक्रेश) किष्टू विविध वाका

यहां के प्राकृतिक दृश्य कितना पुन्दर था । (ইয়হাঁ কা প্রাকৃতিক দৃশ্ইয় কিত্না সুন্দর থা।)—এখানকার প্রাকৃতি ৪ দৃশা কত সুন্দর ছিল।

कोई आदमी इतना अपमान नहीं यह सफता। (কাই আদমী ইত্না অপমান নহী সহ সক্তা।)—কোনও লোক ত অপমান সহা করতে পারে না। रात को कितनी ठन्डा है। (রাত কো কিত্নী ঠন্ডা হাায়।)—রাত্রে কি

हम बड़ा कठिन जीवन व्यतीत करते हैं। (२म् तफ़ा कठिन जी७,यन्

ধ্যতীত করতে হাাঁয়।)—আমরা খুব কঠিন জীবন যাপন করছি।

कलकत्ता हमारे देश के बहुत से नगरों की अपेक्षा बड़ा शहर है। (कलकखा रुपादत जिंग दक दक्ष्ण जिंग नगरता की अप्लिक्षा वड़ा महत्र शांश) —कलकाजा आमार्जन जिंग अदनक महरतन अप्लिका वड़ महन।

कृपया दरवाजा खोलिए । (क्श्रा मङ्ख्याका (थानिक ।)—मया करत मजका थनन।

आप और एक रोटी लेंगे ? (আপ্ অওব্ এক রোটা লেংগেঃ)—আপনি আর একটা রুটি নেবেন?

क्या आप क्यों चुप रहे हो ? (कााज़ा आश् किँछ हुश् तर्र रहा ?)— आश्रीन रकन हुश्र करत आरहन ?

रानेन शैलेन की अपेक्षा बड़ा नहीं। (तालिन गाय्लिन की व्यर्क्स त्रिं।)—तालिन गिलिनित किया विष्ठ नया।

भीम दुर्घोधन से अपेक्षा शक्तिशाली थे। (ভीম पूर्र्हेरायायन् स्म अप्रकृषा मिल्नाली (थ।)—ভीম पूर्वीयत्नत क्रिया मिल्नाली ছिल्लन।

रमला कक्षा में सबसे अच्छी लड़की है। (तमना कक्षा भाँ সर्म् षाष्ट्री लड़की शास।)—तमना खाँगीरा (खाँगीत मर्मा) সবচেয়ে ভान भारत।

बहुत कम भारतीय संत थे जो बिवेकानंद जैसे लोकप्रिय थे। (वहूठ कम् जांत्रठीय प्रख् थ्य क्षा अग्निया कांग्निय लाकिथ्य थ्य।)— जानक जान्न जांत्रठीय प्रज्ञापी हिल्लन यिनि विद्यकान्त्र में में शिविश्व हिल्लन। नेताजी सुभाषचन्द्र लोकप्रिय नेता थे। (निठाकी प्र्जायकेल लाकिथ्य

নেতা থে।)—নেতাজী সূভাষচন্দ্র লোকপ্রিয় নেতা ছিলেন।

हमारा भारतवर्ष सबसे महान देश है। (र्याता जातज्यत्र प्रदान मरान एक शारा।)—आमाएनत जातज्य प्रतिहास मरान एक। मनुष्य नाशवान है। (मनुष्रहेस नामण्यान शारा।)—मानुष मत्रविन।

वह अपने रोज के काम की कभी उपेक्षा नहीं करती। (७ ग्रह् ष्यश्रा त्रांक क काम की कछी छेश्यक्षा नहीं कड़िछ।)— स्म निष्कंड त्रांक्वड़ (थ्रिडिमित्नड़) काक्रक कथने ७ ष्यद्श्मा क्दा ना।

पोलिश आनेका पहले ही चोर भाग गया। (लालिंग जातका পरल

হী চোর ভাগ্ গয়া।)—পুলিশ আসার আগেই চোর পালিয়েছিল।

में स्टेशन पर पहूंचाने के पहले ही गाड़ी छुट गयी। (भँग टिंगन भत शहँठात क भरत ही गाड़ी छूट गयी।)—आभि टिंगत शिँदातात आर्थि गाड़ी हिए प्राणी।

कक्षा में कितना छात्र है ? (कक्षा (में किल्ना ছाज शाय ?)— त्थिनीत्ल

কত ছাত্ৰ আছে?

बगीचा में कोई न था (वगीठा ताँ कांत्रे ना था।)—वागात करें हिन ना।

लड़कों में से बहुत-से कल स्कूल नहीं आये । (नफ़्काँ प्राँ प्र वर्ष्ण-प्र कन कुन नहीँ आरः।)—हालामा अस्थ धानक कान कुन वास्नि।

उस किताब में इस किताब की अपेक्षा ज्यादा पृष्ठ है। (উস্ কিতাব মেঁ ইস কিতাব কী অপেক্ষা জ্যায়দা পৃষ্ঠ হ্যায়।)—ঐ বইটির চেয়ে এই বইটিতে বেশী পৃষ্ঠা আছে।

दोनों ब्यक्तियों में से कोई नहीं आया । (দোনোঁ ব্যক্তিয়োঁ মেঁ সে কোঈ নহাঁ আয়া।)—দু'টি লোকের মধ্যে কেউ আসেনি।

क्या गिलास में पानी नहीं है ? (काञ्चा शिलात्र तम श्रीनी नहीं शाय ?) — शिलात्र कि जल निरं?

कड़ाही में थोड़ा सा दूध है। (কড়াহী মেঁ থোড়া সা দৃধ্ হ্যায়।)— কড়াইতে অল্প দৃধ আছে।

नदी में बहुत पानी था । (निम प्राँ वृष्ठ श्रामी था।)—निमेर खत्नक जन हिन।

क्या आप यह समाचार सुनकर खूश है ? (काग्ना वान् रेग्नर् नृगानि

भृत्कर् थृम् शायः ?)—व्यालिन कि এই খবর শুনে খুশী হয়েছেন?

क्या आपका भोजन हो चुका कि नहीं। (क्राग्ना व्यापका ভোজन হো ह्का कि नहीं)—व्यापनात व्याहात সমাপ্ত হয়েছে कि হয়नि?

क्या तुम वह सब दोगे जो कुछ मैं चाहूं ? (क्याया कृष् अयर प्रत् । (क्याया कृष् अयर प्रत् । प्राप्त । क्याया कि क्याया

# कुछ प्रश्नोत्तर (कूष् थाःशाखत)

आप कौन है ? (আপ্ কও্ন হ্যায়?)—আপনি কে?

मैं निताई के मित्र है। (মাঁয় নিতাঈ কে মিত্র হ্যায়।)—আমি নিতাইয়ের
বন্ধু।

कौन सा जानवर हमें दूध देता है ? (क ७ न न जान् ७ ३ दूर पृष्

गाय हमें दूध देता है। (গায় হমেঁ দৃধ্ দেতা হাায়।)—গাভী আমাদের দুধ দেয়।

कौन सा जानवर भौकता है ? (কও্ন সা জান্ওয়র ভৌঁকতা হ্যায় १)
—কোন্ পশু ঘেউ ঘেউ করে ?

कुत्ता भौकता है। (কুত্তা ভোঁকতা হায়।)—কুকুর ঘেউ ঘেউ করে।

किस पशु के सींग होते हैं? (কিস্ পশু কে সীংগ হোতে হায়?)—
কোন্ পশুরু শিং হয়?

गाय के सींग होते हैं। (গায় কে সীংগ হোতে হ্যায়।)—গুরুর শিং হয়। कौन कौन सा पशु गाड़ी खींचता है? (কওন্ কওন্ সা পশু গাড়ী খীঁচতা হ্যায়?)—কোন্ কোন্ পশু গাড়ী টানে?

बैल और टट्टू गाड़ी खींचता है। (ব্যায়ল অওর্ টট্টু গাড়ী খীঁচতা যায়।)—বলদ ও টাটু ঘোড়া গাড়ী টানে।

गदहे किस काम में आते है ? (গদ্হে किস্ काम में आरू शांश) — गांधा कि कार्फ आरूप?

गदहे भारबाही पशु है। (গদ্হে ভারবাহী পশু হ্যায়'।)—গাধা ভারবাহী

कौन-से पशु के पीठ पर कूबड़ होता है और उसकी दूसरा नाम क्या है ? (कल्न-त्न श्रष्ट कि शीर्ठ शर्त क्र्य होता हो आ कल्य हिन्दी पृत्रता नाम काागा शाग्र?)—कान् श्रष्टत शीर्ठत छेशत क्र्य हा छ जात विशेष नाम कि? ऊंठ की पीठ पर कूबड़ होता है और उसकी दूसरी नाम

रेगीस्तान का जहाज है। (উঠ की পীঠ পর কুবড় হোতা হায় অওর্ উসকী দূসরী নাম রেগীস্তান কা জহাজ হায়।)—উঠের পীঠে কুঁজ হয় এবং ওদের দ্বিতীয় নাম মরুভূমির জাহাজ।

शहद की मिक्खयाँ कहाँ रहती है ? (भर्म की मक्थिय़ा कराँ तर्की

হাায়।)—মৌমাছিরা কোথায় থাকে?

शहद की मिक्खियाँ छत्ते में रहता हैं। (শহদ কী মক্থিয়াঁ ছত্তে মেঁ রহতা হাায়।)—মৌমাছি মৌচাকে থাকে।

शिकारी पशु कौन कौन है ? (निकारी পশু कछ्न कछ्न शाय ?)— निकारी পশু कि कि?

सिंह, शेर, चीता, नेकड़े आदि शिकारी पशु है। (त्रिःर, त्नत, ठीठा, लकए व्यक्ति निकाती পण शाय।)—तिःर, वाघ, ठिठा, लकढ़ व्यक्ति निकाती পण। कौन सा जीव जाला बुनती है ? (क्ष्न ना जीव जाला वृन्ठी शाय?) —कान् जीव जाल वाति?

मकड़ी जाला बुनती है। (प्रकड़ी जाला वूनठी शाप्ता)—प्राकड़मा जाल वातन।

' कौन सा पशु हमें ऊन देता है ? (कछन् मा পশু হমেँ উन् দেতা शांग्र?)—কোন পশু আমাদের উল দেয়?

भेड़ हमें ऊन देता है। (ভেড় হমেঁ উন্দেতা হাায়।)— ভেড়া আমাদের উল দেয়।

प्रश्नसूचक वाक्य (क्षांम्ठक वाका)

आपका शुभ नाम क्या है ? (আপ্কা শুভ নাম ক্যায়া হাায়?)—আপনার (পোষাকী বা ভাল) নাম কি? आपका परिचय क्या है ? (আপ্কা পরিচয় ক্যায়া হ্যায়?)—আপনার পরিচয় কি?

क्या आप मूझसे बड़े है ? (कााग्ना वाश मूबास वर्ष शाय ?)—वाशनि कि वामात रुद्य वर्ष ?

आपके पिता का नाम क्या है ? (আপকে পিতাকা নাম ক্যায়া হ্যায় ?)
—আপনার পিতার নাম কি?

वह क्या करते है ? (७য়२ कामा कत्ए शाम १)—ि कि करतन १ आपकी क्या उम्र है ? (আপকী कामा उम्र शाम १)—আপনার বয়স কত १ आप कितने भाई है ? (আপ কিত্নে ভাই शाम १)—আপনারা কয়টি ভাই १

आपकी कितनी बहनें हैं ? (আপ্কী কিতনী বহনেঁ হাঁয়?)—আপনার কতগুলি বোন?

तुम कौन से खेल खेलते हो ? (जूम कछन् त्र त्थन् त्थन्त्ठ दा?)
— जूमि कान् त्थना त्थन?

क्या तुम्हें लाठी चलानी आती है ? (कााग़ा जूम्टर नाठी ठनानी जाजी शाग़?)— जूबि कि नाठि त्यनत्व जाता?

क्या तुम्हारे स्कूल में व्यायाम सिखाते हैं ? (काशा जूश्रात कूल भ द्यायाम त्रिथाटा द्याय?)—टामाप्तत कूल कि वाशाम मिथाटा द्य?

आपको अधिक चोट तो नहीं आयी ? (আপ্কো অধিক চোট তো নহী আয়ী?)—আপনার বেশী আঘাত লাগেনি তো?

आपको तकलीफ क्या है ? (আপকো তক্লীফ ক্যায়া হ্যায়?)—আপনার কন্ত কি?

डक्टर साहब, क्या मैं चावल खा सकता हूं ? (ডাক্টর সাহব, ক্যায়। মাঁয় চাওয়ল খা সক্তা ছঁং)—ডাক্তার বাবু, আমি কি ভাত খেতে পারিং

ক্যা কার্ব দালনু কার্যা आपके पास है ? (ক্যায়া কোই ফাল্তু কাপী আপকে পাস হ্যায়?)—আপনার কাছে কি কোন বাজে খাতা আছে?

यह पर्चा किसने वनाया है ? (देश्र ् शर्ठा किंअरन वनाया शास ?)— এই

ফর্দ কে তৈরী করেছে?

आपका ध्यान किस ओर है ? (खनका दिशान् किन् ७३ शाहर)— जाननात मत्नारमान कान्मिक ?

तुम्हारा पड़ाई कैसी चल रही है ? (जूम्हाता পঢ़ान्ने कगाय़नी ठल तरी गाय ?)—তোমার লেখাপড়া কেমন চলছে?

इसका अर्थ क्या है ? (इन्का वर्ष काग्ना शाग्न?)—এর वर्ष कि? युझे पढ़ने क्यों नहीं देते ? (मूख পঢ়নে किंप्र नशैं (मण्ड?)—আমাকে কেন পড়তে দিছে না?

तुम किस कालेज में पढ़ते हो ? (जूम् किम् कालक याँ भएए दाः)
— जूमि कान् कलएक भएणाः

उसकी परीक्षा कब से है ? (উস্কী পরীক্ষা কব্ সে शाय ?)—তার পরীক্ষা কবে থেকে ?

यहां से बाजार कितनी दूर है ? (इंग्रड्श (प्र वाजात किंज्नी मृद शांग्र?)
— এখান থেকে वाजात कठ मृत?

आप उस दिन क्यों नहीं आये ? (बाल् উস্ দিন किंछे नहीं बाह्य ?)
— बालिन स्मिन रकन अलन ना ?

देखो लड़का क्यों रो रहा है ? (प्रत्था नफ़्का किँछ রো রহা হ্যায়?) — प्रथ, ছেলে কেন काँদছে?

आपका क्या हाल-चाल है ? (আপ্কা ক্যায়া হাল চাল হ্যায় ?)—আপনার কেমন চলছে?

यह सड़क किधर जाती है ? (ইয়হ্ সড়ক কিধর জাতী হ্যায়?)—এই রাস্তা কোন্দিকে গেছে?

क्या यहां कोई किराये की मकान निल सकती है ? (क्यांया ইয়হাঁ কোঈ কিরায়ে কী মকান মিল সক্তী হ্যায় ?)—এখানে কি কোন ভাড়াটে বাড়ী পাওয়া যাবে? दरवाजा कौन खटखटा रहा है ? (দরওয়াজা কওন্ খট্খটা রহা হাায় া)
-কে দরজায় খটখটাচ্ছে (কড়া নাড়ছে)।

अमिताभ कहाँ है ? (অমিতাভ क्याँ शायः?)— अभिতाভ काथायः? क्या है ? (काायां शायः?)—कि रख़िष्टः?

कीन है ? (क७न् शायः?)—(क?

आज नई बस्तु क्या पकी है ? (আজ নঈ বস্তু ক্যায়া পকী হ্যায় ।)
—আজ নতুন জিনিস কি রান্না হয়েছে?

आप नाराज हो गये ? (আপ नाताक হো গয়ে?)—আপনি রাগ করেছেন?

आप मेरी बात को नयों काटते हो ? (আপু মেরী বাত কো কিঁট কাটতে হো?)—আপনি আযার কথা কেন বাদ দিচছেন?

में किसका विश्वास करूं ? (गाँग किन्जा विश्वाम् करूँ?)—णाभि कार किशाम करता ?

आप मेरी ओर क्यों घूरते हैं ? (आश् (मती ७० किंड घूतरा गूँ। वि

— আপনি আমার পিছনে কেন ঘুরছেন?

तुम्हें चिन्ता किस बात की है ? (जूम्(ई हिंखा किम् वाल् की शाया)

—তোমার কিসের চিন্তা?

क्या हम यहां थोड़ा सुस्ता तें ? (कााया रुष् देशराँ थाए। भूछा ल

—আমি কি এখানে সামান্য বিশ্রাম করবো?

क्या में थोड़ी देर के लिए आपकी साईकल ले सकता हूं ? (ক্যায়া মাঁয় থোড়ী দের কে লিএ আপ্কী সাঈকল্ লে সক্তা ছঁং)—অমি ি কিছুক্ষণের জন্য আপনার সাইকেলটি নিতে পারিং

क्या में इस कम्रे में ठहर सकता हूं ? (काशा भाँग हैंश कम्द्र वि रेह्त अक्তा हैं?)—आभि कि এই कामतांग्र थाकरा शांति?

में भी चलूं ? (गाँश छी ठलूँ?)—आभिष याता?

क्या में टेलीफोन कर लूं ? (कााग्रा ग्राग्न क्या कर न्ं?)—काशि कि क्रिलिकान करत मिर्वा? क्या में आपके कमरे के अन्दर आ सकता हूं ? (क्याया ग्राँग व्याপक कम्दत क व्यन वा मक्वा हैं?)—वाभि कि वाश्रमात कामतात मध्य वामक शांति?

तुम्हारा जन्मदिन कब होता है ? (जूम्शता जन्मिन कर दाजा शाय?)
— তোমার জন্মদিন কবে হয়ে থাকে?

आप घर में कितने बजे तक आ जाते हैं ? (আপ ঘর মেঁ কিত্নে বজে তক্ আ জাতে হাায়?)—আপনি ঘরে কটা নাগাদ আসেন?

आज क्या तारिख है ? (আজ ক্যায়া তারিখ হ্যায়?)—আজ কত তারিখ?
आपकी घड़ी में क्या बजा है ? (আপকী ঘড়ী মেঁ ক্যায়া বজা হ্যায়?)
—আপনার ঘড়িতে কটা বেজেছে?

# पाठ—१५ (পाঠ—১৫) और कुछ विभिन्न प्रकार वाक्य (আরও কিছু বিভিন্ন প্রকার বাক্য)

गुस्सा करना कमजोरी की निशानी है। (७२ त्या कर्ना कयर्जाती की निमानी शाय।)—तांश कता पूर्वलांत हिरू।

यह कपड़ पन्द्रह रूपये मीटर है। (ইয়হ্ কপড়া পদ্রহ্ রূপয়ে মীটর হ্যায়।)—এই কাপড় পনের টাকা মিটার।

गीले कपड़े मत पहनों। (शील काश्र्ष्ण यक शर्मा।)—ভিজে काश्र्ण शता ना।

इसमें कोई तकलीफ नहीं। (ইস্মেঁ কোঈ তক্লীফ্ নহীঁ।)—এতে কোনও কন্ট নেই।

यह नैशनल बैंक का चैक है। (इंग्रड् ज्ञानन् तरक का एक शाय।)
— धि नामनान यास्वर एक।

मेरी अर्जी मंजूर हो गयी। (यती खर्जी प्रधूत रा गरी।)—वापात

আবেদন মঞ্জুর হয়ে গেছে।

आप जो कुछ कर रहे हैं, मैं सब समझ रहा हूं। (আপ জा कृष्कत् तरह राँ।)—आপिन या किছू कत रहन, आिम अवरे व्याल भाति ।

यहाँ दस्तखत की जिए । (इग्नर्शं मण्डथण् की जिथा)— এখানে সই करून। वह तो एक साधारण आदमी है। (७ग्नर् एठा এक সাধার एँ আদমী

হায়।)—সে তো একজন সাধারণ লোক।

मूझे ट्रंककाल करना है। (मूख द्विःक्काल कृतना शाय।)—आभारक द्वारक्कल कृत्र हरन।

आलसी आदमी अधमरे के समान है। (আল্সী আদমী অধমরে কে সমান হাায়।)—কুঁড়ে লোক অর্ধমৃতের সমান।

यह कपड़ा बहुत गर्म है। (इंग्रड् कश् ा वहा गर्म शाप्त) - এই काश प्र

ऊसने अपने पाप का प्रायश्चित्त कर डाला । (উস্নে অপ্নে পাপ का প্রায়শ্চিত কর্ ডালা।)—তিনি নিজের পাপের প্রায়শ্চিত করেছেন।

तुम्हें सच वात बता देनी चाहिए । (তুম্হেঁ সচ ওয়াত বতা দেনী চাহিএ।)—তোমার সত্য কথা বলে দেওয়া উচিত।

आजकल काम का तेज है। (আজকল্ কাম কা তেজ হ্যায়।)—আজকাল কাজের খুব জোর।

उसे चेतावनी दे दी गई है। (छत्म , फ़ाजा असी प्र भी भन्न

হায়।)—তাকে ভবিষ্যৎ বাণী দিয়ে দিয়েছি।

न उधार दो, न लो । (न उधात ला, न ला।) धात निख ना; धात

न धोखा दो, न खाओ । (न धाथा मा, न थाछ।)—श्राजना करता ना, श्राजनात्र श्राप्ता ना।

आपके-पास कमोजों का कपड़ा है ? (আপ্কে-পাস্ কমীজোঁ কা কপড়া হ্যায় ?)—আপনার কাছে শার্টের কাপড় আছে ?

इतना काफी है। (इंज्ना काकी शाय।)—এই यथिष्ठ। आपकी कृपा है। (जानकी कृना शाय।)—जाननात मया। बुरा न मानियेगा । (वूता न मानित्रिशा।)—शाताश्र मत्न कत्रत्वन ना। बायीं ओर रहिये । (वार्री ७त तरित्रा।)— वाँमित्क थाकून।

इस दफ्तर में हैड क्लर्क ही सब कुछ है। (इस पर्वा प्राप्त क्ष्य क्ष्य है। (इस पर्वा प्राप्त क्ष्य है। क्ष्य क्ष्य है।

यह बड़ी अच्छी तस्बीर है। (इंग्रड् वड़ी खळ्डी ज्ञ्नवीत शाय।)—विधि

यह कपड़ा मजबूत लगता है। (रेय़र् क्र भा प्रजवृण नगणा शाय।)

—এই কাপড় শক্ত মনে হচ্ছে।

सिर्फ नेक आदमी ही सुखी है। (त्रिक तिक व्याप्त्री शे त्रूथी शाय।)
— एवं धार्मिक व्यक्ति त्रूथी रन।

पुराना कमीज पहनों, नई घोती खरीदो । (প্রানা কমীজ পহনোঁ, নঈ ধোতী খরীদো।)—প্রাতন শার্ট পর, নতুন ধুতি কেন।

आपका सहायता के लिए धन्यवाद । (व्यान्नका मराग्रजा क निध धन्देशध्याम्।)—व्याननात मारास्यात जना धनावान।

विना आज्ञा अन्दर नहीं आ सकते । (ওয়িনা আগ্যা অন্দর নহীঁ আ সক্তে।)— হকুম ছাড়া ভিতরে আসতে পারবে না।

क्या भेरे लिए कोई फोन है ? (का মেরে निএ কোঈ ফোন হাায়?) —আমার कि কোনও ফোন এসেছে?

कृपया यह सामान मैरे कमरे में पहुंचा दीजिए। (क्श्रा इंग्रड् नामान स्टित कमत (मँ श्रहा मीजिय।)—म्या कत्त और जिनिम्श्रेव आमात चत्त (श्रीट्र

यह सन्दूक बड़ा भारी है। (इंग्रड् मन्पूक वड़ा छात्री शाग्रा)—এই मिन्पूकि थ्व छात्री।

खाली दिमाग भैतान की दूकान । (थानी पिमाश गाय्ञान की पृकान।)
—थानि मस्कि गय्ञान छान्छात।

आराम हराम है। (जाताम इताम शारा।)—जातामर पृह्ट यत मृन। जिन्दगी सेबा के लिए है। (जिन्दगी अर्वा क निध शारा।)—जीवनेटारे তো পরের উপকারের জন্য। आजकाल नई उम्र के लोग नये फैशन के कपड़े पहनते हैं।
(আজকাল নট উত্ন কে লোগ নয়ে ফ্যায়শন্ কে কণড়ে পহন্তে হাঁয়।)—আজকাল
যুবকরা নতুন ফ্যাশানের পোষাক পরে।

# पाठ-१६ (मार्ठ-३७) कानुन, रेडियो, डाकलाना और भनण आहेन, तिष्ठिया, भोडिकिन धवर समग

उस पर डाकाइती का आरोप लगाया गया । (উস্ পর্ ডাকাইতী का আজোপ লগায়া গয়া।)—তার উপর ডাকাতীর অভিযোগ করা হয়েছে।

तुमने गैर-कानुनी काम की है। (कूर्यतन गायत-कानुनी काम की शाय।)

वह तीन दिन हवालात में रहा । (७११६ जैन पिन २७११) तर्।)— में जिन पिन शक्ट हिन।

आप मेरे गवाह है। (आश मिद्र गर्गार शारा)—जार्शन जामात माकी। उसको मृत्यु-दंड भिला । (উग्रा गृङ्ग-मन्फ भिला।)—जात मृजुमण

इत्याष्ट्र।

वह फरार हो गया । (उन्नर्कतात् द्रा भरा।)—,त्र क्वताती रहा (गष्ट। मैंने उसको विरुद्ध अभियोग किया । (बाँबल উन्दर्का उन्निक्क अजियाग किया।)—आबि जात विकस्त अजियाग करतिहै।

ये कानुन के खिलाफ है। (इहा कानून क थिनाफ शाय।)— अि

আইনের বিরুদ্ধ।

पुलिस इस विषय में तफतीमा कर रही है। (পूलिस इस ७ ग्रिस्स् মে তফ্তীশ্ কর এহী হাায়।)—পুলিশ এই বিষয়ে অনুসন্ধান করছে।

वकीलों ने गवाहों पर प्रश्न किए । (अग्रकीलाँ न गवादाँ পर् ध्रम किंध।)— एकीनता माफीएत ध्रम कलाइ। ज्यूरी ने अभियुक्त के पक्ष में निर्णय दिया । (জুরী নে অভিইয়ুক্ত কে পক্ষ মেঁ নিরড়ঁয় দিয়া।)—জুরীরা অভিযুক্তের পক্ষে রায় দিয়েছেন।

हमारा रेडियो खराब हो गया । (र्भाता तिष्ति शतार् रा गरा।) ——आभारत तिष्ठि थातान रहा तिष्ठ।

में रेडियो सुनने का बड़ा शौकीन हूं। (गाँश রেডিয়ো সূন্নে কা বড়া শঙ্কীন ছঁ।)—আমার রেডিও শোনার খুব সখ।

समाचार सब स्टेशनों पर फौला गया । (সমাচার সব্ স্টেশনোঁ পর ফ্যায়লা গয়া।)—সংবাদ সব ষ্টেশনগুলিতে ছড়িয়ে গেছে।

तुम्हारा रेडियो बन्द है। (जूमराता त्रिष्ठ वन् शाय।)—- ामात त्रिष्ठ वन्त आছে।

श्याम का रेडियो चल रहा है। (শ्रेंग्राम् का त्रिफिर्या छन् त्रश शाय।)
— শামের রেডিওটি চলছে।

रिक्ट पत्रों पर पुरे टिकट दे दिया । (রজিস্টর্ড পত্রোঁ পর্ পুরে টিক্ট দে দিয়া।)—রেজিস্টার্ড পত্রগুলির ওপর পুরা টিকিট দিয়েছি।

क्या आपने पार्सल का तोल कर लिया है ? (ক্যায়া আপ্নে পার্সল কা তও্ল কর্ লিয়া হ্যায় ?)—আপনি কি পার্সেল ওজন করে নিয়েছেন ?

डाकिया चिटठी बिलाता था । (ডাকিয়া চিট্ঠী বিলাতা থা।)—পিওন চিঠি বিতরণ করছিল।

मैंने गोपाल को सौ रूपये मनीअर्डर द्वारा भेज दिया। (गाँग्रत গোপাল কো সঙ্ রূপয়ে মনীঅর্ডর দও্য়ারা ভেজ্ দিয়া।)—আমি একশ টাকা গোপালকে মনি অর্ডার সাহায়ে পাঠিয়েছি।

कृपया मनीअर्डर की रसीद भेजना । (कृश्रया मनीअर्डत की तनीम एडम्ना।)—महा करत मनिअर्छादात तनीम शांठीरवन।

डाक हररोज तीन समय बँटती है। (ডাক্ হর্রোজ্ তীন্ সময় বঁটতী আয়।)—ডাক প্রতিদিন তিন সময় (বার) বিলি হয়।

हम रास्ता भूल गर्वे । (२म् त्राष्ठा जून् गरः।)— आमता ताष्ठा जूल गिष्टि।

हम साथ साथ चलेंगे । (হম সাথ সাথ চলেঙ্গে।)—আমরা সঙ্গে সঙ্গে খাৰো।

मुझे जलपाईगुड़ी जाना है। (मूत्रा जलभारेखड़ी जाना शाय।)—जामात्क

জলপাইগুড়ি যেতে হবে।

आप कहाँ ठहरेगा ? (আপ্ কহাঁ ঠহ্রেগা?)—আপনি কোথায় থাকবেন? तुम पैदल चलोगे या ट्रेन से ? (তুম্ প্যায়্দল্ চলোগে ইয়া ট্রেন সে?) —তুম হেঁটে যাবে অথবা ট্রেনে যাবে?

बोम्बाई मेल किस समय छूटता है ? (বোশ্বাঈ মেল কিস্ সময় ছুট্তা হায়?)—বোশ্বাই মেল কখন ছাড়ে?

हावड़ा स्टेशन यहाँ से कितनी दूर है ? (হাওড়া স্টেশন্ ইয়হাঁ সে কিত্নী দূর হ্যায় ?)—হাওড়া স্টেশন এখান থেকে কতদূর ?

यहाँ से केवल दस मिनट का रास्ता है। (ইয়হাঁ সে কেও্য়ল্ দস মিনট কা রাস্তা হ্যায়।)—এখান থেকে মাত্র দশ মিনিটের রাস্তা।

हम समय पर पहुंच जाएंगे । (श्र् त्रप्ता श्रद्ध जातात्र ।)—जापता ठिक त्रपता (लॉंट्ड यादा।

जल्दी चलिए, हमें साढ़े नौ बजे की गाड़ी पकड़ना होगा। (জলদী চলিএ, হমে সাঢ়ে নও বজে কী গাড়ী পকড়না হোগা।)—তাড়াতাড়ি চলুন, আমাদের সাড়ে ন'টার গাড়ী ধরতে হবে।

मैं अपने लड़का को स्टेशन पर बिदा करने जा रहा हूं। (गाँग আপ্নে লড়কা কো স্টেশন্ পর্ বিদা করনে জা রহা ছঁ।)—আমি নিজের ছেলেকে বিদায় জানাতে স্টেশনে যাচ্ছি।

गाड़ी अब दिखाई नहीं देती । (গাড়ী অব্ দিখাঈ নহীঁ দেতী।)—গাড়ী তো এখনও দেখা যাচ্ছে না।

सड़क मरम्मद के लिए बन्द है। (अफ़क भतन्या कि निरा वन् शाय।) —भितामराज्त जना तासा वन्न আছে।

कुली जहाज ने सामान उतार रहे हैं। (কুলী জহাজ সে সামান উতার বিহে হাায়।)—কুলী জাহাজ থেকে মাল নামাচ্ছে।

# पाठ-१७ (भार्च-३१)

चावल का क्या भाव है ? (চাওয়ল্ কা ক্যায়া ভাওয়্ হ্যায়?)—চালের দর কত?

उसने अपना घन व्यापार में लगा दिया । (উস্নে অপ্না ধন गायाशात (पँ नगा पिया।)—ि किन निर्कात अर्थ गुवभाय नागिरा पिरार्ष्ट्रन। पैसे गिन लीजिए। (शायात शिन् नीकिंध।)—श्रया छा निन। मजदूरी ठहरा लो। (प्रक्षमृती ठेर्ता ला।)—प्रकृती ठिक करत नाउ। गुम्हारी मजदूरी मिल गयी? (जूम्हाती प्रक्षमृती पिनारके

মজুরী মিলেছে?

आप मेरे लिए कितना रूपैया दे सकते है ? (আপ মেরে লিয়ে কিত্না রূপ্যায়্য়া দে সক্তে হাঁায়?)—আপনি আমার জন্য কত টাকা দিতে পারেন?

पेशागी रूपैया देना होगा । (१९०५) जिलाग्रम् एनना द्रांशी)—आशाम होका पिट्ट स्ट्रा

भेरे पास नकद रूपैया नहीं है। (क्षांत्र शांत्र नकम् क्रभात्या नहीं शाय।)

—আমার কাছে নগদ টাকা নাই।

मुझे कई बिलों का पैसा चुकाना है। (মূঝে কঈ বিলোঁ কা প্যায়সা চুকানা হ্যায়।)—আমাকে কিছু বিলের পয়সা মেটাতে হবে।

दूसरों से झगड़ा मत करो । (मृभ्दाँ त्र वन् का प्राचन करता।)—जनदान

সঙ্গে ঝগড়া করো না।

दूसरों की बुराई मत करो । (नृमताँ की वृतान भए करता।)—अनतन

दूसरो पर भरोसा मत करो । (पृস्ताँ भन जातामा मङ् करना।)—
जाभरतन छेनन निर्भन करता गा।

जितना हो सके, साफ लिखो । (किल्ना शै मतक, माफ नित्या।)—यल्ली शाद्वा श्रविद्यात कदव नित्या।

बड़ों के साथ सम्मानपूर्वक बात करो। (वर्ष्ण रक नाथ नचान् भूत ७ वर्ष

বাত করো)—বড়োদের সঙ্গে সম্মানপূর্বক কথা বলো।

क्या उनसे आपका कोई लेन-देन हैं ? (क्याग्रा উन्त्र व्याश्का कार्क लन-पन शाग्न?)—তার সঙ্গে আগনার কোনও লেন-দেন আছে নাকি?

धनसे धन कमाया जाता है। (ধনসে ধন্ কমায়া জাতা হায়।)—অর্থে অর্থ উপার্জন করা যায়।

ये चिट्टियाँ लेटर वक्स में डालो । (ইয়ে চিট্ঠীয়াঁ লেটর ওয়ক্স মে ডালো।)—এই চিঠিগুলি লেটার বক্সে ফেলে দাও।

राम का काम कैसे चल रहा है ? (ताभ का काम काग्रास्त हल तरा शाम ?)—तास्मत काक-कर्म (कमन हलए ?

सची बात सबकी कड़वी लगती है। (अफ्री वाक् प्रव्रका कड़वी लगठी शाय।)—अठा कथा अकलतर करें लाल।

सदा सच की विजय होती है। (भन भर् की ७ विजय होती है। (भन भर् की ७ विजय होती है। (भन भर्का अवस्था होती है।

हर गधे को अपनी आवाज सुरीली लगती है। (হর্ গধে কো অপ্নী আওয়াজ সুরীলী লগতী হ্যায়।)—সব গাধারই নিজের আওয়াজ সুরেলা লাগে।

आदमी पेट का दास है। (আप्त्रमी (श्रिष्ठ का मात्र शाय।)—मानूष (श्रिष्ठ मात्र।

परिश्रम ही सबसे बड़ा धन है। (পরিশ্রম হী সব্সে বড়া ধন্ হ্যায়।)
—পরিশ্রমই সবচেয়ে বড অর্থ।

ईमानदारी सबसे अच्छी नीति है। (ঈমানদারী সব্সে অচ্ছী নীতি যায়।)—সততা সব চেয়ে উত্তম নীতি।

स्टेशन से पार्सल छुड़ा लाओ । (ठिंगन त्र शार्मन छूड़ा ना७।)— ठिंगन थरक शार्मन ছाड़िय़ जाता।

क्या तुम कोई व्यापार करते हो ? (कााश जूम् कांक्र गांभात कत्रंज (श?)—जूमि कि कान गुक्मा कत्रंछ।?

हम अगड़ती है । (२म् षाष्ठी शायः।)—षामता षाष्ठमात। पाँचो उंगलियाँ बराबर नहीं होती । (शाँका উংগलियाँ वतावत नशैँ (राजी।)—शाँठि वाधून ममान रग्न ना।

फिल्म किस समय शुरू होगी ? (किन्म किन् नम्म अक राजी?)— किन्म कथन आतंख रति?

आपको कौन से खेल पसंद है। (वान्र्का कछन् स त्यन् निमन शाय।)

—আপনার কোন খেলা পছন্দ?

दिल्ली जाने के लिए रेल ठीक होगी या बस ? (पिल्ली जान क निक दिन् दिन ठिक दोशी रेंग्रा वम्?)—पिल्ली यावाद जना दिन ठिक रदन, ना वाम?

#### 

मोदी से मसल्ला लाओ । (त्रामी त्र प्रजल्ला नाउ।)—यूमीत काছ थिक प्रमना जाता।

कपड़ा भुवनेश्वरी वस्नालय से लाना । (कल्रा ज्रुख्यूत्मब्दी खयुज्यालय माना।) काल्रा ज्रुवतम्बती वस्नालय (थर्क ज्ञानतः।

मुझे सबेरे जगा देना । (भूरव সবেরে জগা দেনা।)—আমাকে সকালে জাগিয়ে দিও।

मुझे एक प्याला चाय बना दो । (মুঝে এক প্যায়ালা চায় বনা দো।)
—আমাকে এক কাপ চা তৈরী করে দাও।

खाना जल्दी बनाओ । (খানা জল্দী বনাও।)—তাড়াতাড়ি খাবার প্রস্তুত কর।

मैला कामिज धोबी को दे देना। (ग्राय़ना काश्विक धावी का प्र पना।)
— ग्राना कामा धालाक पिरा परव।

चार बजे से पहले कमरा साफ कर लेना । (ठात वटक मि १२००) कमता माफ् कर् लना।) – ठात्र हो वाकात आर्थ घत श्रीत्रहात करत ज्या

होटल में (शिंहन वि) — विक्रित नमस्ते, मैनेजर साहब । (नमस्त्र, मातिजन मार्ट )—नमङ्गत, मातिजन माद्रव। नमस्ते जी । मैं आपके लिए क्या कर सकता हूं । (নমতে জী। ग्राँग আপকে লিএ ক্যায়া কর্ সক্তা হঁ।)—নমস্কার মহাশয়। আমি আপনার জন্য কি করতে পারি?

आपका होटल में कोई कमरा खाली होगा ? (आपका राउँन प्राँ कांक कम्त्रा थानी राजा?)—आपनात राउँउटन कान घत थानि আছে?

जरुर होगा जी। (जङ्ज द्याशा की।)—निन्ठ सरे रत बरागरा।

मुझे यहां कुछ दिनों के लिए ठहरना हैं। (মুঝে ইয়হাঁ কুছ্ দিনোঁ কে লিএ ঠহরনা হাায়।)—আমাকে এখানে কিছুদিনের জন্যে থাকতে হবে।

बहुत खूशी के वात है। आपका शुभ नाम ? (বহুত খূর্শী কে বাত্ হ্যায়। আপকা শুভ নাম?)—খুবই আনন্দের কথা। আপনার শুভ নাম?

मेरा नाम आनन्द मोहन रख। (प्रता नाम जानन प्राटन तरा)—जामात नाम जाननप्राटन तारा।

आप कहाँ से आए हैं ? (আপ কহাঁ সে আএ হাায়?)—আপনি কোথা থেকে আসছেন?

नागपुर से आता है । (नांशপूत সে আতা হ্যায়।)—नांशभूत थरक আস্ছি।

आप क्या काम करते हैं ? (আপ্ ক্যায়া কাম্ করতে হাায়।)—আপনি কি কাজ করেন?

में एक कोपानी का एजेंट हूं। (श्रांय এक কোম্পানী का এজেন্ট হাঁ।
—আমি একটি কোম্পানীর এজেন্ট।

आपका कैसा कमरा चाहिए ? (आश्रका क्याग्रमा क्य्ता ठाइ्०१)— आश्रमात कि तक्य घत ठाइँ १

मूझे सिंगल बेड के कमरे का जरूरत् है। (মূঝে সিংগল্ বেড কে কমরে কা জরুরত্ হ্যায়।)—আমার সিঙ্গেল বেডের কামরার দরকার।

ठिक है मिल जायेगा। (ठिक शांत्र जिल जांधगा।)—ठिक जांद्र, शांट्य। सिंगल बेंड के कमरे का क्या किराया होगा? (जिश्नल विष् द कम्दा का कांग्रा किताया शांगा?)—जिल्लल विष्ठत कांग्रजात छाड़ा कठ रदा? सिर्फ दस रूपैया । खाना पीना अलग लगेगा । (जिर्फ पत्र जाणास्या। थाना भीना खनग नरगगा।)—याउ पन ठाका। याख्यात यत्रह शृथक नागरह।

ठिक है, वही होगा। (ठिक् श्राय, ७य़दी हाला।)—ठिक आह, जाँर रत। रामु! वाबुका सामान कमरा नम्बर चार में ले जाओ। (तापू! वावूका लागान कागता नमत हात (में ल जांछ।)—तापू! वावूत जिनिम्लिख कागता नमत हात नित्य याछ।

कोई मिलने आए तो कमरे में भेज दें। (काक भिन्द णाध का कमत (में (जब (में।)—किए (मेथा कंत्रक धटन घत भाठिता (मद्यन।

### हेकसी ड्राइवर के साथ (उक्ती खाँरेजरूत क नाथ) गांकी खाँरेजातत मरू

ভুাइবर, मूझे शहर का सबसी बढ़िया होटल में लें चलो । (ড্রাইওয়্র, মুঝে শহর কা সব্সে বঢ়িয়া হোটল মেঁ লে চলো।)—ড্রাইভার, আমাকে শহরের সবচেয়ে ভালো হোটেলে নিয়ে চলো।

आइए दैठिए श्रीमानजी । (আইএ ব্যয়ঠিয়ে শ্রীমান্জী) সায়া করে উঠে বসন মহাশর।

वबसे बढ़िया होटल का नाम क्या है ? (সব্সে বৃঢ়িয়া হোটল কা নাম ক্যায়া হায়ং)—সবচেয়ে ভালো হোটেলের নাম কিং

स्रो विउ होटल । (स्रा छिउँ शिष्ण।)—स्रा छिउँ शिएँन।

वां होटल यहां से कितनी दूर है ? (७३१ दाउँ रे३१ ट्रा किञ्नी मृत शाम ?)— वे शाउँ ल वथान थिएक कर्ड मृत ?

लगभग तीन किलोमीटर । (लगण्ग् ठीन किलामीठात्र।) शाश जिन् किलामिठात।

तुम मेरा सामान कहाँ रखोगे ? (जूम व्यंता সामान कहाँ तत्थारनः)—
जूमि जामात मानभव काथाय दांचरनः

में इसे गाड़ी की कैरियर में रख दूंगा । (गाँग रेटन गाड़ी की कातियत् भारत क्षेत्र पूर्या।)—आभि এक गाड़ीत कितियात तिथ प्रत।

एक घंटे वेटिंग का क्या किरायां है ? (अक घटि अट्रािंग का काागा

কিরায়া হাায়?)—এক ঘণ্টা ওয়েটিং-এর ভাড়া কত?

तीन रूपये, श्रीमान जी । (তীন্ রূপয়ে, শ্রীমান্ জী।)—তিন টাকা মহাশয়।

तीन किलोमीटर के लिए तुम कितने किराया लोगे ? (তীন্ কিলোমীটর কে লিএ তুম্ কিত্নে কিরায়া লোগে?)—তিন কিলোমিটারের জন্য তুমি কত ভাড়া নেবে?

दस रूपये । (मन् ज़नदा।)—मन होका।

तुम सामान का कितना लेते हो ? (जूम् मामान् का किज्ना लएज (श?)— जूमि मानभावत कना का नाउ ?

एक रूपया प्रति नग । (এक क्रमश প্रতি नग्।)—এक ठाका প্রতি गाग। क्या तुम रेटलिस्ट के हिसाब से किराया लेते हो ? (क्राशा पूम् (उँग्लिम्फें कि हिमाब मि किताशा लाट हा।)—जूमि कि उउँग्लिम्फें अनुयाशी छाड़ा नाउ।

जी, जनाव ! (जी, जनाव।)—शां, मश्मग्र!

तुम्हारे रेटलिस्ट दिखाईए । (जूब्शत्त तिविन्में निथारेक।)—ाज्यातं तिविन्में प्रथाक।

यह देख नीजिए। (देश्रद् प्रथ नीजिए।)— धर् प्रत्थ निन।

किसने ईसे पास किया है ? (किम्त रेज़ शाम किया शाय।)— अि क शाम करत्राहा ?

उत्तर प्रदेश नगर निगम ने । (উত্তর প্রদেশ নগর নিগম নে।) উত্তরপ্রদেশ মিউনিসিপ্যালিটি।

तब तो ठिक है, ले बलो । (७२ (जा ठिक शाय, ल हला।)—जारल जा ठिक जाएड, निरंग हला।

रेलवे स्टेशन पर (तल्था स्नेंगन भन्न) तिल स्नेंगत बोम्बाई जानेवाली गाड़ी कब आती है ? (ताप्ताञ्च जात्नथयानी गाड़ी कर् बाठी द्यार?)—ताप्तार यातान गाड़ी कथन बारम?

ढाई बजे । (एवं वर्षा)—आण्डिंगत नगर। किस प्लेटफार्म से छुटती है और किस समय ? (किन क्षिण्यार्थ সে ছুট্তী হাায় অওর্ কিস্ সময়?)—কোন্ প্লাটফর্ম থেকে ছাড়ে এবং কোন্
সময়?

फ्लेटफर्म नं० ३' से सवा चार बजे । (প্লেটফর্ম নং ৩ সে সওয়া চার বজে।)—প্লাটফর্ম নং ৩ থেকে সওয়া চারটের সময়।

मुझे टिकट कहाँ से मिलेगा ? (यूदा िक क्यें प्र यिलगा?)—णामि िकिए काथाय भारता?

खिड़की नं० २ से । (थिएकी नः २ त्र।)—जानाना नः २ थिएक। गाड़ी यहां कितनी देर ठहरती है ? (गाड़ी रेश किउनी प्रत ठर्ज़्ठी राप्त।)—गाड़ी वधात कठकन थाता?

यह यहाँ एक घंटा ठहरती है। (ইয়হ্ ইয়হাঁ এক ঘন্টা ঠহর্তী হ্যায়।)
—এটি এখানে এক ঘন্টা থামে।

क्या आप जानते हो, बोम्बाई का किराया कितना है ? (काग्रा আপ जान्ट हा, ताम्राम का किताग़ किल्ना शाग्र?)—आश्रनि कि कात्नन, ताम्राहेराव जाज़ कल?

मालूम नहीं, अभी तो किराया बड़ गया । (মাল্ম নহীঁ, অভী তো किताया वरु গয়া।)—জানি না, এখন তো ভাড়া বেড়ে গেছে।

कूली, मेरा सामान तीन नं० प्लेटफार्म पर ले चलो । (कृनी, प्रात्रा সামান তীন নম্বর প্লেটফর্ম পর্লে চলো।)—কুলী, আমার মালপত্র তিন নম্বর প্লাটফর্মে নিয়ে চলো।

ले जाते है श्रीमान ! (ल जारू शांत्र श्रीमान।)—निरा गांकि वारू! तुम्हारा कूलीयाना कितना है ? (जूमशंता क्लीयाना किज्ना शांय?)— जामात क्लीजाणा कुल?

सवा रूपैया फी नग श्रीमानजी । (अउरा ज्ञशास्या की नग् श्रीमान्जी।)
—अउरा এक টাকা প্রতি ব্যাগ মহাশয়।

चार नग के लिए कितना होता है ? (ठात नग् क लिख किल्ना टाज शाय ?)—ठाति गारा कल शुक्त ?

पाँच रूपेया श्रीमानजी । (शाँठ क्राप्तशा श्रीमानजी।)—शाँठ होका मश्राप्तशा यह लो पाँच रूपये । (इत्रङ् ला शाँठ क्राप्तशा)—वह नाख शाँठ होका।

आइए अपना डिब्बा तलाश कर लें। (আইএ আপ্না ডিব্বা তলাশ কর লেঁ।)—আসুন আপনার কামরা খোঁজ করে নিন।

यह रहा मेरा डिब्बा । (इंग्रड् त्रश भ्रता िष्या।)—এই यে जामात कामता।

क्या आप थोड़ा सा खिसकेंगे ? (कााग्रा जान थाड़ा ना थिन्-क्षित्र?)—जानि कि जब मदा कार्यन?

अवश्य, जो थोड़ी-सी जगह है उसका उपयोग कीजिए। (ज्ञथ्य, ह्या त्याड़ी-जी जगह शाय डेज्का डेल्रांग कीजिंव।)—ज्ञवना, य সামান্য স্থান আছে তার উপযোগ করুন।

वस स्टॉप पर (वम् ऋँ। भव्र) वाम ऋँ।

कृपया आप बताने सकेगा कि आरामवाग जाने की बस कहां से मिलेगी? (कृश्रा व्याश वर्जात मर्किंग कि व्याशमवाग जाने की वस कहां से मिलेगी?)—व्याश्रीत कि म्या करत वलरू शारतन व्याशमवाग यावात वाम काशा थिएक शारता यावार?

यहां से सब बसें वहीं जाती हैं। (ইয়হাঁ সে সব বসেঁ ওয়হীঁ জাতী থাঁয়।)—এখান থেকে সব বাসগুলিই ওখানে যায়।

में लाइन में कहां खड़ा हीऊं ? (भाँग लाइन तम कराँ चड़ा राष्टें?)
——व्याभ लाइन काथाम माँजाता?

मेरा पीछे खड़ा हो जाइए। (प्रता श्रीष्ट्र थड़ा द्या जाइंव।)—আমার পিছনে দাঁড়ান।

धन्यवाद। आरामबाग पहुंचने में कितना समय लगता है ? (ধন্ইয়ওয়াদ্! আরামবাগ পহঁচনে মেঁ কিত্না সময় লগতা হ্যায়?)—ধন্যবাদ! আরামবাগ পৌঁছাতে কত সময় লাগে?

लगभग टाई तीन घंटे लग जाएगा । (লগ্ভগ্ ঢাই তীন ঘটে লগ জাএগা।)—প্রায় আড়াই তিন ঘণ্টা লেগে যাবে।

अगली बस कब आएगी ? (অগ्লী বস্ কব্ আএগী?)—পরের বাস কখন আসবে?

यह कहना मृश्किल है। दस मिनट में भी आ सकती है और आधा घंटा भी ले सकती है। (रेग्नर् कर्ना मृश्किल शाग्न। पत्र भिनि औं छी जा त्रक्ठी शाग्न ज्वा ज्वा ज्वा प्रचिल। पत्र भिनिए आप्रक्र आधा घरों छी ल त्रक्ठी शाग्न। — এটা বলা मृश्किल। पत्र भिनिए अर्था जात्र आप्र प्रचा कितिए आर्थ।

यह देखिए, आपकी बस आ गयी। जन्दी से चढ़ जाईए। (ইয়হ্ দেখিয়ে, আপকী বস্ আ গয়ী। জন্দী সে চঢ় জাইএ।)—এ দেখুন, আপনার বাস এসে গেছে। তাড়াতাড়ি উঠে পড়ন।

धन्यवाद ! नमस्ते । (धन्द्राध्यान्। नगरछ।) सन्। नगराति।

## टेलीफोन (उंनीकान)—उंनिकान

हैलो, आप कीन बोलते हैं ? (शाला, वाश् कछन् वानक शांग्र?)
—शाला, वाशनि क कथा वनष्टन?

में मि: चौधूरी बोल रहा है। (भाँय भिः ठ७्धृती वान् तरा शाय।)
—आभि भिः होधुती वनिष्।

कहिए, क्या समाचार है ? (किर्ब, कााग्रा प्रभागत शांत ?)—वनून,

कृपया भिः सेन को बुला दोजिए (क्श्रां भिः मिन को वूला मिकिं।)

मिः सेन बाहर गए हुए है। (बिः स्निन वार्त १०० व्य शाय।)—बिः स्निन वार्टेदा शिक्त।

वह कब तक लोटेंगे ? (ওয়হ্ কব্ তক্ লও্টেঙ্গেং)—তিনি কবে নাগাদ ফিরবেনং

वह कल लौटेंगे ? (७ग़र् कन् नथ्एँएकः)—िणिन कान कित्रदनः

मैं उन्हें आपका संदेश जरुर दे दुंगा । (गाँश छन्दहँ वाशका अन्मि

জকুর দে দুঙ্গা।)—-আমি তাঁকে অবশ্যই আপনার খবর জানাবো।

आप कौन बोल रहा है ? (आश कउन दोल त्रश शाय ?)—आश्रीन क कथा वनष्ट्रन ?

में मि: घोष वोल रहा है। (ग्राँश भिः धाष (वान् तरा शाय।)—धामि

মিঃ ঘোষ বলছি।

क्या में मैनेजर साहब से बात कर सकता हूँ ? (क्याया गाँय गातिकत সাহব সে বাত কর্ সক্তা হঁ?)—धार्यि कि ग्रातिकात সাহেবের সঙ্গে कथा तमछ পারি?

जरुरी हो तो चार बजे के बाद आईए ? (জরুরী হো তো চার বজেকে বাদ আইএ ঃ)—প্রয়োজন হলে চারটের পর আস্ন।

धन्यवाद । (धन्रेंग्र७ग्रान्।)—धनावानं।

## ट्रककॉल बुक करना (प्रिक्कॉन वुक कर्ना) प्रोक्कन वुक करा

हैलो, एक्सचेंज। (शाला, এক্সচঞ্জ!)—शाला, এক্সচেঞ্জ! हाँ, एक्सचेंज से बोर्ल रहे हैं। (शं, এক্সচঞ্জ সে বোল্ রহে शাंয়।)—शां, এক্সচেঞ্জ থেকে বলছি।

कृपा करके एक आर्डिनरी ट्रंककॉल वुक कर दें। (कृणा करत धक आर्डिनरी द्वेश्ककल दूक कर्त (मैं।)—म्या करत धकि भाषातन द्वेश्ककल दूक करत (मर्टिन)

कौन शहर के लिए जी ? (क७न् मर्त क निज की?)—कान् मर्द्रत

कलकत्ता के लिए । (कलकड़ा क निर्व)—कलकाठात जना।
कृपया नम्बर बताइए । (कृषग्ना नम्बर वार्ठाहेश।)—मग्ना करत नम्बर्गः
वन्नः

१ ४५५१४ । (७२००४४) - ७२००४४।

क्या यह व्यक्ति के नाम से कॉल है। (काशा इग्रव् ७४क्छि तक नाभ त्र कन शाय १)—धि कि कान याखित नास्मत कन १ जी हाँ, पी पी कॉल है, अनिमेष का नाम से। (की दाँ, श्री श्री कन् शाय, অনিমেষ का नाम (प्रा)—আজে दाँ।, श्रि श्रि कन्, অনিমেষের নামে।

मेरा नम्बर कुछबिहार ३४४५९२ । (মেরা नम्दर कूठिरात ७८८८०२।)
— আমার নম্বর কুচবিহার ৩৪৪৫৯২।

अच्छा, थोड़ा प्रतीक्षा करें। (অচ্ছা, থোড়া প্রতীক্ষা করেঁ।)—আচ্ছা, একটু অপেক্ষা করুন।

मेरा रेजिस्ट्रेशन नम्बर क्या है ? (प्रता तिकिट्येंगन नम्बर कााया । शाया शे—आभात तिकिट्येंगन नम्बर कठ ?

डि फोर कुचबिहार ३१२ । (ডী ফোর্ কুচবিহার ৩১২।)—ডি ফোর্ কুচবিহার ৩১২।

धन्यवाद । (धन्देश ७ शान्।) सनावान।

## डाकखाने में (जाकशाल (मँ)—जाकघरत।

कृपया मुझे कुछ पोस्टकार्ड दे दें। (कृशशा मूत्य कूष्ट् পোস্টকाর্ড দে দেঁ।)—দशा করে আমাকে কিছু পোস্টকার্ড দিন।

आपको कितने चाहिए ? (আপ্কো কিত্নে চাহিএ?)—আপনার কটি চাই? मुझे दस पोस्टकार्ड और दस इन्लैंड लेटर चाहिए । (মুঝে দস পোস্টকার্ড অওর দস ইনল্যান্ড লেটর্ চাহিএ।)—আমার দশটি পোস্টকার্ড এবং দশটি ইন্ল্যান্ড লেটার চাই।

यह लीजिए। (इग्रर् नीकिय।)—यर निन।

आपके पास एयरोग्राम लेटर के फार्म भी हैं ? (আপ্কে পাস এইয়্রোগ্রাম লেটর কে ফার্ম ভী হাাঁয়?)—আপনার কাছে এরোগ্রাম লেটারও আছে?

जी हां, है। (जी दाँ, शाय़।)—आख्य दाँ।, আছে।
ठिक है, दे दीजिए। (ठिक शाय, मिनीजिय।)—ठिक आह्य, मिन।

पार्सलों के लिए खिड़की नम्बर कितना है ? (পার্সলোঁকে লিএ খিড়কী নম্বর কিত্না হাায়?)—পার্শেলের জন্য কত নম্বর জানালা?

खिड़की नं ॰ पाँच । (খিড্কী নম্বর পাঁচ।)—জানালা নং পাঁচ।

इस रजिस्टर्ड खत को कहाँ दे सकता हूँ ? (ইস্ রজিস্টর্ড খত্ কো কহাঁ দে সকতা ছঁং)—এই রেজিস্টার্ড লেটারটি কোথায় দেবোং

खिड़की नं० तीन पर । (थिएकी नम्नत छीन পর।)— छिन नम्नत

জানালায়।

आपको बहुत धन्यवाद । (আপকো বহুত ধন্ইয়ওয়াদ্।)—আপনাকে অনেক ধন্যবাদ।

डाक्टर के पास (जाक्टेंत क शाम)—जाक्टांत्वत काछ। नमस्ते, डाक्टर साहब । (नमस्ते, जाक्टेंत मार्व।)—नमस्रात, जाक्टांत मार्ट्व।

नमस्ते, आपको क्या हुआ है ? (नमस्त, व्याश्रका कारा ह्या शाय ?)

—নমস্কার! আপনার কি হয়েছে?

मेरी तवियत ठीक नहीं लग रही है। (মেরী তবিয়ত ঠীক নহীঁ লগ্ রহী হাায়।)—আমার শরীরটা ভাল লাগছে না।

आपको क्या परेशानी है ? (आंश्राका काांशा श्रावशानी शाय १) - आंश्रनात

কি কন্ত হচ্ছে?

कल मुझे रात को ठंड लगी है और तभी से मुझे छाती में बाई ओर बहुत दर्द है। (कल् মুঝে রাত কো ঠন্ড লগী হাায় অওর তভী সে মুঝে ছাতী মেঁ বাঁঈ ওর বহুত দর্দ হাায়।)—কাল আমার রাতে ঠাণ্ডা লেগেছিল আর তখন থেকে আমার বুকের বাঁদিকে খুব ব্যথা হয়েছে।

में आपकी जाँच कर लूँ। जरा लेट जाइए। (মাঁয় আপকো জাঁচ্ কর্ লূঁ। জরা লেট্ জাইএ।)—আমি আপনাকে পরীক্ষা করে নেবো। একটু শুয়ে পড়ুন।

साँस लम्बे लम्बे लीजिए । (प्राँग् लक्ष लक्ष लीकि ।) — निषा लक्षा श्वाप

आपकी और क्या परेशान होती है ? (আপকী অওর ক্যায়া পরেশান্ হোতী হ্যায়ং)—আপনার আর কি কন্ট হচ্ছেং

मुझे धकान महसूस होती है। (भूख धकान भर्म्म राजी शायः)— आभात थूप क्रान्न नागरः।

और क्या है ? (आ७त कााग्रा शाग्र ?)—आत कि इतारह?

मैं ठीक से सो नहीं पा रहा हूँ । (श्राँय ठिक त्र त्यां नहीं भा तश हैं।)—आभि ভালোভাবে শুতে পারছি না।

आपकी इजेंकशन लेने होंगे। यदि इंजेकशन अनुकूल न पड़े तो कैपसूल दूँगा। (আপকী ইঞ্জেকশন লেনে হোঙ্গে। ইয়দি ইঞ্জেকশন অনুকূল না পড়ে তো ক্যাপস্ল দুংগা।)—আপনাকে ইঞ্জেকশন নিতে হবে। यদি ইঞ্জেকশন আপনার পঞ্চে অনুকূল না হয়, ক্যাণসূল দেবো।

ক্ষা होगा ভাক্তर নাहब ? (কায়া হোগা ডাক্টর সাহবং)—কি হবে ডাজার বাবুং

घवड़ाईए मत । एह एकदम साघ्य रोग है । इलाज जारी रिछए आप जल्दी ठीक हो जाएंगे । (श्राक्ष्णिश्च मज्। रेग्नर् वकप्रम् भाषा त्यान श्राव। रेलाक जारी तथिव षाण् जल्मी ठीक रश जातारण।)— छत्र भारतम मा। वर्रा थूव मरक त्यान। विकित्मा वालिस याम। धार्मीन जाएंगिजिए स्मरत यादम।

## बैंक में (त्वप्रश्क व्यं)—वार्

नमस्ते । में मैनेजर साहब के साथ मिलना चाहता हूँ । (मन्द्राः। भाग गामिकत् भार्य कि माथ भिलना ठार्जा है।)—नम्हात । जामि भामिकात भारत्वत भक्त प्रथा कत्रक ठारे।

कहिए, मैं आपकी क्या सेबा कर सकता हूँ? (क्रिंध, माँह जान्की काासा (त्रना कर् मक्ठा दें?)—तन्न, जायि धार्यनात कि উপकात कराउँ शांति?

में एक तपत खाता खोलना चाहता हूँ । (भीत এक वहल् थाला (थानना हांस्टा है।)—जामि এकिए मिल्सि ग्राकार्डिए थुनटि हाँसे।

ठिक है, खाल लीजिए। (ठिक छार, त्यान् नीकिय।)—ठिक खाट्ट थूटन

यह खाता खोलने के लिए पहेले कितने रूपये के आवश्यकता होगी? (ইয়হ্ খাতা খোলনে কে লিএ পহেলে কিতনে রূপয়ে কে আওশ্ইয়কতা হোগী?)—এই আকোউন্ট খুলতে কত টাকার প্রয়োজন হবে?

पहेले तो कम से कम पाँच रूपये जमा करना होंगे। (পহেলে তো কম সে কম পাঁচ রূপয়ে জমা করনা হোংগে।)—প্রথমে তো কমপক্ষে পাঁচ

টাকা জমা দিতে হয়।

हम रपये कितनी बार निकाल सकते हैं ? (হম্ রূপয়ে কিত্নী বার নিকাল সক্তে হাঁয়?)—আমি টাকা কতবার তুলতে পারি?

एक महिने में पाँचबार निकल सकते। (এक महिल वाँ भाँठवात निकल

সক্ে।)—মাসে পাঁচবার তুলতে পারবেন।

্ত বদ কিননা ৰূपया उठाना जा सकता है ? (এক দফে কিত্না রূপেয়া উঠানা জা সকতা হায় ?)—একবারে কত টাকা তোলা যায় ?

सामान्यतः एक हजार से अधिक नहीं । (प्राप्तान्रेश्वर वक रकात प्र अधिक नहीं)—प्राधातगढ़ः वक राकादात दानी नश्

में चैक बुक लेना चाहता । (भाँ । চেক্ বুক্ লেনা চাহ্তা।)—আমি ঢেক বই নিতে চাই।

वह हम आपको दे देंगे और उसके साथ एक पास एक भी । (ওয়হ্ হম্ আপ্কো দে দেঙ্গে অওর্ উসকে সাথ এক পাস বুক ভী।)— ও আমি আপনাকে দিয়ে দেব এবং সেই সঙ্গে একটি পাস বইও দেব।

ठीक है, में बचत बैंक खाता खोलना चाहता हूं। क्या में पति क साथ संयुक्त खाता खोल सकता हूं? (ठीक छात्र, माँत विक् टिक् थाडा थालना हाङ्का है। कााग्रा माँत भन्नी कि नाथ मरहेशूक थाडा थाल मर का है?)—ठिक आहि, आधि मिलि आकार्डिन थून्एक हाँहै। अभि कि द्वीत महम क् आकार्डिन थूनएक भीति?

जरुर सकेंगे । (जरूत मरकरम।) निक्वाई भातरतन।

मुझे क्या करना है ? (भूत्व काशा कर्ना शाश ?)— जाभारक कि कर्त्र व्या

आपको इन फार्मो पर हस्ताक्षर करना होगा ओर साथ ही आरम्भिक रूपैया जमा करना होगा। (आर्थ्यका इन् काट्या अन् र्छाक्यत् करना होगा। (आर्थ्यका इन् काट्या अन् र्छाक्यत् करना होगा। आर्थिक क्रिया जमा करना होगा। आर्थिक क्रिया क्या करना होगा। आर्थिक क्रिया क्या करना होगा।

এই ফর্মের ওপর সই করতে হবে এবং সেই সঙ্গে প্রাথমিক টাকা জমা করতে হবে।

यह बात ठीक है। (ইয়হ্ বাত ঠীক হ্যায়)—সে কথা ঠিক।

ये लीजिए फार्म । इन्हें भर दीजिए और हम आपका खाता खोल देंगे और आपको पास वुक और चैक बुक भी दे देंगे । (हैर्य़ लीजिंध कार्म) हैन्द्र छत् मीजिंध कार्य हम् वालका थाना त्यान त्यान कार्य वालका लाम क्यान कार्य हम् कार्य कार

## बाड़ी भाड़ा के बारेमें (वाड़ी ভाड़ा क वातत्यँ) वाड़ी ভाड़ा त्रम्थार्क

नमस्ते जी । (नमर् जी।) नमस्ते प्रश्नात प्रश्नात । नमस्ते । (नमर् ।) नमस्ते ।

आपके नाम मिः सुनील सरकार है ? (আপকে নাম সুনীল সরকার হাায়ং)—আপনার নাম সুনীল সরকারং

जी हाँ, कहिए क्या जरुरत है ? (जी दाँ, क्टिंध कााया जरुरू शाया । — আছে दाँ।, वनून कि प्रवकात ।

अखबार में विज्ञापन देखा कि आपके यहाँ किराए के लिए फ्लट खाली है ? (ज्ञथ्उग़ात व्रॅं ७शिग्राँ। अन एचा कि जाशक रेसराँ किताय कि लिय क्रूग्रें चाली शाय ?)—चवरतत कांगर विज्ञालन एचलाय, जालनात यचारन जाणात जना क्रुग्रें चाली शाय ?)

जी हाँ, आपका क्या चाहिए ? (जी शैं, जाপ्का कााग्ना চाহिএ?)—আজে हाँ, जाপनात कि ठाँरे?

में तीन कमरे के एक पलट चाहता हूँ। (भाँय ठीन कमत क এक क्रिक्ट कार्रा है।)—जामि जिन कामतात अकि क्रांगे कोर्रा कोर्रा

ठीक है, आइए मैं आपको दिखाता हूं। (ठीक शाय, আইএ ग्राँय আপকো দিখাতা হুঁ।)—ঠিক আছে, আসুন আমি আপনাকে দেখাছি। बैठक बड़ा है, लेकिन रसोई घर छोटा है। (ব্যায়ঠক বড়া হ্যায়, লেকিন রসোঈ ঘর ছোটা হ্যায়)—বৈঠকখানা বড় কিন্তু রাল্লা ঘর ছোট।

इधर देखिए सोने का कमरा (इधत तिथे आति का कम्ता।)— अपित तिथून त्यावात घत।

ये घर तो बड़ा है। (ইয়ে ঘর তো বড়া হ্যায়।)—এই ঘরগুলি তো বড়।

जी हाँ। सोने का कमरा बड़ा और हवादार है। (জী হাঁ, সোনে का कमरा वंडा अौर हवादार है। (জী হাঁ, সোনে কা কমরা বড়া অওর্ হওয়াদার হায়।)—আজে হাঁা, শোবার ঘর বড় এবং বাতাস আসে।

लेकिन दीवालों का चूना झड़ गया है। (लिकिन् দীওয়ালোঁ কা চূনা ঝড় গয়া হ্যায়।)—কিন্তু দেওয়ালগুলির চূন ঝরে গেছে।

यह हम फिर से चूना कलई करवा दूंगा । (ইয়হ रूप फित् प्र हुना कलके कर्उंग मृका।)—ও আমি আবার চুনকাম করে দেব।

किराया कितना देना होगा ? (किताय़ा किल्ना एना शाश )— ভाषा कर पिट श्दर

साढ़े तीन सौ रूपये। (সাঢ়ে তীন শও্ রূপয়ে।)—সাড়ে তিনশো টাকা। क्या बाजार नजदीक है—न दूर हैं? (काग्रा वाजार नजदीक शाय़—न मृद्र श

बाजार, बस स्टाप और स्कुल नजदीक हैं। (বাজার, বস্ স্টাপ অওর্ ফুল নজদীক হাাঁয়।)—বাজার, বাস স্টপেজ এবং স্কুল কাছেই।

और कोई किरायेदार हैं ? (जाउन् कांक्र किन्नारामान शायं?)—जानल कि छाज़ारा जारह?

जी हाँ, और तीन किरायेदार हैं। (জी হাঁ, অওর তীন কিরায়েদার হাায়)—আজ্ঞে হাঁা, আরও তিনজন ভাড়াটে আছে।

वह सब कैसा आदमी हैं ? (७ग्नर् अर् क्रायमा वानमी शांम)—जाता यर कमन लाक?

सभी अच्छा आदमी हैं। (मडी ष्रष्टा वाप्त्री शाँग्र।) निर्वाह जालालाक।

एक माह का किराया जमा और एक माह का किराया। (এक गाइ का किताया क्रमा अवत अक् माइ का किताया।)—এक भारत छाड़ा जमा এवर এक भारत छाड़ा।

ठीक है, रुपैया लीजिए। (ठीक शांस, ल्राग्र्स नीजिय।) ठिक चाह्र,

টাকা নিন।

यह लीजिए किराये का रसिद । (रेग्नर् नीक्षिय कितारम का तिमिष।)— यह निन ভाषात तिमा।

धन्यवाद । (धन्रेंग्न ७ ग्रान्।) पनावान।

### ऊपहार खरीवना (छें भेंदां देवी प्रमा) छें भेंदां कना

कहिए आपको क्या दिखाऊं ? (क्ट्यि आश्रत्का कााग्रा निथाउँ ?)—वन्न आश्रनात्क कि प्रिथारवा ?

मूझे एक रिस्टवाच दिखाईये उपहार के लिए । (মুঝে এক্ রিস্টওয়াজ দিখাঈয়ে উপহার কে লিএ।)—আমাকে একটি রিস্টওয়াচ দেখান উপহারের জন্য।

जनानी या मर्दानी ? (জনানী অওর্ মর্দানী?)—মেয়েনের অথবা ছেলেদের?

मूझे जनानी चाहिए । (यूत्य जनानी ठाहिया)—व्यायाद प्रायत ठाहै।
कृपया इस तरफ देखिए । हर किस्म की जनानी घड़ियां इस केस
में राजी हैं । (कृश्रा हम् जदक प्रथिय। इत् किया की जनानी घड़ियां हम् कम
पाँ मजी हैं। (कृश्रा हम् जदक प्रथिय। इत् किया की जनानी घड़ियाँ हम् कम
पाँ मजी हैं। (कृश्रा हम् जदक प्रपिक प्रथ्न। नानान् धतलद प्रायत्व घड़ि यहै
किस्म माजाना व्याह्र।

धन्यवाद ! कृपया क्या वह तीसरी वाच दिखलाइयेगा ? (धन्देश ७ शाप्। कृश्रा कारा धरार् जीन्ती धराष्ट्र विचलाइयेगा ?)—धनादान। नग्रा कदा व कृष्टीय घड़िए एगादान कि १

जरर दिखायेंगे । हम आप लोगों की सेवा को ही यहाँ है । यह नीजिए । (जक्षत विधायक। इस कान लालों का जिया का है ह्युराँ হ্যায়। ইয়হ্ লীজিএ।)—নিশ্চয়ই দেখাবো। আমরা আপনাদের সেবার জন্যই এখানে আছি। এই নিন।

क्या कीमत है इसकी ? (क्याशा कीমত হাায় ইস্কী?)—এর মূল্য কত? तीन सौ पचास रुपैया । (তীন সও পচাস রূপ্যায়্য়া।)—তিন শো পঞ্চাশ টাকা।

तीन सौ पचास ! बहूत ज्यादा है । (তীন সও্ পচাস! वश्र्व ज्यापा हो। - তিন শো পঞ্চাশ! অনেক বেশী হচ্ছে।

बिल्कुल नहीं । यह स्विटजरलैंड की बनी है । नकली नहीं है । (विल्कुल नहीं। ইয়হ্ স্থিট্জরল্যান্ড কী বনী হ্যায়। নকলী নহীঁ হ্যায়।)— একবারে নয়। এটি সুইজারল্যাণ্ডের তৈরী। নকল নয়।

कुछ सस्ता कर देगा क्या ? (कूছ मछा कर् एन ना कारा।?)—किছू मछा करत एत्वन कि?

कहिए कितना देंगे आप ? (কহিএ কিত্না দেঙ্গে আপ্?) বলুন কত দেবেন আপনি?

में तीन सौ रुपैया देंगे। (মাঁয় তীন সও রূপ্যায়্য়া দেঙ্গে।)—আমি তিন শো টাকা দেব।

अच्छा एक काम करना, तीन सौ तीस रुपैया दे देना । (অচ্ছা এক কাম কর্না, তীন সও্ তীস্ রূপ্যায়্য়া দে দেনা।)—আচ্ছা এক কাজ করুন, তিন শো ত্রিশ টাকা দিন।

ठिक है, यह एक पैक कर दीजिए। (ठिक शांस, रेसर् এक প्रक् कत मीजिय।)—ठिक আছে, একে একটি প্যाक করে দিন।

## वुर्घटना (पूर्विग)—पूर्विना

रहिम; आज तुम्हारा इतनी देर क्यों हूआ ? (त्रश्मि, আজ जूम्हाता रेंजनी (त्रति क्या?)—त्रश्मि, আজ তোমার এতো দেরী হলো কেন?

दुर्घटना हो गई थी अब्बाजान । (पूर्यंप्रेना द्या गई थी व्यक्ताकान्!)—
पूर्यंप्रेना इत्य शिष्टला वावा।

कहाँ बेटा ? (कराँ तिहाश)—काशाय दिहा।
अमीर अली एविनिऊ में । (अभीत खली এও্য়ानिউ माँ।)—आभीत खाली
अिंकिएहरू

हाय अल्ला! कीई मरा तो नहीं ? (श्र खन्ना, कांने भरा छा नशैं?)

—হায় আলা। কেউ মরেনি তো?

लेकिन यह दुर्घटना हुई कैसे ? (लिकिन् इंग्नर्श पूर्यीना एक काग्नरमः)

—কিন্তু এই দুর্ঘটনা হলো কি করে?

एक कार एक मोटर साईकिल पर चढ़ गई और दो लड़कों को अपने नीचे ले लिया। (এक कात এक মाটत সাঈकिल পत् हुए गंके अंध्रत् मा लड़कों का अप्त नीफ ल लिया।)—এकिए कात (थाँग्रंडिंग कात) अकिए प्राचित प्राचेत प्राचेत प्राचेत कात है अपत है जिता निर्माणना का निर्माणना किए किए का निर्माणना का निर्माणना किए का निर्माणना का निर्माणना किए का निर्माणना किए का निर्माणना किए का निर्माणना किए का निर्माणना क

क्या वे एक ही मोटर साईकिल पर जा रहै थे ? (क्याया ७८४ এक शे प्राप्त प्राप्तिक भाषा अपने का तर १४ १)—जाता कि अकर प्राप्ति प्राप्ति प्राप्तिक प्राप्

हां, वे एक ही मोटर साईकिल पर जा रहे थे। (दाँ, उत्य এक् दी মোটর সাঈকিল্ পর্জা রহে থে।)—হাঁা, তারা একই মোটর সাইকেলে মাচিছল।

इसलिए में डबल सवारी कभी पसन्द नहीं करता । (ইস্লিএ মাঁয় ডবল্ সও্য়ারী কভী পসন্দ নহীঁ করতা।)—এইজন্য আমি দুজন আরোহী পছন্দ করি না।

कार पुरा तेज से जा रही थी। ड्राइवर उसे नियंत्रण नहीं कर सका। (कांत शृंता তেজ সে জा त्रेश थी। फ्राइंख्यात् छिट्टम नियम्बर्ष् नहीं कत् प्रका।)—कांत्रि शृंग (वर्ष्ण याष्ट्रिल। जिल्क ठारक नियम्बर्ण कवर्ण शास्त्रनि।

दोनों लड़कों को आखिर क्या हुआ : (१ १०) नज़रकें रका जाथिव

কায়া হতা?)—ছেলে দু'টির শেষ পর্যন্ত কি হলো?

एक लडके का तो पैर का एक हड्डी टुट गया और दूसरे के सिर में गहरा चोट लागा । (এक लड़िक् का ठा भाग्नत का এक रुड़ि ग्रेंग ग्रा च उत्पृत्त कि भित भाँ गरता छाएँ लागा।)— এकिए ছেलেत भाग्नत राड़ ख्टूळ शिष्ट चात च अत्रित भाषाय कड़ीत चाघाठ लिशिह।

अब वे कहाँ है ? (অव् उत्स कडाँ शांस?)—এখন তারা কোথায়? अस्पताल में । (অম্পতাল মোঁ)—হাসপাতালে।

## पाठ—१९ (পাঠ—১৯) अनुबाद (অনুবাদ)—বাংলা থেকে হিন্দী বাংলা

এক জঙ্গলে এক শিয়াল ছিল। সে খুব বুদ্ধিমান ছিল। একদিন সে বন থেকে বাইরে বেরোলো। পথে এক ভাল বাগান ছিল। বাগানে অনেক কাঁঠাল গাছ ছিল। গাছে ভালো ভালো কাঁঠাল ঝুলছিল। কাঁঠাল দেখে শিয়ালের মুখে জল ভরে এলো। ফল পাড়ার জন্য সে খুব লাফ ঝাঁপ দিল কিন্তু সব ব্যর্থ হলো।

কাঁঠাল উঁচুতে ছিল। অতএব একটিও ফল পেলো না। কিন্ত শিয়াল চালাক ও শক্তিমান ছিল। সে বন থেকে নিজের দু'টি সঙ্গীকে ডেকে নিয়ে এলো।

বড় শিয়ালটি গাছের নীচে দাঁড়িয়ে গেল। দ্বিতীয়টি তার পিঠের উপর চড়ে গেল। তৃতীয় শিয়াল দ্বিতীয়টির পিঠের উপর চড়ে গেল আর সবই কাঁঠাল পেড়ে মিলে মিশে খুব খেল।

#### हिन्मी

एक जंगल में एक सियार रहता था। वह बहुत बुद्धिमान था। एक दिन वह जंगल से बाहर निकला। मार्ग में एक अच्छा बाग था। जिसमें कटहल का पेड़ देखा। पेड़ पर अच्छे अबे कटहल लटक रहे थे। कटहल देखकर सियार के मुँह में पानी भर आया। फल तोड़ने के लिए वह बहुत उछला कूदा परन्तु

सब ब्यंथ हुआ।

कटहल ऊँचाई पर था। अतः एक भी फल न पा सका। किनु सियार चतुर और पराक्रमी था। वह जंगल से अपने दो साथियों को बुला लाया।

बड़ा सियार पेड़ के नीचे खड़ा हो गया । दूसरा उसक पीठ पर चढ़ गया । तीसरा सियार दूसर के पीठ पर चढ़ गया और सभी

कटहल तोड़कर आपस में खूबें खाये

#### हिनी धारक वाला

बहुत दिन पहले एक कौवा अपनी चोंच में एक मांस का दुकड़ा दबाये जा रहा था। वह एक पड़ की ड़ाल पर वैठा और अपनी चमकीली आँखों से मांस का दुकड़ा देखन लगा। वह बहुत खुश था। उसी समय एक लोमड़ी जो पास ही के एक बाग में छुपी हुई थी। कौवे को चांच में मांस का दुकड़ा लिए हुए दखी। लोमड़ी बहुत भूखी थी। उसने कुछ साचकर हँसते हुए जिस पड़ पर कौवा वैठा था; उसके नीचे आई।

आ मेरे प्यारे कौंबे ! इस बाग के तमाम पक्षी कहते हैं कि तुम हम सभी से सबसे मधुर गाते हो ; क्या तुम मुझे अपना गाना सुना सकते हो ? नादान कौंवा लोमड़ी की चिकनी चूपड़ी दातों में आ करके अपना मुँह खोलकर काँव काँव चिल्लान लगा । मास का दुकड़ा घरती पर गिर पड़ा और लोमड़ी उसे मुँह में लेकर चली गयीं ।

कौवा बहुत उदास हो गया लेकिन धूर्त लोमड़ी ने हसते हुए कहा कि कुछ भी हो भाई कौवा तुम्हारी आवाज इतनी अच्छा नहीं जितना कि तुम्हारा मांस का दुकड़ा।

বাংলা অনুবাদ

অনেক দিন আগে এক কাক নিজের ঠোঁটে এক মাংসের টুকরো চেপে ধরে যাচ্ছিল। সে একটি গাছের ডালের ওপর বসলো আর নিজের উজ্জ্বল চোখ দু<sup>টির</sup> দারা মাংসের টুকরো দেখতে লাগলো। সে খুব খুশী ছিল। সেই সময় <sup>এক</sup> খেঁকশিয়াল সে পাশেরই এক বাগানে ল্কিয়েছিল। কাকের ঠোঁটে মাংসের টুক<sup>রো</sup>

নেওয়া দেখেছিল। খেঁকশিয়ালটি খুব ক্ষুধার্ত ছিল, সে কিছু চিন্তা করে হাসতে হাসতে যে গাছের উপর কাক বসেছিল, তার নীচে এলো।

ও আমার প্রিয় কাক। এই বাগানের সকল পাখী বলে কি তুমি আমাদের সকলের চেয়ে মধুর গান কর, তুমি কি আমাকে নিজের গান শোনাতে পারো? বেচারা কাক খেঁকশিয়ালীর তোষামোদি কথায় ভুলে নিজের মুখ খুলে কাঁ কাঁ চিংকার করতে লাগলো। মাংসের টুকরো মাটিতে পড়ে গেল ও খেঁকশিয়াল সেটা মুখে নিয়ে চলে গেল।

কাক দুর্গখিত হয়ে গেল, কিন্তু ধূর্ত খেঁকশিয়াল হাসতে হাসতে বললে—যা হোক ভাই কাক, তোমার কণ্ঠস্বর এত সুন্দর নয় যতটা তোমার মাংসের টুকরো।

#### বাংলা থেকে হিন্দী অনুবাদ বাংলা

রেলগাড়ী আজকাল খুবই লাভদায়ক। গাড়ীর আগে বড় এবং মজুবত ইঞ্জিন থাকে। চালক তাকে খুব মনোযোগ সহকারে চালায়। প্রত্যেকটি গাড়ীতে গার্ড থাকে। সে নিজের কামরায় থাকে। এই কামরাকে গার্ডের কামরা বলা হয়। যখন গাড়ী স্টেশনে থামে, সেই সময় এর কাজ যাত্রীদের গাড়ী থেকে নামা ও নতুন যাত্রীদের গাড়ীতে বসা দেখা। দিনের বেলা গার্ডের সবুজ পতাকা এবং রাত্রে সবুজ বাতি দেখালে চালক গাড়ী চালায়। অনেক লোক রেলওয়ে লাইনের ওপর কাজ করে। তাদের কাজ হলো লাইনকে সর্বদা ঠিক রাখা।

#### रिन्मी अनुवाम

रेलगाड़ी आजकल बहुत लाभदायक है। गाड़ी के आगे बड़ा और मजबूत इंजन होता है। ड्राइवर उसको बड़े ध्यान से चलाता है। हर एक गाड़ी में गार्ड होता है, जो अपने डिब्बे में रहता है। यह डिब्बा गार्ड का कमरा कहलाता है। जब गाड़ी स्टेशन पर ठहरती है तो उस वक्त इसका काम यात्रियों को गाड़ी से निकलते और नये यात्रियों को गाड़ी में बैठते हुए हेखना है। दिन के समय गार्ड की हरी झण्डी और रात के समय हरी बत्ती दिखाने से ड्राइवर गाड़ी चलाता है। बहुत से आदमी रेलवे लाइन पर काम करते

## हैं। उनका काम लाइन को हमेशा ठीक रखने का है।

#### হিন্দী থেকে বাংলা অনুবাদ হিন্দী

तुम्हारा नाम क्या है ? मेरा नाम जयंत गृह। तुम क्या करते हो ? में एक दफ्तर में काम करता हूँ तुम्हारे पिता क्या काम करते हैं ? वह एक प्राइबेट सर्बिस में है। तुम्हारे छोटा भाई क्या करते हैं ? वह कालेज में पढ़ता है तुम्हारे घर से कालेज कितनी दूर है ? लगभग दो किलोमीटर। तुम्हारा भाई का नाम क्या है ? उसका नाम गोपाल है। अव तुम कहाँ जाता है ? में दूकान पर जाता हूँ। द्रकान से क्या खरीदोगे ? सिर्फ दो टिकिया साबुन।

বাংলা অনুবাদ

তোমার নাম কি?
আমার নাম জয়ন্ত গুহ।
তুমি কি করছো?
আমি এক অফিসে কাজ করি।
তোমার বাবা কি কাজ করেন?
তিনি একটি প্রাইনেট চাকরীতে আছেন।

তোমার ছোট ভাই কি করে?
সে কলেজে পড়ে।
তোমাদের ঘর থেকে কলেজ কতদূর?
প্রায় দূই কিলোমিটার।
তোমার ভাইয়ের নাম কি?
তার নাম গোপাল।
এখন তুমি কোথায় যাচছ?
আমি দোকানে যাচছি।
দোকানে কি কিনবে?
মাত্র দু' পিস্ সাবান।

#### বাংলা থেকে হিন্দী অনুবাদ প্রভূভৃত্যের কথাবার্তা বাংলা

হরি। এদিকে এসো।
বলুন, মালিক।
আমাকে স্টেশনে যেতে হবে।
বলুন, আমাকে কি করতে হবে?
একটা ট্যাক্সী ডেকে আনো।
ট্যাক্সী স্ট্যান্ড কোথায় হজুর?
বিডন স্ট্রীটের মোড়ে।
আমি এখনি যাচ্ছি।
টিক আছে। একটু তাড়াতাড়ি আসবে।
ট্যাক্সী এসে গেছে হজুর।
আমার জিনিস-পত্র ট্যাক্সীতে রাখো।
ঠিক আছে। আর কি কাজ আছে?
না, আর কিছু নয়। আমার অনুপস্থিতিতে সাবধান থাকবে।
আপনি কবে ফিরবেন?

शिकी वानुवान

हरि ! यहाँ आओ । कहिए, मालिक । मुझे स्टेशन जाना है। कहिए, मुझे क्या करना है ? एक टैक्सी बुला लाओ । टैक्सी स्टैन्ड कहाँ है, हुजूर। विडन स्ट्रीट के मोड़ पर। में अभी जाता है ठीक है। जरा जल्दी आना। टैक्सी हाजिर है हुजूर। मेरा सामान टैक्सी में रखो। ठीक है। और कुछ काम है ? नहीं और कुछ नहीं । मेरा अनुपस्थिति में होशियार रहना । आप कब लीटेंगे एक हफ्ता बाद लौटेंगे । तुम्हें कुछ चाहिए ? मुझ हाँ खुलकर कहो । संकोच मत करो ।

धन्यवाद ! क्या मैं भी आपके साथ चल सकता हूं ? अच्छा वहाँ तुम्हारा क्या काम है ? मेरे माता-पिता वहाँ रहते हैं । मैं उन्हें मिल लूंगा । अच्छा, मुझे यह मालूम नहीं था । जी हां । अच्छा तुम जल्दी से तैयार हो जाओ ! धन्यवाद मालिक । आपकी बड़ी मेहरबानी ।

# पाठ—२० (পাঠ—২০) भित्र से बातचित (মিত্র সে বাতচিত্) বন্ধুর সঙ্গে কথাবার্তা

কল নুদ কहাঁ गया था ? (কল্ তুম্ কহাঁ গয়া থা?)—গতকাল তুমি কোথায় গিয়েছিলে?

मैं अपने बड़ा भाई से मिलने गया था (भाँय অপ্নে বড়া ভাঈ সে মিলনে গয়া থা।)—আমি আমার বড় ভাইয়ের সঙ্গে দেখা করতে গিয়েছিলাম।

तुमसे दीपक के साथ मूलाकात हुआ ? (जून्स मीश्रक स्म नाथ मूलाकाठ रुवा?)— তোমার সঙ্গে দীপকের দেখা হয়েছিল?

उसके साथ इतवार को मूलाकात हुआ। (উস্কে সাথ ইত্ওয়ার কো মূলাকাত্ হুআ।)—তার সঙ্গে রবিবারে দেখা হয়েছে।

उससे तुमने क्या बोला ? (উস্সে তুম্নে ক্যায়া বোলা?)— সে তোমাকে কি বলেছে?

हमसे बहुत सी विषयों पर बातचीत हूई । (इम्प्स वर्ण नी ७ियस्या अत बाज्हीज हमें।)—आमात माम जानक विस्ता कथावार्जा रायहा

तुम उससे क्या पूछा ? (जूम् উস্সে क्यांशा পृছा१)—जूमि जांक कि जिज्जामा कतला१

मैने उससे पूछा कि वह नागपुर में कहाँ ठहरेगा ? (भाग्नल উम्ल

পূছা কি ওয়হ্ নাগপুর মেঁ কহাঁ ঠহরেগাং)—আমি তাকে জিজ্ঞাসা করেছিলাম সে নাগপুরে কোথায় থাকবেং

वह क्या बोला ? (७.स.च् कासा वाला?)— अ कि वलला?

उसने बताया कि वहां होटल में ठहरेगा । (উস্নে বতায়া कि ७ शहाँ (शाँन भाँ ठेर्द्रगा।)— स्म वनल स्मिशान शांकिल थाकरव।

आप यहां कहां रहते हैं ? (बाल देशराँ कराँ तर्ट शांश ?)—वालिन

वंशाति (काशाय शाकन?

में महात्मा गांधी रोड पर एक होटल में रहता है। (गुँग भश्रा शाकी রোড পর এক হোটল মেঁ রহতা হাায়।)—আমি মহাত্মা গান্ধী রোডের ওপর এক হোটেলে থাকি।

में भी पहले यहाँ आकर एक होटल में था । (भाँग्र छी পरেल रेग्नराँ आकत এक राउँन (भाँ था।)—आभिछ क्षथरम अथान अस्म अकि राउँल

ছিলাম।

कितना दिन पहेले ? (কিতনা দিন পহেলে?)—কত দিন আগে? लगभग एक साल हो गया । (লগভগ্ এক সাল হো গয়া।)—প্রায় এক বছর হয়ে গেছে।

अब कहाँ रहते है ? (अव् कराँ त्रव्र्ष्ट शायः?)— এখন কোशाय

থাকেন?

अब तो सल्ट लेक में एक फ्लट ले लिया । (অব্ তো সল্ট লেক মেঁ এক ফুট্ লে লিয়া।)—এখন তো সল্ট লেকে একটি ফু্য়াট নিয়েছি।

आप कितना किराया देता ? (আপ किত्ना कि ता द्या प्राची ?) — आश्रीन

কত ভাড়া দেন?

हाई सौ रुपये महीनों में । (जिंद्र अर्थ क्रिश्ट्स महीनों साँ।)—আড়াই শ' টাকা মাসে।

क्या आप वहां अकेला रहता ? (कााया जान उग्रहाँ जातना तरण?)
— जानि कि मिश्रात अका शांकन ?

वहाँ आप कितने दिनों से रहता है ? (७ ग्रर्श वाश् किन्द पिताँ अव कर्ण किन्द पिताँ अव कर्ण किन्द विकास किन्द क

लगभग नौ महिनों हो गया। (लगडग् न७ महिताँ दा गया।) थाय न' मात्र रख़ गिष्ट।

कलकत्ते में रहाइश के दौरान मुझे अनेक मित्र मिले। (কলকতে মেঁ রহাইশ্ কে দও্রান মুঝে অনেক মিত্র মিলে।)—কলকাত্তায় থাকাকালীন আমার অনেক বন্ধুর সঙ্গে দেখা হয়েছিল।

आप यहां कुछदिन रहेगा तो ? (আপ্ ইয়হাঁ কুছ্দিন রহেগা তো?)
—আপনি এখানে কিছুদিন থাকবেন তো?

एक महीना रहने का निश्चय किया । (এक महीना तर्क का निश्वय किया।)—এक मात्र थाकरवा वर्ल श्वित करति ।

तब तो हमेशा मूलाकात होगा । (তব্ তো হমেশা মূলাকাত হোগা।)
—তাহলে তো প্রায়ই দেখা হবে।

जरुर होगा, लेकिन अब मुझे जाना होगा। (জরুর হোগা, লেকিন্
অব্ মুঝে জানা হোগা।)—নিশ্চয়ই হবে, কিন্তু এখন আমাকে যেতে হবে।

इतनी जल्दी कहां जाना है ? (ইত্নী জল্দী কহাঁ জানা হ্যায়?)—এত তাড়াতাড়ি কোথায় যেতে হবে?

बहुत जरुरी काम है। (বহুত জরুরী কাম হাায়।)—খুব দরকারী কাজ আছে।

कहाँ पर ? (कश् श्रत्?)—काथाय ?

कालेज स्ट्रीट में जाना है। (कालिक ख्वीए (में जाना शाय।) कलिक ख्वीएए याक श्रात

वहाँ क्या जरुरत है ? (७३१ँ काम्रा जरूत्व शाय ?)—७ थात कि फतकात ?

एक किताब खरीदना होगा। (এक किতाव थरीमना द्यागा।)—এकটा वरे किनाट रहा।

किताब की नाम क्या है ? (किতाव की नाम कााग्रा शाय ?)—वर्राय नाम कि?

निलए, मैं भी नले । (हिल्जि, ग्राँग ही हला।)—हेनून, वा आइए । (बाइँएग)—बाभून। कैसे जावेगा ? (कायरम काउँएगा?)—कि करत यार्वन? ट्रम से जावेगा । (द्विम स्म काउँएगा।)—द्वारम यार्वा।